मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	18.6	18.5
जमशेदपुर	19.8	17.6
डालटनगंज	19.8	18.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

पेज 8-9

www.lagatar.in | शुक्रवार, 08 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 230 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

किसने क्या कहा

- केरल के राज्यपाल अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रहे -पी. विजयन
- फरवरी में पेश होने वाले बजट में कोई 'बड़ी घोषणा' नहीं होगी -सीतारमण
- कांग्रेस ने राज्यों को बना दिया है एटीएम - कुणाल षाड़ंगी

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,100
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

महुआ पर आज सदन में पेश हो सकती है रिपोर्ट

नयी दिल्ली। लोकसभा में 'धन लेकर सवाल पूछने' के मामले में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश वाली आचार समिति की रिपोर्ट शुक्रवार को निचले सदन में पेश की जा सकती है. विपक्षी सदस्यों ने जोर दिया कि फैसले से पहले सिफारिशों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए.

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के सीएम पद की शपथ ली

हैदराबाद। कांग्रेस विधायक दल के नेता ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यहां एक समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इस दौरान सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेता मौजूद थे.

बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी: सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एक फरवरी, 2024 को पेश किए जाने वाले बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं होगी. उन्होंने कहा कि यह आम चुनाव से पहले पेश होने वाला लेखानुदान होगा. यह सीतारमण का छठा बजट होगा.

विधायक बने भाजपा सांसदों के इस्तीफे

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाजपा के उन नौ सांसदों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं, जिन्होंने हालिया विधानसभा चुनावों में विधायक निर्वाचित होने के बाद बुधवार को त्यागपत्र दिए थे.

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान दें

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर देश के बहादुर जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को याद करते हुए देशवासियों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का आग्रह किया.

अमेरिकी सांसदों ने की भारत की आलोचना

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश रचने में एक भारतीय अधिकारी के शामिल होने के आरोपों के बाद, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने भारत की आलोचना की है.

गौतम गंभीर ने मुझे फिक्सर कहा : श्रीसंत

सूरत। पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने गुरुवार को आरोप लगाया कि क्रिकेटर गौतम गंभीर ने उन्हें यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच के दौरान 'फिक्सर' कहा.

100 स्मार्ट शहरों में रांची सेकेंड टॉपर

रांची। देश के 100 स्मार्ट शहरों में रांची स्मार्ट सिटी दूसरे नंबर पर है. स्मार्ट सिटी वाले शहरों में विकास के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा जारी रैंकिंग में झारखंड को 350 में से 234.48 नंबर मिले हैं, वहीं गुजरात का सूरत शहर 335.79 अंक के साथ नंबर वन पोजिशन पर है. गुरुवार को यह रैंकिंग जारी की गई है.

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ओडिशा व झारखंड के ठिकानों पर आईटी की रेड

300 करोड़ नकदी जब्त

राज्यसभा सांसद धीरज साहू से संबंधित कंपनी के ठिकाने पर IT रेड में 300 करोड़ से अधिक नकदी जब्त

सौरभ सिंह। रांची

ओडिशा के आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने कांग्रेस राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के ओडिशा के बोलांगीर व संबलपुर और झारखंड के लोहरदगा व रांची के ठिकानों पर छापेमारी में गुरुवार को 300 करोड़ से अधिक की नकदी जब्त की. शराब व्यापार से जुड़ी बौद्ध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड और इस समूह की तीन अन्य कंपनियों के ठिकानों पर बुधवार की सुबह ही आयकर विभाग की टीम ने दबिश दी थी. तब बताया गया था कि यह आयकर सर्वे है, लेकि भारी मात्रा में रुपये बरमदगी के बाद बताया गया कि छापेमारी में मोटी रकम मिली है. बौद्ध डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी राज्यसभा सांसद धीरज साहू से संबंधित है.

राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू

बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज के बलांगीर कार्यालय पर छापेमारी के दौरान 150 करोड़ से अधिक नकदी जब्त की गयी. इसे पश्चिम ओडिशा में सबसे बड़ा स्वदेशी शराब निर्माण और बिक्री कंपनियों में से एक बताया जाता है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, संबलपुर कॉरपोरेट ऑफिस में छापेमारी के दौरान 150 करोड़ से ज्यादा की रकम भी जब्त की गई है. अधिकारियों के मुताबिक, ओडिशा के बोलांगीर और संबलपुर और झारखंड के रांची, लोहरदगा में तलाशी चल रही है.बुधवार तक तक 50 करोड़ रुपये तक के नोटों की गिनती पूरी हो चुकी थी, लेकिन नोटों की संख्या इतनी अधिक होने के कारण मशीनों ने काम करना बंद कर दिया.

50 करोड़ की रकम गिनते-गिनते तीन दफा मशीन ठप हुई, नकदी देख जांच टीम भी भौंचक, तरह-तरह की चर्चा

बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर पहले भी आयकर विभाग ने छापा मारा था

जानकारी के मुताबिक, जिस बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर पहले भी आईटी ने छापा मारा था. उसकी पार्टनरशिप फर्म बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनीज है. बुधवार को इनकम टैक्स की टीम ने सुंदरगढ़ के शराब कारोबारी राजकिशोर प्रसाद जायसवाल के सरगीपाली स्थित घर, ऑफिस और देशी शराब भट्ठी पर भी छापेमारी की थी. पलासपल्ली में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के कॉर्पोरेट कार्यालय और कुछ अधिकारियों के घरों पर भी छापेमारी की गई थी.

रात में ही टीम तैयार थी, सुबह छापेमारी की जानकारी दी

बुधवार की सुबह आईटी की टीम ने ओडिशा के बोलांगीर व संबलपुर और झारखंड के लोहरदगा व रांची के सांसद के घर व दफ्तर में दस्तक दी थी. रेड के बाद से कई तरह की चर्चा है. आईटी की टीम ने सांसद धीरज साहू और उनके संबंधियों के तीन ठिकानों पर कार्रवाई कर रही है. इसमें रांची के रेडियम रोड आवास, लोहरदगा के थाना टोली स्थित आवास और ओडिशा का बोलांगीर व संबलपुर शामिल हैं. फिलहाल कोई भी अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं है.

बरकाकाना, अरगड्डा व कुजू में खंगाले जा रहे कागजात

कारोबारी आरसी रूंगटा के कई ठिकानों पर आईटी का सर्वे

रामगढ़। बड़े कारोबारी आरसी रूंगटा के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम गुरुवार सुबह सर्वे करने पहुंची. जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग की टीम कथित टैक्स चोरी मामले की जांच के लिए रूंगटा के कारोबारी ठिकानों पर सर्वे कर रही है. सबसे पहले आयकर टीम रामगढ़ जिले में रूंगटा के ठिकाने पर पहुंची. यहां तीन प्लांट और आवास सह कार्यालय में सर्वे किया जा रहा है. रूंगटा की जिन तीन फैक्ट्रियों में सर्वे किया जा रहा है, उनमें एक बरकाकाना के हेहल, दूसरी अगरड्डा और तीसरी कुजू ओपी क्षेत्र में है. वहीं, रामगढ़ थाना क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक के पास स्थित उनके आवास सह कार्यालय में भी कागजात खंगाले जा रहे हैं. इस दौरान रूंगटा के सभी ठिकानों पर सुरक्षा बल की तैनाती की गई थी. तीनों प्लांट और आवास सह कार्यालय में किसी भी बाहरी के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी. वहीं, प्लांट के कर्मियों और घर वालों से पूछताछ की जा रही है. - शेष पेज 13 पर

जमशेदपुर में आईटी का कार्रवाई

जुगसलाई के कारोबारी समेत 7 के ठिकानों पर आईटी की दबिश

जमशेदपुर। कारोबारी विक्की भालोटिया के आवास पर गुरुवार सुबह आयकर विभाग छापेमारी करने पहुंची. टीम ने जुगसलाई नया बाजार स्थित विक्की भालोटिया के घर पर छापेमारी शुरू की. इसके अलावा भालोटिया से जुड़े रंजन मित्तल, सुशील खोवाला, अधिवक्ता पुत्र और भाजपा नेता समेत कुल सात स्थानों पर टीम लेन-देन के दस्तावेजों को खंगाल रही है. विक्की पर 250 करोड़ के टैक्स घोटाले का आरोप है. आईटी टीम ने विक्की, रंजन व निलेश राजगढ़िया को कोलकाता के एक होटल से हिरासत में भी लिया है. तीनों से पूछताछ मे मिले इनपुट के बाद टीम छापेमारी को पहुंची. -शेष 13 पर

भालोटिया के घर के बाहर ईडी के वाहन

रसियन गेहूं, बिन बिके मकान और पुरानी पेंशन

सुरजीत सिंह

हाल की ही बात है. साल-दो साल पहले तक हम गेहूं का निर्यात करते थे. अब आयात करेंगे. निर्यात मतलब देश का गेहूं दूसरे देश में बेचते थे और आयात का मतलब विदेश का गेहूं खरीद कर देश में लाएंगे. गेहूं का आयात सालों बाद होगा. 16 नवंबर तक देश के केंद्रीय पूल में गेहूं का 210 लाख टन स्टॉक था. आज की तारीख में गेहूं का बाजार मूल्य 2800 रुपये प्रति टन है. सरकार गेहूं के आयात को कम करने के लिए 40 प्रतिशत की ड्यूटी शुल्क लगाती थी, ताकि किसानों का नुकसान ना हो. ताजा सूचना यह है कि भारत अब रूस से गेहूं का आयात करने पर विचार कर रहा है. यानी अब आप रसियन गेहूं का आटा खाएंगे. यह स्थिति क्यों बनी, यह सोचने वाली बात है. इसके कई कारण हैं.

पहली: विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 81 करोड़ लोगों को अगले पांच साल तक मुफ्त राशन देने की घोषणा की है. इसके लिए सरकार को ज्यादा अनाज की जरूरत है.

दूसरी: किसान गेहूं बेच नहीं रहें हैं. खास कर सरकार को. क्योंकि सरकारी मूल्य से अधिक बाजार मूल्य है. इसका असर सरकारी गोदाम में गेहूं के स्टॉक पर पड़ रहा है.

तीसरी: बारिश कम होने और नवंबर-दिसंबर में भी मौसम में ज्यादा गर्मी रहने के कारण रबी की फसल कमजोर होने का अनुमान है.

कैसे हो आयात: रूस से गेहूं का आयात हो, इसके लिए सरकार को उस पर लगने वाले ड्यूटी टैक्स को कम करना होगा. नहीं तो गेहूं बहुत अधिक महंगा होगा. दूसरा रास्ता यह है कि सरकार जी2 लेबल, यानी सरकार टू सरकार गेहूं खरीदे. ऐसा करने से सरकारी गोदाम में गेहूं का स्टॉक बढ़ेगा और बाजार में कीमत नियंत्रित करने में आसानी होगी.

बिन बिके मकान

आर्थिक जगत, खास कर बिल्डिंग निर्माण क्षेत्र के लिए बड़ी खबर है. इस साल अप्रैल से लेकर सितंबर के बीच देश भर में 1.45 लाख करोड़ रुपये के मकानों की इंवेंटरी खड़ी हो गयी है. इंवेंटरी मतलब मकान बिके नहीं. विशेषज्ञ इसे चिंता की बात मान रहे हैं. इसकी कई वजहें हैं.

पहली: देश में 50 लाख रुपये से कम के आवास कम बिक रहे हैं. इससे अधिक के आवास ज्यादा बिक रहे हैं. क्योंकि मिडिल क्लास सिकुड़ गया है. घर खरीदना अब उसकी औकात से बाहर की बात है.

दूसरी: देश में पहले से 4.80 लाख बिन बिके मकान पड़े हैं. रेरा ने कई प्लान बनाए, पर मकान नहीं बिके. सरकारी स्तर पर भी विशेष फंड की व्यवस्था की गई, पर मकानों की बिक्री में बढ़ोतरी नहीं हुई.

तीसरी: पिछले 33 महीनों में देश में जितने मकान बिके हैं, लगभग उतने ही मकान अभी बिन बिके पड़े हैं. मतलब अगले 33 माह तक मकान ना भी बनें तो खरीदने वालों को मकान मिल जाएगा.

चौथी: जो बिन बिके मकान हैं, उसमें बैंक व आम लोगों का पैसा लगा है. जब तक मकान बिकते नहीं, तब तक पैसा वसूली संभव नहीं. ऐसे में बैंकों के सामने लाखों करोड़ रुपये का एनपीए होने का खतरा मंडरा रहा है. आम लोगों के पैसे डूब सकते हैं.

पुरानी पेंशन

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगना और मिजोरम चुनाव से पहले तक सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम देने का मुद्दा एक बड़ा चुनावी मुद्दा था. -शेष पेज 13 पर

कोयला तस्करों ने पुलिस वाहन को मारी टक्कर

4 जवान घायल, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता। निरसा/धनबाद

निरसा में पुलिस को अवैध कोयला लदे ट्रक को रोकना महंगा पड़ा. तस्कर पुलिस वाहन को ट्रक से टक्कर मारते हुए भाग निकले. घटना में निरसा थाने के एएसआई समेत 4 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए. उनका इलाज असर्फी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है.वहीं, पुलिस वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. घटना बुधवार देर रात की है.

जानकारी के अनुसार, निरसा पुलिस की टीम देर रात गश्ती पर निकली थी. रात करीब 12.40 बजे टीम की नजर एनएच-2 (जीटी रोड) पर सासनबेड़िया के समीप कोयला लोड एक ट्रक पर पड़ी. गश्ती दल ने ट्रक का पीछा किया. इसी दौरान ट्रक पर सवार कोयला तस्करों ने पुलिस जीप को जोरदार टक्कर मार दी. घटना में गश्ती दल इंचार्ज एएसआई विनोद कुमार, सिपाही सुजीत व रंजय तथा चालक अनिल राज गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को इलाज के लिए रात करीब 2 बजे धनबाद स्थित असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहीं क्षतिग्रस्त जीप को पुलिस थाना ले गई.

निरसा में कोयला लदे ट्रक का पुलिस गश्ती दल कर रहा था पीछा

घायलों की स्थिति में सुधार

घायलों का इलाज आईसीयू में चल रहा है. इलाज कर रहे डॉक्टर का कहना है कि किसी को पांव में, तो किसी को हाथ में चोट लगी है. हालांकि सभी खतरे से बाहर हैं. वहीं, आईसीयू के बाहर पुलिस को तैनात किया गया है. पुलिस की करतूत से पर्दा न हट जाए, इसके लिए घायलों से किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा है.

पुलिस प्रशासन जिम्मेवार

इधर, स्थानीय लोग घटना के लिए पुलिस प्रशासन को ही जिम्मेवार मान रहे हैं. लोगों का कहना है कि एक तरफ दिखावे के लिए पुलिस कार्रवाई करती है, वहीं दूसरी ओर कोयला तस्करों को छूट दे रखी है. एक आंख में काजल और दूसरी में सुरमा नहीं चलेगा. अगर पुलिस सशक्त हो जाय, तो एक छटांक भी कोयला इधर से उधर नहीं हो पायेगा.

एल खियांग्यते ने मुख्य सचिव का पदभार संभाला

रांची। लाल बियाक्त लुंगा खियांगते ने गुरुवार सुबह 10.30 बजे राज्य के 24वें मुख्य सचिव का पदभार संभाल लिया. मौके पर सभी विभागों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट भी मौजूद रहे. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि डेवलपमेंट स्कीम आम लोगों तक पहुंचे, इस पर फोकस किया जाएगा. बताते चलें कि एल खियांग्यते 1988 बैच के आइएएस अफसर हैं. वे 31 अक्टूबर 2024 को रिटायर होंगे. खियांग्यते ने अपने कॅरियर की शुरुआत एकीकृत बिहार के बक्सर जिले में डीएम के रूप में की थी. राज्य गठन के बाद वे झारखंड कैडर में चले आए. इसके बाद वे कल्याण विभाग, भवन निर्माण विभाग, पंचायती राज, एनआरईपी के विज्ञान प्रावैधिकी विभाग में पदस्थापित रहे. झारखंड प्रतियोगी परीक्षा पर्षद के परीक्षा नियंत्रक के रूप में भी काम किया. 2018 से 2020 तक उन्होंने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में काम किया. राज्य सरकार ने बुधवार को मुख्य सचिव सुखदेव सिंह का तबादला करते हुए एटीआई का महानिदेशक बनाया और एल खियांग्ते को राज्य के नए चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेवारी सौंपी है.

8 लाख गरीबों को देंगे आशियाना

348.10 करोड़ रुपए की 452 योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

- 2 लाख 26 हज़ार 85 लाभुकों के बीच 204.11 करोड़ रुपए की बांटी परिसंपत्ति
- सरकार की योजनाओं से जुड़ कर खुद को बनाएं सशक्त
- एयरकंडीशन कमरे में नहीं चल रही है अबुआ सरकार : सीएम

संवाददाता। जमशेदपुर/ रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि अबुआ सरकार एयर कंडीशन कमरे से नहीं चल रही है. यह सरकार घर-घर पहुंच रही है. जनता की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता से सुन रही है और उसका समाधान कर रही है. सरकार राज्य के 8 लाख गरीबों को उनका आशियाना देगी.

सीएम गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम के पोटका मानपुर पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा यह एक महाअभियान है, जिसके माध्यम से आपको पूरे मान-सम्मान के साथ आपका अधिकार देने सरकार आपके दरवाजे पर पहुंच रही है. आप अपनी जरूरत की योजनाओं से जुड़ें और खुद को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें.

सीएम ने दी योजनाओं की सौगात : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 348.1करोड़ रुपए की 452 योजनाओं की सौगात पूर्वी सिंहभूम को दी. इसमें 53.28 करोड़ रुपए की 100 योजनाओं का उद्घाटन और 294.82 करोड़ रुपए की 352 योजनाओं की नींव रखी गई. विभिन्न योजनाओं के 2 लाख 26 हज़ार 85 लाभुकों के बीच 204.11 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति बांटी. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर गरीब और जरूरतमंद को रोटी, कपड़ा और मकान के साथ पेंशन के तौर पर सामाजिक सुरक्षा दे रही है. -शेष पेज 13 पर

सीएम ने देखा आबुआ आवास का मॉडल

पोटका में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर में सीएम हेमंत सोरेन ने आबुआ आवास योजना का मॉडल को देखा. जिला प्रशासन की ओर से झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आबुआ आवास योजना में तीन कमरे और शौचालय का निर्माण किया जाएगा.

महासमर की सिर्फ प्रस्तावना हैं चुनाव नतीजे

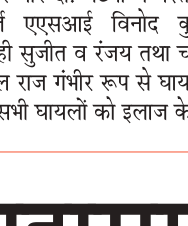

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

चुनाव परिणामों से स्वाभाविक रूप से भाजपा में उत्साह है, खासकर से छत्तीसगढ़ के नतीजों से. सचमुच भाजपा ने यहां कमाल कर दिया है.

प्रसंगवश

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गये हैं. परिणामों पर उत्साही-निशादी क्रियाओं-प्रतिक्रियाओं का शोर शांत हो गया है. अभी कुछ दिन मंथन का दौर चलेगा. विजेता दल अपनी सरकार बनाने के हिसाब-किताब में लगे हैं. लेकिन जनता ने जो फैसला दिया है, वह स्पष्ट है. उसने किसी घालमेल की गुंजाइश नहीं छोड़ी है. चुनाव परिणामों से स्वाभाविक रूप से भाजपा में उत्साह है, खासतौर से छत्तीसगढ़ के नतीजों से. सचमुच यहां भाजपा ने कमाल कर दिया है. जो पार्टी चार साल तक सोयी रही, नेताविहीन रही, न कोई बड़ा आंदोलन-प्रदर्शन हुआ, वह मात्र छह महीने की तैयारी में भूपेश बघेल की मजबूत सूबेदारी के बावजूद कांग्रेस की चूलें हिला दे, यह हैरतअंगेज ही है. बघेल ने यहां राम वन गमन पथ के माध्यम से भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पिच छीन ली थी. किसानों को वह सबकुछ दिया, जो पंद्रह वर्षों में रमन सिंह की सरकार ने नहीं दिया था. लेकिन बघेल और समूची कांग्रेस यह भूल गयी कि छत्तीसगढ़ में सरकारें अमूमन धान के खेत में ही पैदा होती हैं और वहीं डूब जाती हैं. इसलिए जैसे ही भाजपा ने धान की खरीद तीन हजार रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की, उसके पक्ष में माहौल बनने लगा. इस माहौल को गाढ़ा किया महतारी वंदन योजना की घोषणा ने, जिसके तहत सालाना बारह हजार रुपये देने का वायदा किया गया था. रही-सही कसर महादेव (ऐप) ने पूरी कर दी.

मोदी की गारंटी थी या मोदी ही गारंटी थे : शराब घोटाले में कुम्हलाई बघेल सरकार पर यह सबसे बड़ी चपत थी. मध्य प्रदेश में भाजपा का पहले से अपर हैंड था, लेकिन उसके पक्ष में लहर पैदा हुई शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना योजना से. इन दोनों राज्यों में महिलाओं ने इतना बढ़ चढ़ कर मतदान किया कि भाजपा की बांछे खिल गईं. कयास लगाया जा रहा था कि यदि लाभकारी योजनाएं छत्तीसगढ़, मप्र. में माहौल बदल सकती हैं, तो राजस्थान में अशोक गहलोत ने जितनी भारी-भरकम रेवड़ियों की घोषणा की है और दे भी रहे हैं, उससे रिवाज बदल सकता है. यानी उनका राज कायम रह सकता है. लेकिन भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार, तथाकथित लाल डायरी और ऊपर से कन्हैया (सर तन से जुदा प्रकरण) ने गहलोत की योजनाओं पर पानी फेर दिया. ऐसा नहीं है कि छत्तीसगढ़, मप्र में कांग्रेस ने भारी भरकम लोकलुभावन रेवड़ियों की घोषणा नहीं की थी, लेकिन सवाल साख का था. इधर मोदी की गारंटी थी या मोदी ही गारंटी थे और सामने गारंटी देने वालों की ही कोई गारंटी नहीं थी.

तेलंगाना में भी भ्रष्टाचार और वंशवाद हारा है : जहां तक तेलंगाना की बात है, यहां भी भ्रष्टाचार और वंशवाद हारा है. केसीआर ने बतौर सीएम एक राजा की तरह 10 वर्षों तक निरंकुश राज किया और बेशुमार दौलत कमाई -लुटाई. लेकिन इस बार मुस्लिम मतों का ध्रुवीकरण उनके खिलाफ हो गया. मुस्लिमों के स्वघोषित रहनुमा ओवैसी उनके काम नहीं आये. चूंकि भाजपा ने वहां डेढ़-दो साल पहले कुछ आत्मघाती फैसलों से खुद को अप्रासंगिक बना लिया था और बीआरएस के विकल्प के रूप कांग्रेस ही सक्रिय थी, इसलिए उसने केसीआर को ठीक से सबक सिखा दिया. -शेष पेज 13 पर

भाजपा लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी : पीएम मोदी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा शासन के लिए लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी बन गई है क्योंकि सत्ता में रहते हुए चुनाव जीतने का उसका रिकॉर्ड कांग्रेस और अन्य दलों के मुकाबले काफी बेहतर है.

सूत्रों के अनुसार, भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम ने विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का श्रेय किसी नेता को नहीं, बल्कि 'टीम भावना' को दिया. कहा कि तीन राज्यों में जीत के अलावा तेलंगाना और मिजोरम में भी पार्टी की ताकत बढ़ी है. पीएम ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे जनता से संवाद के दौरान ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें जो वे पसंद करते हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें 'मोदी जी की गारंटी' के बजाय 'मोदी की गारंटी' का इस्तेमाल करना चाहिए. मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए ये आंकड़े 39 बार में 22 है, यानी सफलता दर 56 प्रतिशत है.

बोले पीएम

- जीत का पूरा श्रेय किसी एक को नहीं टीम भावना को है
- देश में 4 जाति जातियां गरीब, युवा, महिला और किसान

ब्रीफ खबरें

मदरसों का पंजीयन व परीक्षा शुल्क माफ करें

रांची। झारखंड छात्र संघ ने राज्य सरकार से सरकारी एवं अल्पसंख्यक विद्यालय की तर्ज पर मदरसा वस्तानिया कक्षा 8 का पंजीयन एवं परीक्षा शुल्क माफ करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष एस अली ने मुख्यमंत्री, संसदीय कार्य मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री, शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक को मांग पत्र भेजा है. पत्र के माध्यम से बताया कि झारखंड अधिविध परिषद द्वारा गैर सहायता प्राप्त एवं अनुदानित मदरसों से वस्तानिया (कक्षा-8) में पंजीयन एवं परीक्षा शुल्क लिया जाता है साथ ही दोनों के लिए अलग से फार्म शुल्क भी लिये जाते हैं.

धीरज साहू की हो गिरफ्तारी : षाड़ंगी

रांची। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से इनकम टैक्स की रेड में 300 करोड़ से अधिक राशि बरामद होने पर भाजपा ने कांग्रेस पर हमला किया है. प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि कांग्रेस ने राज्यों को एटीएम बना दिया है. कांग्रेस केवल लूट और भ्रष्टाचार की गारंटी दे सकती है. कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. कुणाल ने कहा कि इतनी अधिक मात्रा में जब्त किए गए नकद राशि कहां से आये इसका जवाब कांग्रेस को देना होगा. उन्होंने कहा कि जांच कर सांसद की गिरफ्तारी होनी चाहिए.

पल्स को एम्स एक्सटेंशन सेंटर बनाएं : संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद संजय सेठ ने लोकसभा में ईडी द्वारा जब्त पल्स अस्पताल को एम्स का एक्सटेंशन सेंटर बनाने की मांग की. कहा कि वहां सीजीएचएस के तहत गरीबों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाये. सेठ ने कहा कि ईडी ने झारखंड में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने वालों को पकड़ा है.उनकी संपत्तियां जब्त की हैं. इन्हीं संपत्तियों में एक संपत्ति है भ्रष्ट आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के द्वारा संचालित पल्स अस्पताल और पल्स डायग्नोस्टिक सेंटर.इसे ईडी ने अपने कब्जे में लेकर सरकार को दे दिया है.

10 सवाल पर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया

रांची। ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) द्वारा गुरुवार को र मोदी सरकार के 10 साल-यंग इंडिया के 10 सवाल पर राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान लॉन्च किया गया. मीडिया से बातचीत करते हुए आइसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलाशीष बोस ने कहा कि देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लाकर फीस वृद्धि तो की ही जा रही है, सार्वजनिक शिक्षा को आम छात्रों की पहुंच से दूर कर दिया गया है. ऋण आधारित मॉडल शिक्षा नीति थोपी जा रही है. नतीजतन लगातार सीटों में कटौती के साथ ही साथ फंड में कटौती की जा रही है.

पंचायत सेवकों का मशाल जुलूस कल

रांची। पांच सूत्री मांग को लेकर पंचायत स्वयं सेवक 9 दिसंबर को राजभवन से लेकर फिरायालाल तक शाम 5 बजे मशाल जुलूस निकालने का निर्णय लिया है. यह बात पंचायत स्वंय सेवक के अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने कही. उन्होंने कहा कि राजभवन के समक्ष अपनी मांग को लेकर 154 दिन से धरना दे रहे हैं. इसके बावजूद भी सरकार उनकी मांगों को नहीं सुन रही है. उधर, चौकीदार दफादर, भूतपूर्व सैनिक के परिवार, पारा शिक्षक संघ के लोगों ने दो दिन से हो रही बारिश में भी जमे रहे. वे राजभवन के समक्ष लगातार अपनी मांगों को लेकर अनिश्तिकालीन धरना दे रहे हैं.

पूर्व विधायक रानी डे के निधन पर शोक

रांची। हजारीबाग की पूर्व विधायक रानी डे के निधन पर प्रदेश भाजपा ने शोक जताया है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि रानी डे ने आपातकाल में कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी. वे आपातकाल में जेल भी गईं थीं. 1977 में वे जनता पार्टी से हजारीबाग की विधायक बनीं. मरांडी ने स्व डे की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की.कहा कि भगवान उनकी आत्मा को श्री चरणों मे स्थान दें और परिजनों को धैर्य एवं साहस प्रदान करें.

स्टेट डिजास्टर अथॉरिटी का प्रशासनिक ढांचा भी अस्तित्व में नहीं

बाढ़, भूकंप व अगलगी जैसी आपदा में झारखंड दूसरे के भरोसे

रवि भारती। रांची

बाढ़, भूकंप और आगजनी सहित अन्य आपदा की स्थिति से निबटने के लिए झारखंड को केंद्र सहित दूसरे राज्यों की बाट जोहनी पड़ती है. इस मामले में झारखंड पूरी तरह से दूसरे राज्यों पर टिका हुआ है. इसकी वजह यह है कि प्रदेश में अब तक स्टेट डिजास्टर अथॉरिटी का प्रशासनिक ढांचा भी अस्तित्व में नहीं आ पाया है. बताते चलें कि वर्ष 2005 में आपदा प्रबंधन एक्ट पास हुआ था.

डिजास्टर रेस्पांस बटालियन भी नहीं

नहीं हो पाया रिलिफ फोर्स का गठन

आपदा प्रबंधन एक्ट के तहत राज्य और जिला स्तर पर रिलीफ फोर्स के गठन का प्रावधान है. साथ ही स्टेट डिजास्टर अथॉरिटी का भी प्रावधान किया गया है. सूबे में इसकी कवायद तो शुरू की गई, लेकिन आज तक यह क्रियाशील नहीं हो पायी है.

अधिकारियों-कर्मचारियों के भरोसे टिका है प्रबंधन

झारखंड में अधिकारियों-कर्मचारियों के भरोसे ही राज्य का आपदा प्रबंधन टिका हुआ है. विभाग में एक सचिव, एक संयुक्त सचिव के अलावा कर्मचारी ही हैं. आपदा के समय झारखंड को सिर्फ एनडीआरएफ और पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का ही भरोसा बना रहता है. आपदा विभाग सिर्फ निर्देश और नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने तक ही सीमित है.

दूसरे राज्यों में आपदा प्रबंधन का है कैडर

झारखंड में आपदा प्रबंधन के लिए अलग से कोई कैडर नहीं है. वहीं पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात सहित कई अन्य राज्यों में आपदा प्रबंधन का कैडर है. इन राज्यों में डिविजनल डिजास्टर ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट ऑफिसर, ब्लॉक डिजास्टर मैनेजमेंट ऑफिसर और पंचायत डिजास्टर मैनेजमेंट ऑफिसर हैं. इन राज्यों में आपदा से निपटने के लिए डिजास्टर रेस्पांस बटालियन भी है.

क्या होना था, जो हो न सका

- पहले चरण में 132 लोगों की टीम तैयार करनी थी, जिसमें भूतपूर्व सैनिकों को शामिल किया जाना था
- एनडीआरएफ की टीम से प्रशिक्षण भी लेना था
- मत्स्य मित्रों को आपदा मित्र बनाना था
- लगभग 3600 मत्स्य मित्रों को प्रशिक्षण देने की बनाई गई थी योजना

झारखंड में अब तक आपदा प्रबंधन प्राधिकार का गठन नहीं हो पाया है. बाढ़, सूखा से निपटने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं. झारखंड में माइनिंग डिजास्टर सिस्टम भी नहीं है.
कर्नल संजय श्रीवास्तव, तकनीकी सलाहकार, आपदा प्रबंधन मंत्रालय, भारत सरकार

मॉनसून में एनडीआरएफ पर टिकी रहती हैं निगाहें | झारखंड में मॉनसून के समय राज्य सरकार की नजरें एनडीआरएफ पर ही टिकी रहती हैं. मॉनसून में आम तौर पर साहिबगंज के तटीय इलाके, गढ़वा, पश्चिमी सिंहभूम में बाढ़ की स्थिति बन जाती हैय इस समय राज्य सरकार एनडीआरफ की ही सहायता लेती है.

कोई इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर भी नहीं | आपदा प्रबंधन विभाग का कोई भी इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर नहीं है. वहीं स्टेट डिजास्टर अथॉरिटी का कोई विंग नहीं है. नियमत: प्राधिकार में आपदा विशेषज्ञ, सूचना तंत्र, प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण और प्रशासनिक एवं वित्तीय विंग होना चाहिए.

मिशन 2024 : भाजपा की प्रमंडलवार रणनीति

प्रदेश भाजपा के 5 शीर्ष नेता प्रमंडलों में पार्टी को देंगे संजीवनी

सत्य शरण मिश्रा। रांची

2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने प्रमंडलवार रणनीति तैयार की है. हर प्रमंडल के लिए जातीय और सामाजिक समीकरण के हिसाब से कार्यक्रम तय किये गये हैं. झारखंड में भाजपा का फोकस मुख्य रूप से आदिवासी, दलित, पिछड़े, युवा और महिला वोटरों पर है. अपने कार्यक्रमों के जरिये पार्टी इन सभी वर्गों को साधने की कोशिश कर रही है. पार्टी के सभी बड़े नेताओं को अलग-अलग प्रमंडल में प्रवास कर कार्यकर्ताओं से मिलने, उनके घर भोजन करने और बैठकें कर संगठन को मजबूत बनाने का टास्क दिया गया है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अगस्त से अक्टूबर महीने तक संकल्प यात्रा निकाली और राज्य की सभी 81 विधानसभा सीटों पर घूम-घूम कर गांवों में प्रवास किया.

अब एक बार फिर वे संथाल में आदिवासी अधिकार रैली कर रहे हैं. इसके बाद वे कोल्हान और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल का रुख करेंगे. वहीं पलामू और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल में बाबूलाल मरांडी के अलावा पार्टी के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह का प्रवास चल रहा है. विधायक दल के नेता अमर बाउरी भी सभी प्रमंडलों में प्रवास करेंगे.

- झारखंड में भाजपा का फोकस मुख्य रूप से आदिवासी, दलित, पिछड़े, युवा और महिला वोटरों पर
- प्रमंडल स्तर पर कार्यक्रमों के जरि पार्टी इन सभी वर्गों को साधने की कोशिश में जुटी है

हारी हुई और कमजोर सीटों पर है फोकस

सभी नेताओं की नजर सबसे पहले हारी हुई और उसके बाद कमजोर लोकसभा और विधानसभा सीटों पर है. ऐसी ही सीटों पर नेताओं को फोकस करना है. इसके तहत बाबूलाल मरांडी ने सबसे पहले संथालपरगना को चुना है. आदिवासी बहुल संथालपरगना झामुमो का गढ़ माना जाता है. पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां की तीन में दो सीटों पर कमल खिलाया था, लेकिन उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा 18 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 4 सीटों पर चुनाव जीत सकी. 2024 से पहले आदिवासी वोटरों को साधने के लिए बाबूलाल यहां खूब पसीना बहा रहे हैं. इसके बाद बाबूलाल मरांडी कोल्हान प्रमंडल में पसीना बहाएंगे, जहां सभी 14 विधानसभा सीटों पर 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था. 2 लोकसभा सीटों में से एक सीट भी भाजपा खोनी पड़ी थी.

तीन प्रमंडलों में जातिगत समीकरण के हिसाब से बनी है रणनीति

पलामू प्रमंडल में दलित और पिछड़ों के अलावा ब्राह्मण, राजपूत वोटरों की संख्या काफी है. इनके वोट निर्णायक होते हैं. जातीय समीकरण के हिसाब से यहां अमर बाउरी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी, नागेंद्र त्रिपाठी और कर्मवीर सिंह मोर्चा संभालेंगे. प्रदेश प्रभारी और महामंत्रियों का पलामू प्रमंडल में कई बार प्रवास भी हो चुका है. वहीं दक्षिणी और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की अधिकतर सीटें अनारक्षित हैं. इनमें सभी जाति- वर्ग के नेताओं का प्रतिनिधित्व है. इस वजह से भाजपा प्रदेश के अपने पांचों शीर्ष नेताओं के अलावा प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को भी लोकसभा और विधानसभा वार जातीय समीकरण को देखते हुए जिम्मेदारी सौंपेगी.

सेंगेल अभियान ने 30 को बुलाया भारत बंद

रांची। आदिवासी समाज की भाषा और धर्म कोड की मांग को लेकर लगातार आंदोलन करने वाले सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने 30 दिसंबर को भारत बंद बुलाया है. इससे पहले राज्य के विभिन्न जिलों में भारत बंद को सफल बनाने के लिए बैठक बुलाई जा रही है. इसमें 16 दिसंबर को रांची में बैठक बुलायी गयी है. इसमें धार्मिक अगुवा के लोगों के साथ में सरना कोड के पहचान दिलाने के लिए आदिवासी संगठनों से सहयोग की अपील की जाएगी. उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार जब तक आदिवासियों को धार्मिक कोड नहीं देता, तबतक आंदोलन करते रहेंगे और आदिवासी समाज हिंदू, मुस्लिम और ईसाई बनते जायेंगे. इसे रोकने के लिए सेंगेल अभियान ने आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग कर रहे हैं. कोड नहीं देने से आदिवासियों की मूल पहचान धीरे-धीरे खत्म हो रही है. उनकी परंपरा, भाषा सब विनाश की ओर अग्रसर हो रहे हैं. देश में 15 करोड़ से अधिक आदिवासी निवास करती है, फिर पिछड़े क्यो.

केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय का वाणिज्य और वित्तीय विभाग द्वारा गुरुवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया. इस सेमिनार में 100 से अधिक शिक्षाविद और उद्योग जगत के जानकार शामिल हुए. सेमिनार के पहले दिन एनईपी 2020: मॉडल पाठ्यक्रम - उद्योग से उम्मीदें पर चर्चा की गई. इस अवसर पर विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे.

कोर्ट की खबरें

लैंड स्कैम: अमित अग्रवाल की बेल पर 18 दिसंबर को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम के आरोपी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत अब इस मामले में 18 दिसंबर को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट के न्यायाधीश दीपक रौशन की कोर्ट में सुनवाई हुई. रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस छवि रंजन, चर्चित कारोबारी विष्णु अग्रवाल,बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है. वहीं इस केस के अभियुक्त निलंबित आईएएसए छवि रंजन की जमानत याचिका भी हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी है.

एआई नियुक्ति की याचिका पर जेपीएससी से कोर्ट ने मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में असिस्टेंट इंजीनियर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं किये जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने जेपीएससी को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए जेपीएससी की कार्यशैली पर हैरानी जाहिर की है. इस संबंध में विजय मिंज ने रिट याचिका दाखिल की थी. जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में सुनवाई हुई. दरअसल जेपीएससी ने वर्ष 2015 में असिस्टेंट इंजीनियर के 35 पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था. जिसके बाद कई अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरा था. लेकिन विज्ञापन जारी करने और फॉर्म लेने एक बाद जेपीएससी ने नियुक्ति प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं की.

जस्टिस आनंदा सेन, रंगोन मुखोपाध्याय ने किया रक्तदान

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को मेगा ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया गया. ब्लड डोनेशन कैंप की शुरुआत झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र समेत हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने की. मौके पर झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन और जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय समेत महाधिवक्ता राजीव रंजन, डीआईजी अनूप बिरथरे सहित अन्य अधिवक्ताओं, अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया. रक्तदान शिविर के उद्घाटन के मौके पर हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकार, हाईकोर्ट क न्यायिक पदाधिकारी और अधिवक्ता मौजूद रहे. ब्लड डोनेशन कैंप में जमा किया जाने वाले रक्त थेलेसिमिया से पीड़ित मरीजों को दिया जायेगा.

सूबे में 'नीतीश जोहार' कार्यक्रम 21 जनवरी से

रांची। झारखंड जनता दल यूनाइटेड 21 जनवरी से झारखंड में नीतीश जोहार कार्यक्रम की शुरुआत करेगा. इसकी शुरुआत रामगढ़ से होगी. इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल होंगे. बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री और जदयू के झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी ने मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि जदयू आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव को देखते हुए ये कार्यक्रम आयोजित कर रही है. उन्होंने कहा कि झारखंड में जदयू का अच्छा जनाधार रहा है और पार्टी चाहती है कि संगठन एक बार फिर झारखंड में उसी मजबूती से उभरे. रामगढ़ के बाद इस कार्यक्रम को झारखंड के शेष जिलों में भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें दिल्ली से कलाकार भी आएंगे.

अवैध खनन व मनी लॉन्ड्रिंग केस : सीबीआई टीम पहुंची साहिबगंज

पंकज मिश्रा सहित आठ के ठिकाने पर छापेमारी

सौरभ सिंह। रांची

साहिबगंज जिले में अवैध खनन मामले में जेल में बंद पंकज मिश्रा के घर समेत आठ ठिकाने पर सीबीआई की पांच सदस्यीय टीम ने गुरुवार को छापेमारी की. यहां जिरवाबाड़ी थाना से पुलिस कर्मियों को बुलाया गया था. सीबीआई टीम ने पंकज मिश्रा, छोटू यादव ,दाहू यादव सहित आठ ठिकानों पर छापेमारी की. गौरतलब है कि अवैध खनन की सीबीआई जांच रोकने के लिए पंकज मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने पिछले दिनों खारिज कर दिया था. सीबीआई टीम ने एसडीओ कोठी के समीप साहिबगंज स्थित पंकज मिश्रा के आवास पहुंचकर उनकी पत्नी से घंटों पूछताछ की. सीबीआई टीम को पंकज मिश्रा के आवास से कई बड़े-बड़े और भरे हुए बैग साथ ले जाते हुए भी देखा गया. ज्ञात हो कि झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी पंकज मिश्रा एक हजार करोड़ अवैध खनन मामले में पूर्व से ही ईडी के घेरे में है.

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से कर दिया था इनकार

साहिबगंज अवैध खनन मामले में सीबीआई जांच के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए पंकज मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्ट की बेंच ने सुनवाई की और हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया. अब इस मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर को होगी.

काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद खुला | जानकारी के मुताबिक, जिस समय सीबीआई की टीम पंकज मिश्रा के साहिबगंज स्थित आवास पर पहुंची, उस समय घर में अंदर से ताला बंद था और पंकज मिश्रा की पत्नी घर के अंदर थी. देर से दरवाजा खोला. खोलते ही अफसर घुसे और फिर दरवाजा लगा लिया.

विधानसभा नियुक्ति घोटाला मामले में हाईकोर्ट जनवरी में करेगा सुनवाई

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग के लिए दाखिल जनहित याचिका पर गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और विधानसभा के अधिवक्ता ने अदालत को बताया, आगामी विधानसभा के सत्र में जस्टिस एस जे मुखोपाध्याय कमेटी की रिपोर्ट पेश की जाएगी. जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई जनवरी के दूसरे सप्ताह में करने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की. इस संबंध में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है.

स्पीकर को कार्रवाई का दिया था निर्देश

याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. इसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

डीपीआर तैयार एक छत के नीचे 58 लाख बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का होगा समाधान

छह करोड़ से बनेगा विद्युत नियामक आयोग का भवन

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग का अब नया भवन होगा. राजधानी रांची के हिनू में छह करोड़ की लातत से नए भवन का निर्माण होगा. आयोग के भवन के लिए 2009 में एक एकड़ जमीन मिली थी. इसके बाद से भवन निर्माण का मामला 14 साल तक झूलता रहा. भवन निर्माण निगम लिमिटेड और पुलिस हॉउसिंग कॉरपोरेशन के बीच फेंका-फेकी होती रही.

- भवन निर्माण निगम लि. व पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के बीच होती रही फेंका-फेकी
- 14 साल तक झूलता रहा आयोग के भवन निर्णाण का मामला

खूब चला सुपरविजन चार्ज का खेल

आयोग के भवन निर्माण में सुपरविजन चार्ज का खेल भी खूब चला. पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन ने सुपरविजन चार्ज आठ फीसदी लेने की बात कही थी, जबकि भवन निर्माण विभाग ने सात फीसदी ही सपुरविजन चार्ज लेने की बात कही. इसके बाद सरकार ने 2015 में यह जिम्मेवारी भवन निर्माण निगम लिमिटेड को सौंप दी. भवन निर्माण निगम लिमिटेड ने जो इस्टीमेट बनाया, उसके मुताबिक भवन दो तल्ला ही होगा, जिसके लिए 15 करोड़ का इस्टीमेट दिया गया. अब यह भवन तीन तल्ले का होगा.

पहले करमटोली, फिर सैनिक बाजार में किराये के भवन में था कार्यालय

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग का अपना भवन नहीं होने के कारण आयोग का कार्यालय सैनिक भवन और करमटोली स्थित किराये के मकान में चल रहा था. इसके एवज में हर माह 95 हजार रुपये किराये का भुगतान किया जाता रहा. इसके बाद एक्साइज ऑफिस में कुछ महीनों तक कार्यालय रहा. फिलहाल हाउसिंह बोर्ड के भवन में आयोग का कार्यालय है.

नए भवन का डीपीआर तैयार कर लिया गया. इसमें छह करोड़ की लागत आएगी. यह भवन तीन तल्ला को होगा. **अतुल कुमार,** सदस्य तकनीक

छोटानागपुर से लेकर कोल्हान तक रहा है मैडम का दबदबा

संवाददाता। रांची

रांची। जिन मैडम ने अपने करीबी के नाम से बिहार में करोड़ों रुपए की जमीन खरीदी है, उनके कई कारनामे उजागर हो रहे हैं. मैडम से परेशान और प्रताड़ित होने वालों की लिस्ट काफी लंबी है और अब वे एक एक कर अपनी पीड़ा बता रहे हैं. लोग बताते हैं कि मैडम के हाथ में जब जिले की कमान थी, तो वे सबको ठेंगे पर रखती थी. पद का घमंड इतना था कि राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों को मैडम एकदम तवज्जो नहीं देती थीं.

मैडम जब गुस्से में आती हैं तो डंडा भी चला देती हैं ! एक बार शांति समिति की बैठक में एसडीओ, सीओ, बीडीओ और डीएसपी समेत अन्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों ने मैडम की बगल में अपनी कुर्सी रखवा ली. यह देखते ही मैडम का पारा इतना हाई हो गया कि उन्होंने सबकी कुर्सियां उठवा कर नीचे फेंकवा दी. मैडम जब गुस्से में आती हैं तो डंडा भी चला देती हैं.

मैडम की कमाई पर है केंद्रीय एजेंसियों की नजर

डंडा चलाते वक्त वो ये नहीं देखतीं कि सामने वाले की उम्र क्या है. छोटानागपुर में तैनात रहने के दौरान मैडम के आवास के पास एक बुजुर्ग ने पेशाब कर दिया था तो मैडम ने उस बुजुर्ग को इस गुस्ताखी की सजा अपने हाथों से दी थी. यह घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई थी. मैडम की कमाई पर केंद्रीय एजेंसियों की भी नजर है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in शुक्रवार, 08 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 230 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

पेज 14

ब्रीफ खबरें

सीआरपीएफ के साथ मुठभेड़, भागे नक्सली

किरीबुरू। चक्रवाती तूफान मिचौंग का भारी प्रकोप के बीच सारंडा में भाकपा माओवादी नक्सलियों की घेराबंदी में लगी सीआरपीएफ व पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगते-लगते रह गई. जानकारी के अनुसार 6 दिसम्बर से पुलिस व सीआरपीएफ द्वारा छोटानागरा एवं जराईकेला थाना क्षेत्र के रास्ते नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन प्रारम्भ किया गया है. पुलिस को ऐसी जानकारी प्राप्त हुई थी कि नक्सलियों का एक दस्ता सारंडा में सक्रिय है, जो कहीं अन्यत्र जाने की तैयारी में है.

गिरिडीह में फंदे से झूल कर युवती ने दी जान

गिरिडीह। जिले के नवडीहा ओपी क्षेत्र स्थित बघेडीह गांव में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतका की पहचान काजल कुमारी पिता महेंद्र मंडल के रूप में की गई है. मृतका स्नातक की छात्रा थी. आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. मृतका की मां शांति देवी ने बताया कि हरदिन की तरह रात में खाना खाकर सपरिवार सोने चले गए. सुबह जब मैं उठ कर उसके कमरे में झाड़ू लगाने गई, तो देखा कि पंखे से फांसी की फंदे में काजल झूल रही है.

नाबालिग छात्रा से रेप केस में 3 दोषी करार

रांची। सिविल कोर्ट ने नाबालिग छात्रा का अपहरण कर गैंग रेप करने के 3 आरोपियो को दोषी करार दिया है. तीनों को 12 दिसंबर को सजा सुनाई जाएगी. पॉक्सो की विशेष अदालत ने सोहन, इरशाद और कुदुस अंसारी को दोषी करार दिया है. दरअसल दोषी सोहन नाबालिग से एकतरफा प्यार करता था. जनवरी 2022 में पीड़िता जब अपनी 2 सहालियों के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थी, तभी एक कार में सवार तीनों दोषियों ने अपहरण कर लिया. फिर सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म किया.

किसान जनता पार्टी की बेमियादी भूख हड़ताल

बेंगाबाद। आठ सूत्री मांगों को लेकर किसान जनता पार्टी के सदस्यों ने प्रखंड मुख्यालय के समक्ष बेमियादी भूख हड़ताल शुरू की है. गुरुवार से चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की गई है. इनकी मांगो में मुख्य रूप से किसानों की ज़मीन को अवैध रूप से भू माफिया के नाम जमाबंदी करने, अवैध रूप से किये गए जमाबंदी को रद्द करने, बड़कीटांड़ पंचायत में 15वीं वित्त एवं मनरेगा योजना में गड़बड़ी की जांच करने, मुखिया के साथ मारपीट आदि की मांगे शामिल हैं.

मनाया मदर टेरेसा का जुबली महोत्सव

रांची। डाल्टनगंज धर्मप्रान्त के महागिरजा घर में चैरिटी सिस्टर ख्रीस्त किरण अपना धर्मसमाजी जीवन का 25 वर्षीय जुबली मनाया. मिस्सा बलिदान से कार्यक्रम शुरू हुआ. मुख्य अनुष्ठाता डाल्टनगंज धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष थियोडोर मसकारेनहास उपस्थित हुए. अपने संदेश में कहा कि प्रभु के कार्यों को करते रहने के लिए प्रभु से जुड़े रहकर ही पूरा किया जा सकता है.हम सब केवल डाली हैं पेड़ नहीं.

करोड़ों के घोटाले के आरोपी इंजीनियर जारी करेंगे 800 करोड़ का चेक

अमित सिंह। रांची

संथाल परगना के कई क्षेत्रों में जल संकट की विकट स्थिति है. उन क्षेत्रों में शुद्ध पेयजलापूर्ति व्यवस्था बहाल करने के लिए 1100 करोड़ से ज्यादा की योजनाओं पर काम चालू वित्तीय वर्ष में होना है.

योजनाओं की मॉनिटरिंग, भुगतान आदि की जिम्मेवारी पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गोड्डा के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार शर्मा और पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल दुमका-1 के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार पर है. ये दोनों पदाधिकारी मिलकर मार्च 2023 तक 800 करोड़ से भी ज्यादा का चेक काटेंगे. गोड्डा प्रमंडल के तहत तकरीबन 500 करोड़ और दुमका-1 प्रमंडल के तहत 300 करोड़ का भुगतान किया जाना है.

अवैध कमाई और वित्तीय अनियमितता का है आरोप

गोड्डा और दुमका में तैनात दोनों कार्यपालक अभियंता पेयजल विभाग के आरोपी इंजीनियर हैं. संजय शर्मा और संजय कुमार विभागीय जांच में दोषी मिले हैं. संजय कुमार जेल भी जा चुके हैं. दोनों पर अवैध कमाई, करोड़ों की हेराफेरी, भुगतान की एवज में कमीशन की वसूली करने सहित कई आरोप हैं. आरोप सही मिलने पर विभाग इंजीनियर संजय शर्मा और संजय कुमार को निलंबित कर चुका है. इतना ही नहीं, संजय शर्मा और संजय कुमार को दोषी ठहराते हुए एसडीओ के पद पर डिमोट भी भी किया जा चुका है.

वित्तीय अनियमितता के आरोपियों के जिम्मे करोड़ों की जलापूर्ति योजना का काम

दोनों विभागीय जांच में पाए गए दोषी

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में ईई संजय कुमार शर्मा और संजय कुमार के क्रियाकलापों की जानकारी है. तभी तो 17 नवंबर 2023 को संजय कुमार शर्मा द्वारा अधिरोपित दंड के विरूद्ध समर्पित अपील आवेदन को पेयजल विभाग द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया. वहीं संजय कुमार को डिमोट (पदावनत) करते हुए पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल-01, दुमका का प्राक्कलन पदाधिकारी नियुक्त किया गया था. 22 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने पूर्व में निर्गत विभागीय अधिसूचना को निरस्त कर दिया. विभागीय अधिसूचना निरस्त किए जाने के बाद संजय कुमार कार्यपालक अभियंता के पद पर स्वतः बहाल हो गए. इसके बाद पेयजल विभाग के जिम्मेवारों ने संजय कुमार को कार्यपालक अभियंता के समकक्ष उत्क्रमित करते हुए तत्काल प्रभाव से उसी प्रमंडल में कार्यपालक अभियंता के रूप में अगले आदेश तक पदस्थापित कर दिया. पेयजल विभाग के जिम्मेवारों ने दोनों आरोपी इंजीनियरों को मलाईदार कुर्सी सौंप दी.

फाइल फोटो

संजय कुमार शर्मा पर लगे आरोप : बिना पाइप की आपूर्ति किए ही करोड़ों का भुगतान किया

1. पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल चाईबासा के कार्यपालक अभियंता के रूप में तांतनगर ग्रामीण जलापूर्ति योजना में बिना आपूर्ति के 87.417 किलोमीटर पाइप का भुगतान किया गया. निर्माणाधीन अवयवों के एवज में भुगतान कराए गए कार्यों से अधिक किया गया.
2. मोबलाइजेशन एडवांस का समायोजन नहीं किया गया और संवेदक श्रीराम ईपीसी द्वारा योजना को सबलेट करने में सहयोग किया. बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितता बरती गई. सरकारी राशि का दुरूपयोग किया गया.
3. मेसर्स आनंद सिंह नामक कंपनी, जो तांतनगर में सबलेट कंपनी थी, उसे भी संजय कुमार शर्मा ने काम से अधिक भुगतान किया. विभाग ने आनंद सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, तीन वर्ष की कार्यावधि की जांच का आदेश दिया.

संजय कुमार पर लगे आरोप

1. धनबाद के गोविंदपुर व निरसा प्रखंड की पंचायतों में 2011-12, 2012-13 व 2013-14 में नलकूप लगाए गए. इंजीनियरों ने करोड़ों का गबन किया था. एसीबी ने दिसंबर 2022 में 29 लोगों पर केस दर्ज किया. संजय कुमार सहित 29 लोग शामिल हैं.
2. आरोप है कि कमीशन की राशि संजय कुमार ने पत्नी ऊषा (खाता नं-0249043373, इलाहाबाद बैंक, गिरिडीह) और पुत्र अंकित विशाल (खाता नं.- 300802010971762, यूनियन बैंक, गिरिडीह) के अकाउंट में जमा करायी थी.
3. धनबाद एसीबी द्वारा 2019 में आय से अधिक संपत्ति के अलावा गबन का मामला दर्ज किया था. संजय कुमार को न्यायिक हिरासत में जेल भी भी भेजा गया था.
4. आपदा प्रबंधन के लिए आई राशि से काम कराये बिना रुपयों का गबन कर लिया गया. संजय रांची के चान्हो में हुए शौचालय निर्माण घोटाले के भी मुख्य आरोपी रहे हैं. लोकायुक्त ने इस मामले में संजय के खिलाफ आपराधिक मामला चलाने का आदेश दिया था.

केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 117 रुपये का बोनस

किसानों पर हुई मेहरबान हेमंत सोरेन की सरकार

कैबिनेट के फैसले

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की हेमंत सरकार ने पिछली बार की तरह इस बार पड़े सूखे से किसानों को राहत देने का निर्णय लिया है. हेमंत सरकार किसानों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में उनकी फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर प्रति क्विंटल 117 रुपये का बोनस देगी. यह केंद्र सरकार के द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त होगा. इसका निर्णय गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया. बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी. सरकार ने खाद्य आपूर्ति विभाग के प्रस्ताव पर गुरुवार को मुहर लगा दी है. हेमंत सरकार के इस निर्णय से सूखे की मार झेल रहे कम से कम दो लाख से अधिक किसानों को सीधा फायदा होगा. बतातें चलें कि चालू वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार ने सामान्य धान का एमएसपी 2183 रुपए व ग्रेड वन धान का एमएसपी 2203 रुपये तय किया है. मगर हेमंत सोरेन सरकार ने किसानों पर मेहरबानी करते हुए 117 रुपये प्रति क्विंटल सामान्य धान की खरीदारी के एमएसपी पर बोनस देने का निर्णय लिया है. ऐसे में सरकार किसानों को प्रति क्विंटल 2300 रुपये का भुगतान करेगी. मालूम हो कि पिछले वित्तीय वर्ष में सरकार ने किसानों को एमएसपी पर प्रति क्विंटल 10 रुपये बोनस दिया था.

खास बातें

- सूखे की मार झेल रहे 2 लाख से अधिक किसानों को होगा फायदा
- **अब सामान्य वर्ग के छात्रों को मिलेगी छात्रवृति**
- विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 से 21 दिसंबर तक
- **अब मदरसा और संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षकों को भी मिलेगा ओपीएस**

सूखे की वजह से धान खरीदारी का लक्ष्य हुआ संशोधित

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने पिछले साल धान खरीददारी का लक्ष्य 80 लाख क्विंटल तय किया था. मगर सूखे के कारण धान उत्पादन में कमी आयी थी. इसलिए पिछले वित्तीय वर्ष में भी कई प्रखंडों में सूखे को देखते हुए लक्ष्य में संसोधन करके 36.30 लाख टन किया था. इस साल भी कई प्रखंडों में सूखा पड़ा. इसको देखते हुए इस वित्तीय वर्ष में भी राज्य खाद्य आयोग ने 2.25 मीट्रिक टन धान की खरीदारी का लक्ष्य तय था. मगर विभाग ने इसे बढ़ाकर 4.67 मीट्रिक टन कर दिया.

अब सामान्य वर्ग के छात्रों को भी मिलेगी छात्रवृति

गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 15 दिसंबर से 21 दिसंबर तक संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गयी. कैबिनेट के निर्णय की आशा में गत दिवस ही राज्यपाल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी थी. बैठक में सरकारी स्कूल में पढ़नेवाले सामान्य वर्ग के छात्रों को भी एसटी-एससी, ओबीसी के छात्रों के बराबर छात्रवृत्ति देने की मंजूरी दी गयी. मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति के लिए संशोधन को भी स्वीकृति दी गयी. इसके तहत एसटी-एससी के बच्चों के बराबर ही सामान्य वर्ग के बच्चों को भी 4500 रुपये की छात्रवृति दी जायेगी. कक्षा 1 से 5 के छात्रों को 1500 और कक्षा 6 से 8 के छात्रों को 600 छात्रवृत्ति दी जायेगी. 25 करोड़ रुपये इसमें लागत आयेगी.

कक्षा नौ से 12 तक के सभी छात्रों को निःशुल्क कॉपी

बैठक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा कक्षा नौ से 12 तक में अध्ययनरत सभी कोटि के छात्रों को निःशुल्क कॉपी उपलब्ध करायी जाती है. इसके लिए अधिकतम 120 पृष्ठों के लिए 30 रुपये तक प्रावधान किया जायेगा, 9 लाख से अधिक छात्रों को सीधा लाभ होगा. बैठक में 280 नव उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय में योजना मद में सृजित पदों को गैर योजना मद में सृजित किया गया.

मदरसा और संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षकों को भी मिलेगी पुरानी पेंशन

कैबिनेट की बैठक में सरकार ने राज्य में संचालित 180 मदरसा और 11 और राजकीय संस्कृत महाविद्यालय की शिक्षकों और कर्मियों को पुरानी पेंशन से जोड़ने का निर्णय लिया है. उन्हें इसका विकल्प दिया जायेगा. इसमें 39 करोड़ रुपये का व्यय होगा.

झगड़ा सुलझाने गए युवक पर बरसाई गोलियां, एक घायल

जमशेदपुर। शहर के आजादनगर थाना अंतर्गत एनएच 33 पर सिटी इन होटल के पास बुधवार देर रात झगड़ा सुलझाने गए इमरान अली पर अपराधियों ने गोली चला दी.अपराधियों ने मौके पर कई राउंड हवाई फायरिंग भी की. इस घटना में इमरान के पैर में गोली लगी. घटना की जानकारी इमरान ने अपने साथियों को दी. इसके बाद इमरान के साथी मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल पहुंचाया.वहां उसका इलाज चल रहा है. उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है. इमरान मानगो बावनगोडा चौक का रहने वाला है और टेंट हाउस का काम करता है.

- पुलिस को इस मामले की कोई जानकारी ही नहीं है

झड़गा सुलझाने में चलाई गोलीः इमरान ने बताया कि वह अपने साथी के साथ सिटी इन में पार्टी करने गया था. देर रात 12 बजे वह पार्टी कर होटल से बाहर निकला. उसने देखा कि 15 से 20 के संख्या में युवक आपस में झगड़ा कर रहे हैं. वह झगड़ा सुलझाने गया था. इसी बीच पीछे से किसी ने उसपर हॉकी से वार कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा. तभी किसी ने फायरिंग कर दी. मौके पर भगदड़ मच गई. उसने अपने अन्य साथियों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी. मामले को लेकर आजादनगर थाना प्रभारी मिथलेश कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी. वे घटना का सत्यापन कर जांच कर रहे हैं.

आज से बेहतर होगा मौसम

बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, पारा भी लुढ़का

रांची। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में रुक-रुक कर हो रही बारिश की वजह से गुरुवार को भी सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा. मंगलवार शाम से हो रही हल्की से मध्यम बारिश से राज्य के तापमान में गिरावट दर्ज की गई. बुधवार को रांची का अधिकतम तापमान 18.4 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.8 डिग्री कम है. जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री तथा डाल्टनगंज का अधिकतम 20.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से कम है. रांची मौसम केंद्र के अभिषेक आनंद ने बताया, दिन के तापमान में गिरावट अगले 24 घंटों तक जारी रह सकती है. इसके बाद यह धीरे-धीरे बढ़ सकती है, क्योंकि शुक्रवार के बाद चक्रवात का प्रभाव कम हो जाएगा. उन्होंने कहा कि शाम से बारिश की तीव्रता कम हो गयी है.

अस्पताल में पर्चा मिलता है, दवा नहीं

- संयुक्त सचिव के आदेश की भी अधिकारी कर रहे अवहेलना

संवाददाता। धनबाद

सदर अस्पताल में मरीजों को इलाज के नाम पर डॉक्टरों का परामर्श ही मिल रहा है. 15 दिनों से दवाओं का स्टॉक निल है. नतीजा आउटडोर हो, चाहे इनडोर के भर्ती मरीज, सभी को मजबूरन बाहर से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं. इसके बावजूद आला अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है. स्थिति यह है की लोगों को सामान्य सर्दी-खांसी की दवा तक अस्पताल से नहीं मिल रही है. वहीं इनडोर मरीजों का हाल तो और खराब है. अस्पताल में कॉटन छोड़ कर ऑपरेशन से जुड़ी सभी दवाएं बाहर से खरीदवाई जा रही हैं.

अधिकारियों का नहीं है ध्यान : अस्पताल में दवाओं का स्टॉक है या नहीं यह जिम्मेदारी नोडल पदाधिकारी की होती है. वहीं दवाओं की आपूर्ति एजेंसी से कराने का जिम्मा डीपीएम की है. लेकिन हाल यह है कि कई बार कहने के बाद भी डीपीएम दवा उपलब्ध कराने में नाकाम हैं. इस बीच भुगतना मरीजों को पड़ रहा है. सिविल सर्जन की सबसे बड़ी जवाबदेही है कि अस्पताल में व्यवस्था बेहतर बनी रहे, लेकिन जब दवा ही उपलब्ध नहीं कराई जा रही है तो बेहतर व्यवस्था के बीच मरीजों का इलाज कैसे हो. जबकि इसी सप्ताह संयुक्त सचिव ने अस्पताल का निरीक्षण किया था और सिविल सर्जन को यह सख्त आदेश दिया था की मरीजों को हर सुविधा मिलनी चाहिए.

धनबाद सदर अस्पताल में आउटडोर और इनडोर मरीज बाहर से महंगी दवाएं खरीदने के लिए मजबूर

सदर अस्पताल और उसमे संचालित दवा केंद्र.

इमरजेंसी मरीजों के लिए दौड़ लगा रहे परिजन

इमरजेंसी में मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत होती है, लेकिन इलाज शुरू करने के लिए जीवन रक्षक दवाएं ही नहीं हैं. यही स्थिति बनी हुई है. इमरजेंसी में डॉक्टर्स मरीज के परिजन को पर्चा थमा कर दवा लाने को कहते हैं. फिर क्या परिजन दौड़ लगाते हैं. ऐसे में अगर मरीज को कुछ हो जाए तो अस्पताल अपना पल्ला तुरंत झाड़ लेता है.

बिटाडीन से लेकर पारासिटामॉल तक नहीं

बुखार की दवा (पैरासिटोमॉल 650), खांसी का सिरप, पेट दर्द की दवा, उल्टी की दवा , दस्त की दवा मेट्रोनिडाजोल, बिटाडीन तक अस्पताल में नहीं हैं. वहीं निःशुल्क दवा केंद्र पर बच्चों के लिए सर्दी, खांसी की दवा नहीं है. दूसरी ओर ऑर्थो, आई, ईएनटी, गायनी आदि विभागों में आनेवाले मरीजों को भी दवा नहीं मिल रही है.

क्या कहते हैं जिम्मेदार

दवाएं उपलब्ध कराने के लिए कहा गया गया है, लेकिन दवाएं क्यों नहीं उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसकी जानकारी ली जा रही है. **-डॉ राजकुमार सिंह,** नोडल पदाधिकारी, सदर अस्पताल

लूट का तंत्र झारखंड खाद्य निगम ने 76874.07 क्विंटल चावल गायब पाया, मेसर्स हजारीबाग राइस मिल पर

24.33 करोड़ के चावल की कालाबाजारी का आरोप

विशेष संवाददाता। रांची

हजारीबाग जिले के मोरांगी स्थित मेसर्स हजारीबाग राइस मिल पर 76874.07 क्विंटल चावल की कालाबाजारी का आरोप है. 3165.09 रुपये प्रति क्विंटल की दर से इसकी कीमत 24.33 करोड़ रुपये है. झारखंड राज्य खाद्य निगम की जांच में इसका खुलासा हुआ. इसके बाद निगम ने इसके मालिक विजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी. प्राथमिकी दर्ज होने के 11 माह बीत चुके हैं, लेकिन विजय सिंह के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है.

राइस मिल ने 32 प्रतिशत कम चावल भेजा : निगम के हजारीबाग जिला प्रबंधक अरविंद कुमार की रिपोर्ट के मुताबिक खरीफ विपणन मौसम (2021-22) में हजारीबाग राईस मिल को धान के मिलिंग कार्य के लिए चयन किया गया था. इस राईस मिल के लिए कुल 12 पैक्सों की टैगिंग की गई थी. पैक्सों ने कुल 176323.16 क्विंटल धान हजारीबग राईस मिल को उपलब्ध कराया था. इसका करीब 68 प्रतिशत, यानि 119899.75 क्विंटल चावल (सीएमआर) भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को भेजा जाना था. परंतु राईस मिल ने कम चावल उपलब्ध कराया.

दैनिक मिलिंग की रिपोर्ट भी नहीं दी

हजारीबाग राईस मिल पर यह भी आरोप है कि एफसीआई को 42559.80 क्विंटल चावल ही उपलब्ध कराया गया. शेष 77339.95 क्विंटल चावल एफसीआई को उपलब्ध कराने के लिए राईस मिल को 12 पत्र लिखे. फोन पर बार-बार कहा गया. हजारीबाग के उपायुक्त ने भी निर्देश दिए. उपायुक्त ने दो बार पत्र भी लिखा. इसके बाद उपायुक्त ने मिल के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया.

24 करोड़ के गबन का आरोप गलत है : विजय

हजारीबाग राईस मिल के मालिक विजय सिंह ने इस बारे में बताया कि 24 करोड़ के गबन का आरोप गलत है. इसे लेकर हमने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा है. किसानों के भुगतान का रेट 20.50 प्रति किलो है, जबकि विभाग हमारे ऊपर 30.5 प्रति किलो क्लेम कर रहा है. हमने कई बार चावल को पिजी गोदाम भेजा, जिसे रिजेक्ट कर दिया जाता था. हमें रिजेक्शन के रूप में बेचना पडा. मेरे राईस मिल का टैगिंग लेट से हुआ था. इस कारण पैक्सों से पूरा धान प्राप्त नहीं हुआ. इस कारण मिलिंग में विलंब हो गया था.

ब्रीफ खबरें

शहीद विष्णुदेव की तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई

पलामू। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत पूर्वडीहा पंचायत के लिधकी पूर्व में शहीद विष्णुदेव सिंह की तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई . कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं फूल माला अर्पित कर सच्ची श्रद्धांजलि दी. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चैनपुर उत्तरी जिला परिषद सदस्य श्री रामलव प्रसाद चौरसिया जी ने शहीद को याद करते हुए कहा कि कम उम्र में गरीब घर का लड़का नौकरी लेकर जिस प्रकार अपना जान न्यौछावर कर दिया ये अपने आप में इतिहास बन गया .

लगातार हो रही बारिश से किसानों की बढ़ी परेशानी

धुरकी। झारखण्ड में इन दिनों सुदूरवर्ती इलाके सहित प्रखंड में पिछले दो-तीन दिनों से हो रही बूंदा बूंदी बारिश से धान सहित अन्य फसल आलू, अरहर, सेम आदि फसलों का नुकसान हो रहा है. रबी फसल बोने वाले किसान भी इस बार मौसम की मार झेल रहे है. बेमौसम बारिश से किसानों की मुश्किल बढ़ती जा रही है. किसान का धान पक कर तैयार हो गया है. वहीं कुछ जगहों पर धान की फसल जमीन पर काट के बिखरी हुई है, जिन किसानों ने धान की कटाई कर खेतों में छोड़ दिया था.

शिवरी गांव में ग्राम स्वास्थ्य समिति का गठन

धुरकी। प्रखंड क्षेत्र के शिवरी गांव में ग्राम स्वास्थ्य समिति का गठन करने के लिए मुखिया महबूब अंसारी की अध्यक्षता मे ग्राम सभा आयोजित की गई. इस दौरान सीएचसी धुरकी के बीटीटी सह पर्यवेक्षक सुधीर कुमार पांडेय की उपस्थिति में ग्राम स्वास्थ्य समिती का गठन किया गया. जिसमें सर्वसम्मति से स्वास्थ्य सहिया के पद पर अनमिका देवी का चयन किया गया. मौके पर उन्होंने कहा कि वह अपने दायित्व और काम को ससमय करेंगी. ग्राम स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे.

अवैध बिजली जलाने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

धुरकी। विद्युत विभाग ने विद्युत उर्जा चोरी की रोकथाम व बिना बिल भुगतान किए अवैध रूप से विद्युत उर्जा का उपयोग कर रहे लोगों के खिलाफ विद्युत विभाग के वरीय अधिकारियो के निर्देश पर छापामारी अभियान चलाया. विद्युत कनिय अभियंता गुणवंत कुमार ने बताया कि विद्युत उर्जा चोरी के खिलाफ लगातार विभाग छापामारी अभियान चलाकर विभागीय कार्रवाई कर रही है. जेई गुणवंत कुमार के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन कर खुटिया व खाला में छापामारी अभियान चलाकर खुटिया गांव निवासी मनिष गोड़ के विरुद्ध 40 हजार का विभागीय क्षतिपुर्ति का जुर्माना के साथ धुरकी थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराई है.

ग्रामीण युवक बना फुटबॉल में प्रखंड चैंपियन

सेन्हा (लोहरदगा)। लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड स्थित उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय सेन्हा खेल मैदान में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अरु पंचायत और सेन्हा पंचायत के खिलाड़ियों के बीच खेला गया, जिसमें एक गोल से सेन्हा पंचायत के खिलाड़ी जीत कर जिला स्तरीय खेल में स्थान बनाया. बालिका वर्ग में उगरा पंचायत और झालजमीरा पंचायत के बीच खेला गया जिसमें उगरा पंचायत एक गोल से जीत कर प्रखंड चैंपियन बना.

विभाग ने जिस मकसद से स्कूल भवन का निर्माण कराया था, वह कामयाब नहीं हो पाया

21 लाख की लागत से बना हाई स्कूल, हो रहा जर्जर

संवाददाता। डंडई (गढ़वा)

प्रखंड के तसरार गांव में लगभग 21 लाख रुपए की लागत से बनाया गया उत्क्रमित उच्च विद्यालय का नवनिर्मित भवन बेकार हो गया है. भवन अब जर्जर होने की कगार पर है. विभाग ने जिस मकसद से स्कूल भवन का निर्माण कराया था, आज वह मकसद टूटा हुआ प्रतीत होता है. वही स्कूल भवन निर्माण के साथ स्कूल मैदान का भी समतलीकरण के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए.

बावजूद यहां हाई स्कूल की पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी. नवनिर्मित भवन का परिसर और खेल का मैदान वीरान सा पड़ा हुआ है. नवनिर्मित हाई स्कूल भवन को जाने वाले रास्ते के मुख्य सड़क पर कुछ महीना पहले स्कूल का बोर्ड भी लगाया गया है, जबकि नए भवन में पढ़ाई अभी तक शुरू नहीं हुई है. बोर्ड का अवलोकन से प्रतीत होता है कि नवनिर्मित हाई स्कूल भवन के नाम पर शैक्षणिक कार्य कागजों पर चल रहा है.

नवनिर्मित भवन में पढ़ाई शुरू नहीं

नवनिर्मित हाई स्कूल में किसी भी तरह का शैक्षणिक कार्य नहीं हो रहा है. करीब 10 वर्षों से वीरान पड़े स्कूल का सड़क के किनारे कुछ दिन पूर्व बोर्ड लगाना विभाग के द्वारा सिर्फ खानापूर्ति करने जैसा है. गांव के जानकारों ने बताया कि 21 लाख रुपए की लागत से भवन सन 2014 ई में ही बनकर तैयार हो गया था. परंतु अभी तक उद्घाटन के अभाव में नवनिर्मित भवन में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी है. इस मामले में शिक्षा विभाग के प्रभारी जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार ने बताया कि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी डंडई को नवनिर्मित भवन में शिक्षण कार्य कराने के लिए निर्देशित किया गया है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- झारखंड में अनुसूचित जातियों का प्रतिशत कितना है – 12.1
- भारत का पहला गवर्नर जनरल कौन था – विलियम बैंटिक
- कौन देश बांग्लादेश को सतत विकास के लिए 191 मिलियन यूरो देगा – जर्मनी
- मैग्सेसे पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय कौन थे – विनोबा भावे
- झारखंड में पहला तांबा प्रगलन केंद्र कहां पर है – घाटशिला
- वर्धन वंश की राजधानी क्या थी – थानेश्वर
- मेसोपोटामिया का अर्थ क्या है – दो नदियों के बीच की भूमि
- झारखण्ड में धुबिया किसको कहा जाता है – नृत्य
- चाक का आविष्कार किस काल में हुआ था – नवपाषाण काल
- कौन टीम 132वां डूरंड कप 2023 का खिताब जीता – मोहन बागान

छठ घाट मैदान में गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया गया

101 कन्याओं के एक साथ विदाई में रो पड़ा पूरा महफिल

संवाददाता। गढ़वा

कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी संस्था के द्वारा छह दिसंबर को शहर के दानरो नदी स्थित छठ घाट के मैदान में गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया गया. इस दौरान विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए. देर शाम जयमाला कार्यक्रम के बाद सुर संग्राम सहित भोजपुरी जगत से आए हुए कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक गानों पर कलाकारों ने समां बांध दिया. कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा, सोसाइटी के सचिव की मां सुगापति देवी, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओबेदुल्ला हक, बिहार से आए मौलाना उमर नूरानी, राजद जिलाध्यक्ष सूरज सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

आने वाला समय में दहेज मुक्त विवाह सुनिश्चित हो जाएगा : मौके पर पूर्व सांसद ने कहा कि संस्था का यह बहुत ही सराहनीय कार्य है. इस तरह का कार्य विभिन्न समाजसेवी संस्थान के द्वारा भी करने की जरूरत है. अगर ऐसा कार्यक्रम विभिन्न संस्थान के द्वारा किया जाएगा तो आने वाला समय में दहेज मुक्त विवाह सुनिश्चित हो जाएगा. उन्होंने कहा कि आज दहेज के लिए बेटी मारी जा रही है. गर्भ में भ्रूण हत्या कराया जा रहा है. लोग इससे परहेज करें नहीं तो आने वाले समय में बेटी को खोजने के लिए विवाह करने के लिए अपने देश से दूसरे देश में भी जाना पड़ सकता है.

शादी कराना यज्ञ से भी बढ़कर सफल कार्य: धीरज

केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे ने कहा कि गढ़वा की जनता ने मिथिलेश को चुना मिथिलेश ने विकास को चुना और विकास ने एक साथ 101 सीता जैसी बहनों की शादी कराना यज्ञ से भी बढ़कर सफल कार्य है. उन्होंने कहा कि सोसाइटी के द्वारा जो यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है यह गढ़वा के लिए ऐतिहासिक साबित होगा. उन्होंने कहा कि सोसाइटी के सचिव ने 101 बेटियों का डोली सजाकर इतिहास रचने का काम किया है. झामुमो के जिलाध्यक्ष ने कहा कि कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी संस्था के द्वारा इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करना बहुत ही गौरव की बात है. इस दौरान डॉ यासीन अंसारी, उमर नूरानी ने भी संबोधित किया. मंच संबोधन के बाद विवाह संपन्न करा कर 101 कन्याओं की एक साथ विदाई के दौरान पूरा महफिल रो पड़ा था.

पलामू टाइगर रिजर्व में हिरण व चीतल के सॉफ्ट रिलीज सेंटर की सोलर फेंसिंग

बाघों के लिए तैयार किया जा रहा बेहतर माहौल

संवाददाता। पलामू

जिला में स्थित पलामू टाइगर रिजर्व में हिरण और चीतल के लिए बने सॉफ्ट रिलीज सेंटर की सोलर फेनसिंग की जाएगी. टाइगर रिजर्व के चार अलग-अलग इलाकों में हिरण और चीतल का सॉफ्ट रिलीज सेंटर बनाया जा रहा है, इन सभी केंद्र की फेनसिंग की जानी है ताकि हिरण और चीतल टाइगर रिजर्व से बाहर नहीं निकल सके और बाहरी जीव उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सके.इस प्रक्रिया में पतली तार के माध्यम से रिलीज सेंटर की फेनसिंग की जाएगी, जिसमें सोलर सिस्टम से बिजली का करंट दिया जाएगा. बाहरी जीव जैसे ही केंद्र के अंदर प्रवेश करने की कोशिश करेंगे उन्हें बिजली का झटका लगेगा. हालांकि बिजली का झटका वन्य जीवों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा बल्कि उन्हें डराएगा. पलामू टाइगर रिजर्व निदेशक कुमार आशुतोष ने बताया कि सॉफ्ट रिलीज सेंटर का सोलर फेनसिंग किया जाना है ताकि सॉफ्ट रिलीज सेंटर को कोई बाहरी जीव नुकसान नहीं पहुंचा सके.

पलामू टाइगर रिजर्व में हिरण और चीतल के चार सॉफ्ट रिलीज से पलामू टाइगर रिजर्व इलाके में बाघों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है. इसी कड़ी में कुटकु, छिपादोहर समेत चार इलाकों में हिरण और चीतल का सॉफ्ट पलामू टाइगर रिजर्व इलाके में बाघों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है. इसी कड़ी में कुटकु, छिपादोहर समेत चार इलाकों में हिरण और चीतल का सॉफ्ट रिलीज सेंटर बनाए जाने की योजना है. पलामू में टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क इलाके में 10 हजार के करीब हिरण और चीतल मौजूद हैं. हिरण और चीतल को अलग-अलग इलाकों में शिफ्ट किया जाना है.

डीडीसी ने की योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

संवाददाता। गढ़वा

समाहरणालय के सभागार में उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला परामर्शदात्री सीमित की बैठक की. बैठक में उप विकास आयुक्त ने पूर्व में दिए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की.

मौके पर जिला के सभी बैंकों का सीडी रेशियो, वार्षिक साख योजना (एसीपी) 2023-24, केसीसी, पीएमईजीपी, एमएसएमई, पीएमएफएमई, महिला लखपति किसान योजना, आरसेटी, फिनांसियल इनक्लूजन समेत अन्य योजनाओं को लेकर गहन समीक्षा किया. समीक्षा के दौरान पिछली बार के प्रथम त्रैमासिक बैठक की तुलना में सीडी रेश्यो में बढ़ोतरी पाई गई. पिछली बैठक में सीडी रेश्यो 40 प्रतिशत था जो अब बढ़कर 45 प्रतिशत पर पहुंच गया है. इस पर उप विकास आयुक्त ने बैंक के कार्य की सराहना करते हुए इसी प्रकार से आगे भी अच्छा काम करने के लिए प्रेरित किया.

मौके पर ये रहे मौजूद : बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि समेत डीडीएम नाबार्ड, लक्ष्मण कुमार, जिला अग्रणी प्रबंधक एके मांझी, आरसेटी प्रभारी इंदु भूषण लाल, डीपीएम जेएसएलपीएस सुशील दास, सभी बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद थे.

चार सड़कों को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

15 करोड़ से बनेंगी मोहम्मदगंज की चार सड़कें: कमलेश सिंह

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद की चिर प्रतीक्षित हैदरनगर के पंसा मोड़ से पंसा तक पथ के अलावा मोहम्मदगंज प्रखंड की अन्य तीन ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है. इस आशय की जानकारी हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र की एक एक ग्रामीण सड़कों को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत गांव की सड़क समस्या का निदान कर दिया गया है.

छह माह के अंदर 20 प्रतिशत गांव की सड़कों को भी दुरुस्त कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिन सड़को की स्वीकृति मिली है उसमे हैदरनगर के पंसा मोड़ से पंसा तक, जपला मोहम्मदगंज मुख्य पथ से बटउवा तक, जपला मोहम्मदगंज मुख्य पथ से बरदंडा स्कूल भाया कावलपुरा करारिया गोराडीह रोड तक व बीटी रोड भली से मोहम्मदगंज पथ वाया बेगमपुरा तक पथ शामिल है. श्री सिंह ने कहा कि स्वीकृत सभी सड़को की शीघ्र निविदा निकलने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है. उन्होंने बताया कि इन सड़कों पर करीब 15 करोड़ रुपए खर्च आयेंगे. उन्होंने कहा कि जो लोग विकास को लेकर सवाल उठाने का काम करते हैं, उन्हे पीछे के जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल का भी आकलन करना चाहिए. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कहीं कोई समस्या है तो क्षेत्र का कोई भी नागरिक उन्हें जानकारी दें. उसका समाधान सम्मान के साथ किया जाएगा.

बोले विधायक

- क्षेत्र का कोई भी नागरिक समस्या की जानकारी दें
- सबका समाधान सम्मान के साथ किया जाएगा

योजना के लाभ से अपना सपना पूरा करेगी स्मृति

संवाददाता। छतरपुर (पलामू)

विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना बेहद पसंद आ रहा है. इस योजना के लाभ से विद्यार्थी अपने प्रतिभा में पंख लगाने को उत्साहित है. प्रचार -प्रसार के माध्यम से स्मृति को गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध जानकारी मिली. साथ ही अपने प्रखंड क्षेत्र में आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर के बारे में पता चला. शिविर में वह अपने शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ इस योजना का लाभ लेने के लिए पहुंची और आवेदन किया. स्मृति ने बताया कि आवेदन स्वीकृत कर ली गई है. इस योजना का लाभ मिलने को लेकर उत्साहित स्मृति ने बताया कि अब उसे अपने सपनों को साकार करने में सरकार की मदद मिलेगी. उन्होंने बताया कि परिवारजनों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण मेडिकल क्षेत्र में जाने का सपना चूर हो रहा था, लेकिन इस योजना के लाभ से अब मेडिकल क्षेत्र में पढ़ाई कर खुद के साथ-साथ समाज के लिए बेहतर करेगी.

10 को एनएमओपीएस का जिला अधिवेशन

लातेहार। झारोटेफ व एनएमओपीएस का जिला अधिवेशन सह सांगठनिक पुनर्गठन आगामी 10 दिसंबर को माको डाक बंगला लातेहार में होगा. इसे लेकर जिला स्तरीय एक ऑनलाइन बैठक जिला संयोजक प्रदीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक का संचालन जिला संरक्षक हीरा प्रसाद यादव ने किया. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पलामू जोन संगठन सचिव अजय कुमार मौजूद थे. जिला संरक्षक हीरा प्रसाद यादव ने बताया कि आगामी 10 दिसंबर को माको डाक बंगला में जिला स्तरीय सम्मेलन सह सांगठनिक पुनर्गठन किया जायेगा.

CLASSIFIED

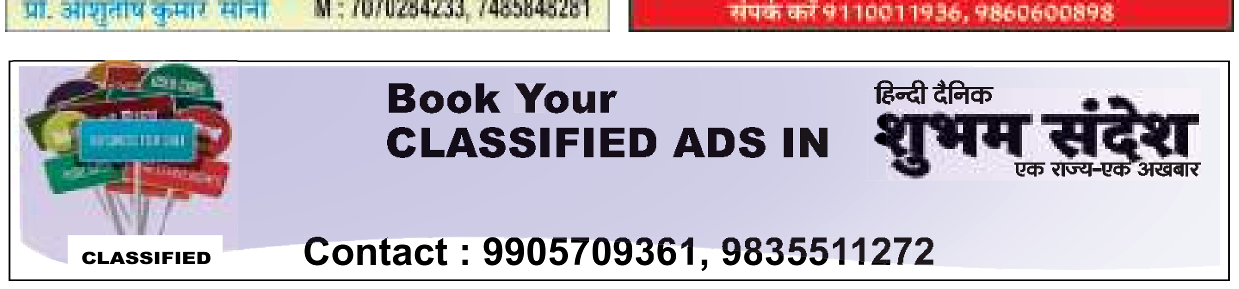

आयोजन

ऑन द स्पॉट हो रहा लोगों की समस्याओं का समाधान

लोगों को मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

संवाददाता। गढ़वा

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आज गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंडों अंतर्गत पंचायतों में शिविर का आयोजन कर लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से अच्छादित किया गया एवं कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया. आज दिनांक- 07 दिसंबर को केतार के बलीगढ़ पंचायत भवन में, रमना के गम्हरिया पंचायत भवन में, नगर ऊंटारी के हलिवंता कला पंचायत भवन में एवं गढ़वा के कल्याणपुर पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया. उक्त शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए. इनमें शिविर में स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, आपूर्ति विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, श्रम विभाग समेत अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए. जिनमें काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शिविर में पहुंच विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन समर्पित किए गए. वहीं शिविरों में संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों द्वारा लाभुकों के बीच गर्म पोशाक का वितरण, कंबल का वितरण, पेंशन स्वीकृति पत्र वितरण, ऋण वितरण, बीज वितरण समेत अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया. जेएसएलपीएस के समूह के बीच ऋण वितरण भी किया गया.

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उपस्थित लोग.

खास बातें

- शिविरों में विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टॉल
- लाभुकों के बीच गर्म पोशाक का किया गया वितरण

ब्रीफ खबरें

अंजुसा कुमारी को मिला जाति प्रमाण-पत्र

लोहरदगा। किस्को प्रखंड के खरकी पंचायत के सेमरडीह स्थित राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार आयोजित कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय मन्हो के पांचवीं कक्षा की छात्रा अंजुसा कुमारी को जाति प्रमाण पत्र दिया गया. प्रमाम पत्र मिलने से अंजुसा बेहद खुश हैं. अंजुसा ने आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए नामांकन हेतु जाति प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन दिया था. अंजुसा ने आज ऑन द स्पॉट जाति प्रमाण-पत्र का लाभ दिए जाने पर मुख्यमंत्री व जिला प्रशासन लोहरदगा को धन्यवाद दिया.

कई पंचायत में होगा शिविर का आयोजन

पलामू। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत आज जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा.
मोहम्मदगंज प्रखंड के भजनिया के अन्य ग्राम में, हैदरनगर प्रखंड के बरडंडा पंचायत में, हुसैनाबाद प्रखंड के दरुआबेनी पंचायत में, पीपरा प्रखंड के सरैया के अन्य ग्राम में, हरिहरगंज प्रखंड के ढकचा पंचायत में, नौडीहा प्रखंड के खैरादौहर पंचायत में, छतरपुर प्रखंड के नौडीहा पंचायत में, विश्रामपुर प्रखंड के गुरहकला पंचायत मुख्यालय में, नावाबाजार प्रखंड के इटको मुख्यालय में, पड़वा प्रखंड के कजरी मुख्यालय में, कोशियारा पंचायत में, सदर मेदिनीनगर प्रखंड के सुआ पंचायत के अलावा कई पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा.

मुर्गी फार्म के दुर्गंध से परेशान ग्रामीण

धुरकी। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है. प्रदूषित हवा को रोकने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार अनेक उपाय करती है, लेकिन अभी भी कुछ ऐसे सुदूरवर्ती इलाके हैं जहां खुलेआम वातावरण को प्रदूषित किया जा रहा है. मामला सगमा प्रखंड अंतर्गत ग्राम शारदा गांव की है. दरअसल शारदा गांव के ग्रामीण मुर्गी फार्म के दुर्गंध से परेशान होकर 29 सितंबर को आवेदन सौंपा है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में काफी मायूसी छाई हुई है. श्री बंशीधर नगर एसडीओ को सौंपे आवेदन में ग्रामीण नीरज सिंह, विश्वनाथ सिंह, रवि कुमार, नान्हू सिंह, तारा देवी आदि ने बताया कि गांव के बीच में मुर्गी पालन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं.

बारिश से खरीफ व रबी फसलों को भारी नुकसान

कांडी। प्रखंड के विभिन्न भागों में बुधवार की शाम से हो रही बारिश से किसानों का खरीफ एवं रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है. कई दिनों से मौसम खराब होने के बावजूद भी धान की फसलों को किसी तरह से किसान भारी मशक्कत कर फसल को काटे, कई जगहों पर खेतों में धान की फैसले लगी पड़ी है. कई जगहों पर धान की फसल की कटाई करने के बाद खेतों में बिखरे पड़े हैं तो कहीं खलिहान में धान की बोझा असामयिक वर्षा से बर्बाद हो रहे हैं. वर्षा के कारण खेतों में जल जमाव भी हो गया है. वहीं दूसरी तरफ कई किसानों द्वारा रबी फसलों की बुआई खेतों में की गई थी. भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामलाला दुबे ने बताया कि प्राकृतिक आपदा झेल रहे किसानों की दुखड़ा को कोई सुनने वाला नहीं है.

करंट लगने से एक दुधारू पशु की मौत

महुआडांड़। स्थानीय आदर्श नगर के कसाई बांध बस्ती में करंट लगने से एक भैंस की मौत हो गयी. भैंस बस्ती के संतोष यादव की थी. संतोष ने बताया कि विगत दो दिनों से हो रही बारिश के कारण बिजली का एक तार खेत में गिर गया था. सुबह जब मवेशी खेतों में घास चरने गये तो बिजली के तार के संपर्क में आने से एक भैंस की मौत हो गयी. संतोष ने कहा कि भैंस ही उसके जीवन यापन का सहारा था. बता दें कि बस्ती में 25 घर है.
सभी के घरों में बिजली का कनेक्शन है. लेकिन बिजली विभाग द्वारा आज तक बस्ती तक कोई बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है. ग्रामीण तकरीबन एक किलोमीटर दूर से बांस के सहारे तारो को खींच कर अपने घरों में बिजली जला रहें हैं. अक्सर बारिश होने या तेज हवाओं के चलने के कारण बिजली का तार गिर जाता है.

साइक्लोन 'मिचौंग' ने बदला मौसम का मिजाज, पड़ रही हाड़ कंपाने वाली ठंड

स्कूलों में छुट्टी के लिए सीएम से की मांग

संवाददाता। चंदवा

हाड़ कंपाने वाली ठंड के साथ साइक्लोन मिचौंग के कारण बेमौसम हो रही बारिस को देख चंदवा के बहुत से अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विद्यालय नहीं भेज रहे हैं. मध्य विद्यालय चंदवा की प्रभारी प्रधानाध्यापिका विजयालक्ष्मी बताती हैं कि इस कड़कड़ाती ठंड और बूंदा-बूंदी बारिस से विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति कम हुई है लेकिन, विद्यालय बंद नहीं होनी चाहिए क्योंकि ज्यादातर बच्चे घर में पढ़ाई नहीं कर पाते हैं.

वहीं, माकपा के वरिष्ठ नेता अयुब खान ने साईक्लोन मिचांग मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ट्वीट कर एक सप्ताह स्कूल की छुट्टी करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि बुधवार से साइक्लोन मिचौंग के कारण मौसम में हुए बदलाव से पुरे राज्य में ठंड कहर बरपा रही है. हाड़ कंपाने वाली ठंड के साथ-साथ बारिश भी लगातार पड़ रही है. इससे राज्य की जनता के आम जनजीवन पर काफी विपरीत असर पड़ रहा है, दो दिनों से लोग घरों में कैद हो गए है.

कंपकंपाती ठंठ और बारिश के दौरान स्कूली बच्चे.

बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर

सबसे ज्यादा स्कूल कालेज में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र छात्राएं साइक्लोन मिचौंग के मौसम के चपेट में हैं. छात्र छात्राओं को घर से सुबह नौ बजे इस जाड़े के मौसम और बारिश के बीच स्कूल के लिए निकलना पड़ रहा है, जिससे वे पानी में भीग भी रहे हैं. इसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है. ठंड से बच्चों को बचने के लिए कक्षा तीन और इसके ऊपर क्लास के बच्चों को शिक्षा विभाग ने स्वेटर की राशि उसके खाते में भेज दी है लेकिन, अभी तक आधे से अधिक बच्चे स्वेटर खरीद नहीं पाए हैं. जिन बच्चों के पास स्वेटर, जूत्ता-मौजा है वह भी इस साइक्लोन मिचौंग के मौसम में नाकाफी साबित हो रही है.

माकपा ने की सीएम से स्कूली छुट्टी की मांग : जिस तरीके से साइक्लोन मिचौंग का असर राज्य में पड़ रहा है इससे अभिभावकों को बच्चों की स्वास्थ्य की चिंता सताने लगी है. उन्हें डर सता रही है कि साइक्लोन मिचौंग कहीं बच्चों पर भारी न पड़ जाय. छात्र छात्राओं को साइक्लोन मिचौंग की हाड़ कंपाने वाली ठंड पानी को देखते हुए एक सप्ताह तक स्कूल की छुट्टी किए जाने की मांग माकपा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार से की है.

सड़कों पर जलजमाव से लोगों को हो रही परेशानी

पांकी (पलामू)। पांकी प्रखंड में दो दिनों से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है. बारिश से शहर में जगह-जगह जलजमाव हो गया है. सड़कों पर कीचड़ फैल गया. लोग दिनभर जलजमाव के बीच आवाजाही करते रहे. पांकी चौक से बराज मोड़ तक सड़क की स्थिति बदत्तर हो गयी. वहीं, ठंड बढ़ने के बाद भी प्रखंड कार्यालय से जरूरतमंदों को कंबल नहीं मिलने से लोगों में काफी आक्रोश है. बारिश के साथ तेज हवा चलने से ठंड बढ़ गयी है. मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार तक बारिश होने की संभावना जतायी है.

आओ जानें

हुसैनाबाद से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	राजद	संजय कुमार सिंह यादव
2005	एनसीपी	कमलेश सिंह
2009	बसपा	संजय कुमार सिंह यादव
2014	भाजपा	कुशवाहा शिवपूजन मेहता
2019	एनसीपी	कमलेश सिंह

बारिश से खलिहानों मे रखे धान हो रहे बर्बाद

लातेहार। चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण लातेहार में पिछले पांच दिसंबर की रात्रि से ही बारिश हो रही है. असमय हो रही इस बारिश ने किसानों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है. खेतों में धान की फसल पक कर तैयार है. धनकटनी भी शुरू हो गयी है. खेत व खलिहानों मे धान के बोझे देखे जा सकते हैं. लेकिन जिस प्रकार पिछले दो दिनो से लगातार बारिश हो रही है किसानों के लिए मुशकिलें बढ़ती जा रही है. जिस क्षेत्र में धान नहीं कटी है वहां धान की बालियां गिर गयी हैं. किसानों को इस बात कही चिंता है कि अगर यह बारिश एक दो दिन और रही तो फसल बरबाद हो जायेगी और उनकी मेहनत पर पानी फिर जायेगा. किसान उपेंद्र प्रसाद ने बताया कि अभी तो धान को किसी प्रकार बचाने का प्रयास किया जा रहा है.अभी धान की कटाई शुरू ही हुई थी कि मौसम खराब हो गया.

गैस सिलेंडर में रिसाव होने से लगी आग, बड़ी दुर्घटना टली

आग बुझने के बाद मकान मालिक व ग्रामीणों को मिली राहत

संवाददाता। सेन्हा (लोहरदगा)

बदला ग्राम निवासी सुंदरी देवी के रसोई घर में आग लगने से अफरा तफरी मच गयी. ग्रामीणों के प्रयास से आग पर काबू पाया गया. बताया गया कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के बदला चौक के समीप स्थित सुंदरी देवी पति स्व सुखदेव लोहरा के मकान स्थित रसोई घर में सुबह चाय बनाने के समय गैस पाइप रिसाव के कारण गैस सिलेंडर में आग लग गयी. जिससे घर के लोग घर से बाहर निकल ग्रामीणों की मदद लेकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया.

साथ ही ग्रामीणों ने 112 नंबर में डायल कर घटना की सूचना अग्निशमन विभाग दल को दिया. अगलगी घटना की सूचना पर लोहरदगा के हवलदार मनीष कुमार शर्मा, अभिजीत कुमार बर्मा,गोपी यादव पहुंच कर घर से गैस सिलेंडर को बाहर निकाल कर आग को बुझाया और बड़ी घटना होने से बच गया. घनी आबादी होने के कारण लोग घरों से निकल कर दूरी बना लिए थे. गैस सिलेंडर का आग बुझाने के बाद मकान मालिक और ग्रामीणों को राहत मिली. अग्निशमन विभाग के हवलदार मनीष कुमार शर्मा ने कहा की पीड़ित परिवार के अनुसार सुबह चाय बनाने के समय गैस का रिसाव होने के कारण आग लगी थी. जिसे बुझा दिया गया है.

खास बातें

- घटना की सूचना अग्निशमन विभाग दल को दिया गया
- चाय बनाने के समय गैस के रिसाव से लगी आग

एसपी अंजनी अंजन के निर्देश पर चलाया गया वाहन जांच अभियान

बालूमाथ (लातेहार)। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर बालूमाथ पुलिस ने बुधवार की शाम थाना गेट के सामने एनएच-22 पर वाहन जांच अभियान चलाया. बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से वाहन जांच चलाया गया. इस दौरान कई वाहनों की जांच की गई. कई बाइक चालक जीवन सुरक्षा कवच (हेलमेट) नहीं लगाये पाये गये.

उन्हें हिदायत दे कर फिलहाल छोड़ दिया गया. थाना प्रभारी ने वाहन चलाते वक्त हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने की अपील लोगों से की. हालांकि वाहन के पूरे कागजात नहीं दिखाने पर कुछ वाहनों को जब्त भी किया गया. जानकारी के अनुसार हेरंहज थाना पुलिस ने बालूमाथ-पांकी पथ में एक अंतर जिला बाइक चोर गिरोह के सदस्य को पकड़ा था. पुलिस ने एहतियातन यह वाहन जांच अभियान चलाया था.

संवेदनशील होकर बाल अधिकारों के प्रति करें कार्य : उज्ज्वल तिवारी

संवाददाता। लातेहार

झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य उज्ज्वल प्रकाश तिवारी ने समाहरणालय के सभागार में आयोजित एक बैठक में बाल अधिकार संरक्षण की समीक्षा की. उन्होंने बाल अधिकार के प्रति संवेदनशील हो कर कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया. तिवारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा बाल अधिकार संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली.

उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न रजिस्टर्ड प्ले स्कूल की जानकारी ली और शेष प्ले स्कूलों का रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया. शिक्षा विभाग से बच्चों के पठन-पाठ, बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, डीएमएफटी व सीएसआर के फंड से बच्चों के लिए किये गए कार्य की भी जानकारी ली. श्रम विभाग द्वारा जिले में बाल श्रमिकों को मुक्त कराने एवं इस संबंध में की गयी कार्रवाई की भी उन्होंने जानकारी ली. बैठक में तिवारी ने इनिंग क्षेत्र में संचालित वाहनों पर चाइल्ड लेबर, चाइल्ड मैरिज व चाइल्ड अब्यूज पर स्लोगन लगवाकर लोगों को जागरूक करने निर्देश जिला खनन पदाधिकारी को दिया. बैठक में सिविल सर्जन अवधेश सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी रेणु रवि, जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रेशिम लकड़ा समेत अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित थे.

खास बातें

- तिवारी ने कई रजिस्टर्ड प्ले स्कूल की ली जानकारी
- बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे की चर्चा

फोरलेन सड़क निर्माण के लिए रैयतों को अवगत कराया गया

संवाददाता। लातेहार

राष्ट्रीय राजमार्ग -75 (पैकेज-टू) के तहत एनएचएआई के द्वारा लातेहार के उदयपूरा से भोगू तक फोरलेन सड़क निर्माण कराया जाना है. इस सड़क निर्माण में भूमि अधिग्रहण को ले कर गुरुवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय कुमार व अंचल अधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो मुख्य रूप से मौजूद थे. मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रावधानों से रैयतों को अवगत कराया. उन्होने संबंधित रैयतों से तमाम वांछित दस्तावेज समर्पित करने की अपील की. शिविर में अंचल निरीक्षक उदल राम, राजस्व उप निरीक्षक सर्वेश राम, मनोज बेक, जिला भू अर्जन कार्यालय के महेंद्र सिंह, मो साबिर अंसारी, एनएचएआई के मनोहर कुमार व भरत महतो के अलावा मुखिया सुनीता देवी, संजय उरांव व शशि कुजूर समेंत ग्राम नावाडीह, कढ़िमा और उदयपूरा ग्राम के फोरलेन सड़क से प्रभावित रैयत उपस्थित थे.

8 को होगी जिला सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक

लातेहार। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य रविन्द्र तिवारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आठ दिसंबर को होगी. बैठक में परिषद के सदस्यों के अलावा पुलिस व परिवहन विभाग के पदाधिकारी भाग लेंगे. इससे पहले रविन्द्र तिवारी चंदवा मे एनएचएआई द्वारा कराये जा रहे आरओबी का स्थालीय निरीक्षण करेंगे. बता दें कि इन दिनों लातेहार में एनएचएआई द्वारा फोर लेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजा दर को लेकर रैयत संघर्षरत हैं. रैयतों ने परिषदन में रविन्द्र तिवारी से मिलकर इसकी शिकायत व आवेदन सौंपने का भी निर्णय लिया है. फोरलेन विस्थापित संघर्ष समिति के अध्यक्ष गुजर उरांव व संयोजक वीरेंद्र प्रसाद ने अधिक से अधिक संख्या में परिषदन पहुंचने की अपील रैयतों से की है. समिति के दोनों पदाधिकारियों ने कहा, एनएचएआई द्वारा फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहण किये जाने वाले भूमि का बहुत ही कम दर निर्धारित की गयी है.

चंदवा पुलिस ने फिर चलाया वाहन चेकिंग अभियान

बगैर हेलमेट व कागजात के वाहन चला रहे वाहन चालकों से वसूला गया जुर्माना

संवाददाता। चंदवा

लातेहार परिवहन विभाग के निर्देश पर क्षेत्र में हो रही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चंदवा थाना गेट के समीप दूसरे दिन भी दो पहिया वाहनों से हेलमेट व ड्राइविंग लाइसेंस चेकिंग अभियान चलाया गया. जांच के दौरान बिना हेलमेट व कागजात के परिवहन कर रहे सैकड़ों वाहनों की जांच की गई जांच में कई वाहन चालक बिना हेलमेट व कागजात के पकड़े गए विदित हो की पिछले कुछ दिनों में चंदवा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है.

बीते एक सप्ताह में बालूमाथ थाना क्षेत्र में हुई दो अलग अलग सड़क दुर्घटना में चंदवा के छः लोगों की मौत हो गई है जबकि दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं. प्रखंड क्षेत्र में बढ़ रही दुर्घटनाओं की मुख्य वजह शराब व तेज रफ्तार राइड बताई जा रही है.

वाहन चेकिंग अभियान से हलकान रहे लोग

थाना गेट के समीप चल रहे चेकिंग अभियान से दो पहिया वाहन चालक दिनभर हलकान रहे. कई वाहन चालकों का कहना था कि महिलाओं को लेकर जा रहे वाहन को पुलिस रुकवा रही थी और महिलाओं को गाड़ी से उतार कर दुपहिया वाहन थाना के अंदर खड़ा करवा दिया जा रहा था महिलाओं के द्वारा लाख मिन्नतें करने के बावजूद पुलिस गाड़ी छोड़ने को तैयार नहीं हुई,मजबूरन उन्हें घंटो गेट के समीप खड़ा रह कर चलान कटने का इंतजार करना पड़ा लगभग 5 :30 बजे शाम से चलान कटनी शुरू हुई. ज्यादातर लोग 1000 रू का चलान भरने के बाद बारिश में भींग कर घर जाना पड़ा. लोगों का कहना था कि इससे पहले इस प्रकार की कड़ाई नहीं की गई थी कम से कम महिलाओं के वाहन को जाने दिया जाता था, लेकिन इस बार महिलाओं का भी ख्याल नहीं रखा गया. लोगों से यह भी कहते सुना गया जब ऑन लाईन चलान काटने की व्यवस्था है फिर दिन भर समय खराब करने के बाद शाम में ऑफ लाईन चलान काटने का क्या मतलब है इस परिस्थिती में कोई दुर्घटना हो जाती है तो इसका जवाबदेह कौन? उपरोक्त संबंध में एम भी आई सुनिल कुमार से फोन पर पक्श जानने का प्रयास किये जाने पर कहते हैं चलान कटने का कार्य चल रहा है जानकारी बाद में मील जायेगी. खबर लिखे जाने तक वाहन चालकों से जुर्माना वसूलने का कार्य जारी था.

अभियान पदाधिकारियों ने शपथ लेकर विकसित भारत संकल्प यात्रा का किया गया शुभारंभ

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' वाहन हुआ रवाना

संवाददाता। गढ़वा

भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं को आमजनों तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा वाहन को रवाना किया गया. लाभुकों को शत प्रतिशत योजनाओं का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है. 7 दिसंबर से 26 जनवरी तक 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है.

गढ़वा जिला में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए दो प्रचार वाहनों को लगाया गया है. पहले प्रचार वाहन को गुरूवार को रवाना किया गया. जिले के सभी पंचायतों में प्रचार अभियान चलाया जायेगा. भारत सरकार और राज्य सरकार के सहयोग से चल रहे योजनाओं यथा- स्वच्छता अभियान, आवश्यक वित्तीय सेवाएं, गैस कनेक्शन, गरीबों का आवास, भोजन/पोषण, स्वास्थ्य, पेयजल और शिक्षा आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं का प्रचार-प्रसार और लाभुकों को इससे आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है.

खास बातें

- सभी पंचायतों में प्रचार अभियान चलाया जायेगा
- योजनाओं को लेकर चलेगी जागरूकता अभियान
- लाभुकों को योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य

शपथ लेते पदाधिकारी और कर्मी.

मौके पर दिलाई गई शपथ

गुरुवार को समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय और जिला परिषद की अध्यक्ष शांति देवी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया. मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मियों को 'हमारा संकल्प विकसित भारत' को लेकर शपथ दिलाई गई. शपथ लेते हुए कहा गया कि भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे, गुलामी की मानसिकता को जड़ से उखाड़ फेकेंगे. देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे, भारत की एकता को सुदृढ़ करेंगे और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करेंगे और नागरिक होने का कर्तव्य निभाएंगे.

अल्पसंख्यक संत अगस्तीन उच्च विद्यालय, मनोहरपुर
पश्चिमी सिंहभूम (झारखंड)
स्थापित - 4 जनवरी 1963
अल्पसंख्यक घोषित ज्ञापांक एच/च-6-0502/77वि. 3433, दिनांक 27.09.1978
(छोटानागपुर डायोसिस शिक्षा समिति, रांची का एक ईकाई)
पंजीयन संख्या 563/99-89, दिनांक 01.03.1989

आवश्यकता

संत अगस्तीन उच्च विद्यालय मनोहरपुर, जिला पश्चिमी सिंहभूम, में झारखण्ड सरकार द्वारा देय विहित वेतनमान में विषय भौतिक विज्ञान-सह-गणित में स्नातक प्रतिष्ठा, बी० एस० सी०, बी. एड. का एक शिक्षक की आवश्यकता है। नियुक्ति में झारखण्ड सरकार द्वारा निर्धारित योग्यता/अर्हता तथा उम्र सीमा मान्य होगा। अर्हताधारी अभ्यर्थी अपना आवेदन, सभी शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक प्रमाण -पत्रों की स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ दिनांक- 29.12.2023 के अपराह्न 3.00 बजे तक निबंधित डाक द्वारा विद्यालय सचिव के पद नाम से भेज सकते हैं। दिनांक- 05.01.2024 को पूर्वाह्न 10:00 बजे अपने मूल प्रमाण-पत्रों के साथ लिखित परीक्षा हेतु विद्यालय में उपस्थित हो।
नोट : 1 यात्रा भत्ता देय नहीं है।
2 इस विज्ञापन को कभी भी निरस्त करने का अधिकार सचिव को है।

सचिव
प्रबंधकारिणी समिति
संत अगस्तीन उच्च विद्यालय, मनोहरपुर
जिला - पश्चिमी सिंहभूम

वर्चस्व की लड़ाई में पहले से ही लाल होती रही है कोयलांचल की धरती

गोलियों की गिनती नहीं, मौत के आंकड़ें दहलाने वाले

राम मूर्ति पाठक। धनबाद

वर्चस्व की लड़ाई में धनबाद कोयलांचल की धरती अक्सर लाल होती रही है. कोयला के काले धंधे और रंगदारी को लेकर कोयलांचल में गोली-बारी और बमबाजी की घटनाएं आम हैं. इन घटनाओं में गोलियों की गिनती नहीं, बल्कि मौत के आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं. ताजा मामला धनबाद जेल में बंद कुख्यात शूटर अमन सिंह की हत्या का है. आए दिन रंगदारी, लूट, डकैती व गोलीबारी की घटनाओं से कोयलांचल के लोग खौफ के साये में जीने को मजबूर हैं. कोयलांचल मुख्यतः गैंगवार के लिए सुर्खियों में बना रहता है. धनबाद को काला हीरा की नगरी कहकर महिमा मंडित किया जाता रहा है. उसी हीरे को गले का हार बनाने के लिए वर्चस्व की जंग भी छिड़ी रहती है.

5 घटनाओं ने शहर दहला दिया : तीन साल के आंकड़ों पर गौर करें, तो फरवरी 2021 से दिसंबर 2022 तक हत्या की 5 घटनाओं ने शहर को दहला दिया था. 13 फरवरी 2021 को शहजाद खान, 12 मई 2021 को लाला खान, 24 नवंबर 2021 को महताब आलम उर्फ नन्हे, 5 दिसंबर 2022 को अजय पासवान और 12 दिसंबर 2022 को शहबाज सिद्दिकी उर्फ बबलू को गोलियों से भून दिया गया. वहीं, वर्ष 2023 में अब तक हुई हत्या की 4 घटनाओं को याद करने मात्र से ही लोग दहल जाते हैं. इनमें 2 फरवरी को रिकवरी एजेंट उपेंद्र सिंह, 12 अप्रैल को बरवाअड्डा के जमीन कारोबारी राजकुमार साव, 3 मई को इकबाल के करीबी बबलू उर्फ दोलू तथा 3 दिसंबर को धनबाद जेल के अंदर गैंगस्टर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई.

लोग भयभीत
- कोयलांचल के लोग खौफ के साये में जीने को विवश हैं
- जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की कर दी गई थी हत्या

झगड़ा सुलझाने गए युवक पर बरसाईं गोलियां, एक घायल

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के आजादनगर थाना अंतर्गत एनएच 33 पर सिटी इन होटल के पास बुधवार देर रात झगड़ा सुलझाने गए इमरान अली पर अपराधियों ने गोली चला दी.अपराधियों ने मौके पर कई राउंड हवाई फायरिंग भी की. इस घटना में इमरान के पैर में गोली लगी. घटना की जानकारी इमरान ने अपने साथियों को दी. इसके बाद इमरान के साथी मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल पहुंचाया.

वहां उसका इलाज चल रहा है.उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है.इमरान मानगो बावनगोडा चौक का रहने वाला है और टेंट हाउस का काम करता है.

थाना प्रभारी बोले - घटना की जांच करायी जा रही है

इमरान ने बताया कि वह अपने साथी के साथ सिटी इन में पार्टी करने गया था. देर रात 12 बजे वह पार्टी कर होटल से बाहर निकला. उसने देखा कि 15 से 20 के संख्या में युवक आपस में झगड़ा कर रहे हैं. वह झगड़ा सुलझाने गया था. इसी बीच पीछे से किसी ने उसपर हॉकी से वार कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा. तभी किसी ने फायरिंग कर दी. मौके पर भगदड़ मच गई. उसने अपने अन्य साथियों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी. मामले को लेकर आजादनगर थाना प्रभारी मिथलेश कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी. वे घटना के सत्यापन कर जांच कर रहे हैं.

आओ जानें

झारखंड में साढ़े चार साल में साइबर अपराध के मामले आये सामने

जिला	मामला	जिला	मामला
धनबाद	406	सिमडेगा	44
गिरिडीह	224	देवघर	405
हजारीबाग	348	गोड्डा	115
जमशेदपुर	384	गुमला	92
पलामू	170	लोहरदगा	45
रांची	1432	चतरा	105
साहिबगंज	91	गढ़वा	80
दुमका	120	कोडरमा	72
चाईबासा	90	खूंटी	48
बोकारो	150	रामगढ़	77
लातेहार	161	पाकुड़	83
जामताड़ा	345	कुल	5350
सरायकेला	154		

ब्रीफ खबरें

ट्रेन में यात्रा कर रहे साधु की हो गई मौत

जमशेदपुर । गुरुवार को टाटानगर रेल पुलिस ने मुंबई-हावड़ा मेल एक्सप्रेस ट्रेन से एक शव बरामद किया. मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ के गुमका थाना अंतर्गत छोटे टेमरी गांव निवासी विखम साहू (65) के रूप में हुई है. पुलिस ने उसके पास से एक डायरी बरामद की जिसके आधार पर उसकी पहचान हो सकी. जीआरपी ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दे दी है. व्हाट्सएप पर फोटो के आधार पर परिजनों ने मृतक की पहचान की. इससे पूर्व कुछ यात्रियों ने ट्रेन के कोच में विखम साहू के अचेतावस्था की जानकारी प्रशासन को दी थी.

लोडेड पिस्टल व गोली के साथ दो युवक गिरफ्तार

गुमला । सिसई थाना की पुलिस ने गुरुवार को लोडेड पिस्टल के साथ दो युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार युवकों में बलजीत उरांव और सुदीप उरांव के नाम शामिल हैं. दोनों युवक सिसई थाना क्षेत्र के छारदा नगर डहर टोली के रहने वाले हैं. एसडीपीओ मनीष चन्द्र लाल ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर बताया कि दोनों अपराधी कोई बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे. पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिसई के थाना प्रभारी आदित्य कुमार चौधरी के नेतृत्व में छापामार दल का गठन किया गया.

व्यापारी से रंगदारी मांगने वाले को तीन साल की कैद

धनबाद । गोविंदपुर के व्यापारी से पांच लाख रुपए रंगदारी मांगने के आरोपी गोविंदपुर निवासी शुभन अंसारी को अदालत ने सजा सुनाई है. धनबाद के प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की अदालत ने आरोपी शुभन अंसारी को तीन वर्ष की कैद एवं दस हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. अदालत ने मामले के एक अन्य आरोपी सद्दाम हुसैन को साक्ष्य के अभाव में रिहा करने का आदेश दिया है. अभियोजन का संचालन सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने किया.

विकास सिंह की जमानत अर्जी स्थानांतरित

धनबाद । प्रिंस खान और उसके शूटरों को अवैध हथियार सप्लाई करने के आरोप में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह की जमानत अर्जी पर गुरुवार को सुनवाई हुई. विकास के अधिवक्ता जया कुमार एवं आयुष सिन्हा की दलील सुनने के बाद अदालत ने मामले को अगली सुनवाई के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम की अदालत में स्थानांतरित कर दिया है. अब जमानत पर सुनवाई उसी अदालत में होगी. अधिवक्ता आयुष ने बताया कि अब जमानत अर्जी पर सुनवाई शुक्रवार को होगी.

ससुराल पहुंचे मृतका के पिता और परिजन

संदेहास्पद परिस्थिति में विवाहिता की मौत, प्रताड़ित करने का आरोप

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

पलामू जिला के हैदरनगर थाना अंतर्गत बलडीहरी गांव में बीती रात एक विवाहिता साबरीन खातून (23 वर्ष) की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई. ससुरालवालों ने साबरीन खातून के मायके में बुधवार की रात 11 बजे फोन कर बताया कि उनकी बेटी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है. खबर मिलते ही पिता बेलाल खान, भाई हाफिज अफगान खान व अन्य बलडीहरी गांव पहुंचे. उन्होंने घर का दरवाजा खुलवाया, मगर किसी ने दरवाजा नहीं खोला. उन्होंने हैदरनगर थाना को इसकी सूचना दी. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया.

ससुराल पक्ष के लोगों से पूछताछ कर रही है पुलिस : पुलिस ससुराल पक्ष के लोगों से पूछताछ कर रही है. मृतका का मायके बिहार के रोहतास जिला अंतर्गत केरपा गांव में है. उसके पिता बेलाल खान ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में अपनी बेटी साबरीन खातून की शादी हैदरनगर के बलडीहरी गांव निवासी नफीस खान के पुत्र शाहबाज खान के साथ की थी. शादी के समय जितना संभव था, दहेज देकर बेटी को विदा किया था. बाद में दामाद शाहबाज खान ने सऊदी जाने के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की. उन्होंने डेढ़ लाख रुपए देकर सऊदी अरब भेजा था. छह माह में ही वह वापस लौट आया. पुनः उसे पैसा देकर विदेश भेजा. इस बीच ससुर सास, देवर लगातार साबरीन को प्रताड़ित और मारपीट करते थे. पति भी फोन पर गाली-गलौज करता रहता था. दो बार इस मामले को लेकर पंचायती भी हुई थी. मगर ससुराल के लोगों में कोई सुधार नहीं हुआ. साबरीन खातून को दो पुत्र हैं. एक पुत्र बता रहा है कि उसकी मम्मी को दादा ने मारा है. हैदरनगर थाना प्रभारी आजाद अंसारी ने बताया कि मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. अभी तक मृतका के परिजनों द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है.

लगाया आरोप
- मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है
- मृतका के परिजनों द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है

फंदे से लटक कर युवती ने दी जान

रोत-बिलखते परिजन.

जमुआ (गिरिडीह) । एक युवती ने गुरुवार अहले सुबह लगभग 4 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मामला जमुआ थाना अंतर्गत नवडीहा ओपी के बघेयडीह की है. युवती काजल कुमारी महेंद्र मंडल की बड़ी पुत्री थी, जो बीए सेमेस्टर वन की छात्रा थी. आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है. काजल की मां शांति देवी ने बताया कि हर दिन की तरह रात में खाना खाकर वह अपने कमरे में सोने गई थी. सुबह जब उसके कमरे में झाड़ू लगाने के लिए गए तो पंखे से फांसी के फंदे में झूल रही थी. बताया कि शनिवार को शादी होने वाली थी. बताया काजल की शादी लगभग तीन माह पूर्व धनबाद के टुंडी अंतर्गत सोने गांव में विजय मंडल के साथ तय हुआ था. गुरुवार से हल्दी (मेहंदी) की रस्म प्रारंभ होने वाली थी. मृतका काजल महेंद्र मंडल की एकमात्र पुत्री थी. जिसकी शादी को लेकर परिजन काफी उत्साहित थे. भव्य पंडाल और दान दहेज में देने वाले पलंग, गोदरेज, एलईडी टीवी व बर्तन सभी की खरीदारी हो चुकी थी. रिस्तेदार भी पहुंच चुके थे. घर में शादी को लेकर सभी काफी उत्साहित थे. घटना के बाद माहौल मातम में बदल गया. वहीं सूचना मिलते ही नवडीहा ओपी प्रशासन दलबल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी में जुट गई. इस बाबत नवडीहा ओपी प्रभारी राधेश्याम पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है. जांच पड़ताल कर आत्महत्या का कारण का पता किया जाएगा.

पाकुड़ जेल में की गयी औचक छापेमारी

संवाददाता। पाकुड़

पाकुड़ मंडल कारा में देर रात 11:00 से 1:00 तक छापेमारी अभियान चलाई गई. एडिशनल कलेक्टर मंजू रानी स्वांसी एवं एसडीएम हरिवंश पंडित के द्वारा कैदियों के सभी वार्डों की संघन तलाशी ली गई. सभी वार्ड के एक-एक कैदियों के बेड एवं उनके सामान की तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान किसी प्रकार कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला. जेल अधीक्षक एवं जेलर ललन भारती ने बताया कि मुख्यालय से मिले आदेश पर जेल की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. कैदियों से मिलने आने वाले मुलाकातियों की जांच पड़ताल सख्ती से की जा रही है. तब उन्हें मिलने की इजाजत दी जाती है. जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बुधवार को स्पेशल ब्रांच के अधिकारियों ने भी जेल सुरक्षा की जांच की थी. जांच के दौरान जेल सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे. जेल में लगे सुरक्षा उपकरणों की भी जांच की गई थी. छापेमारी अभियान में मुख्यालय डीएसपी बैजनाथ प्रसाद के साथ पुलिस जवान मौजूद थे.

बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल होटवार में तीन घंटे छापेमारी, नहीं मिला आपत्तिजनक सामान

रांची । धनबाद जेल में शूटर अमन सिंह की हत्या के बाद जेल प्रशासन सतर्क है. गुरुवार सुबह रांची जिला प्रशासन की टीम ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में छापेमारी की. छापेमारी सुबह पांच बजे से आठ बजे तक चली. इस दौरान पुलिस- प्रशासनिक अधिकारियों और जवानों ने जेल के हर वार्ड और सेल की गहन तलाशी ली. छापेमारी के दौरान जेल अस्पताल की भी गहन जांच की गयी. महिला पुलिसकर्मियों ने हर महिला वार्ड की भी तलाशी ली . हालांकि छापेमारी के दौरान जेल में किसी भी तरह का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ.

दहेज हत्याकांड के आरोपी को 15 वर्ष सश्रम कारावास

लातेहार। जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अमित कुमार की अदालत ने दहेज हत्या के आरोपी पति राजेश सिंह को 15 वर्षों की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. अभियोजन पदाधिकारी अशोक कुमार दास के अनुसार पांच अक्टूबर 2019 को राजेश सिंह ने अपनी पत्नी फुलमनी देवी की मारपीट कर हत्या कर दी थी. हत्या के बाद मायके वालों ने राजेश सिंह के विरुद्ध मनिका थाना कांड संख्या 54/19 दर्ज कराया था. जिसका अदालत में विचारण सत्रवाद संख्या 51/21 अमित कुमार की अदालत में चल रहा था.

वन विभाग ने अवैध लकड़ियां जब्त कीं

लातेहार । पीटीआर के छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र के जंगलों से वन विभाग ने गुप्त सूचना पर जब्त किया कीमती लकड़ी बरामद किया है. जानकारी के अनुसार छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र में अवैध लकड़ी की तस्करी की सूचना पर वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देश पर प्रभारी वनपाल नवीन कुमार के नेतृत्व गुरुवार शाम छापामारी किया. छापामारी में अमवाटीकर बिट के ओपाग जंगल से तस्कर द्वारा जंगल से कटाई कर ले जा रहे सखुआ के चार चोपाल बोटा एवं चार पटरा बरामद किया गया. मौके पर अवैध लकड़ी समेत तस्कर द्वारा जंगल से लकड़ी ठोने एक साइकिल बरामद किया है. जबकि लकड़ी तस्कर भागने में कामयाब रहा. इस अभियान में वनपाल नवीन कुमार प्रसाद के अलावे प्रभारी वनपाल नंदलाल साहू उमेश उरांव, संजय टोप्पो के अलावा कई वनरक्षक शामिल थे.

ड्यूटी से घर जा रहे सीसीएल कर्मी की हाईवा की चपेट में आने से मौत

संवाददाता। बेरमो

सीसीएल कथारा क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर परियोजना के मोन्टीको नाला के निकट हाइवा की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी की मौत हो गई. दासो भोक्ता 35 वर्ष बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत अरमो पंचायत के लुकूबाद गांव का निवासी है. वह ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहा था. घटना गुरुवार दोपहर दो बजे की है. हादसे के बाद काफी संख्या में ग्रामीण, मृतक के परिजन एवं सीसीएल में कार्यरत यूनियन के प्रतिनिधि पहुंच गए और मृतक के आश्रित को मुआवजा एवं नियोजन की मांग करने लगे. उनकी मांग थी कि जब तक नौकरी नहीं मिल जाती है, तब तक शव उठाव नहीं होगा.

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सीसीएल कर्मी दासो भोक्ता अपनी ड्यूटी समाप्त कर अपराह्न दो बजे अपनी बाइक स्प्लेंडर प्रो नंबर- जेएच 09 एस 7835 से अपने घर अरमो पंचायत के लुकूबाद जा रहा था. मोटिकोनाला पर बने ब्रिज पर हाइवा नंबर ओडी 09 पी 3256 का पिछला टायर बाइक के उपर चढ़ गया और इस क्रम में सीसीएल कर्मी की मौत हो गई.

कुएं में गिरकर डूबने से ग्रामीण की हुई मौत

गुमला । घाघरा थाना क्षेत्र के बेलागड़ा गांव के कुएं में गिरकर डूबने से एतवा उरांव नामक व्यक्ति की मौत हो गई. गुरुवार को घाघरा पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुआं से बाहर निकाला गया, जिसे पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. घटना के संदर्भ में परिजनों ने बताया कि बुधवार को गांव में जतरा था. मृतक एतवा उरांव जतरा गया था और घर नहीं लौटा. काफी खोजबीन की गई. उसका पता नहीं चल सका. गुरुवार की सुबह कुआं में शॉल दिखाई पड़ा. झागर के सहारे शॉल को निकाला गया. उसके बाद शव पर लोगों की नजर पड़ी. ग्रामीणों ने शव की पहचान एतवा उरांव के रूप में की. संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि नशे के कारण वह कुआं में गिर गया होगा और डूबने से उसकी मृत्यु हो गई होगी. ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी. पुलिस ने सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया.

उप निदेशक कुमार आशीष के निर्देश पर चला छापेमारी अभियान, आरोपी गये जेल

जानवरों का शिकार करने वाले 4 गिरफ्तार

संवाददाता। लातेहार

वन विभाग की छापामारी टीम ने पीटीआर के गारू पूर्वी वन क्षेत्र में जंगली जानवरों का शिकार करते हुए चार शिकारियों को पकड़ कर जेल भेज दिया है. रेंजर उमेश कुमार दुबे ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि वन क्षेत्र में कुछ शिकारियों के द्वारा जंगली जानवरों का शिकार किया जा रहा है. सूचना के बाद पलामू ब्याघ्र परियोजना के उप निदेशक कुमार आशीष के निर्देश पर छापामारी अभियान चलाया गया. इस छापामारी में वन विभाग की टीम ने चार शिकारियों को तीन देशी बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार शिकारियों में गारू थाना क्षेत्र के कोटाम बैगाटोली ग्राम के अमरदयाल सिंह एवं कुलदीप सिंह को दो देशी बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया. इस दौरान दो शिकारी भागने में सफल रहे. उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम बनाकर बुधवार की रात छापामारी किया गया. छापामारी में कोटाम ग्राम के फरार शिकारी रिंकू सिंह व कुशदेव सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया. कुशदेव के निशानदेही पर घर के बगल के महुआ पेड़ में छिपाकर रखा एक बंदूक बरामद किया गया. रेंजर ने बताया कि इस संबंध में वन अधिनियम के विभिन्न के धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. इस छापामारी में प्रभारी वनपाल रंजय कुमार, वनकर्मियों आशीष कुमार, गौरांग स्वांसी, रोहित कुमार व राजकिशोर कुमार राम समेत कई वनकर्मी शामिल थे.

हुई गिरफ्तारी
- पीटीआर के गारू पूर्वी वन क्षेत्र में कर रहे थे शिकार
- छापेमारी में तीन देसी बंदूकें भी की गईं बरामद

अधिवक्ता के बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

झरिया । झरिया थाना क्षेत्र के ऐना कोठी में चोरों ने अधिवक्ता के बंद घर को बनाया निशाना नगदी समेत आठ लाख रु. के आभूषण व संपत्ति चुराया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि महेंद्र गोप के घर का ताला तोड़कर आभूषण, नगद सहित आठ लाख की संपत्ति चोरी कर फरार हो गए. इस मामले में पीड़ित ने झरिया थाना में शिकायत की है. घटना की सूचना पाकर पुलिस पीड़ित के घर पहुंच मामले की जानकारी ली. महेंद्र का कहना है कि बुधवार की सुबह एक कार्यक्रम में भाग लेने अपने ससुराल कुजू रामगढ़ गया था. गुरुवार की सुबह दस बजे घर पहुंचा तो देखा कि उसके घर के मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ है. घर के अंदर गया तो देखा कि दोनों कमरे का सिटकनी और ताला भी टूटा पड़ा था. चोरों ने एक घर में रखे आलमारी तोड़कर उसमें रखे सोने का मनटीका, मंगलसूत्र, गले का चेन और कान की बाली सहित सात लाख के आभूषण चोरी कर ली.

हादसा

पोस्टमार्टम के बाद शव के घर पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद मुख्य पथ पर गुरुवार की सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई. जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. तीनों युवक बाइक पर सवार होकर जिम करने कर्णपुरा जा रहे थे. इसी दौरान दूधिटांड़ मोड़ के पास गिरिडीह की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया. दुर्घटना में बाइक पर सवार बेंगाबाद के पाण्डेयबाद़ी निवासी पांचू रजक का पुत्र दीपक रजक (17 वर्ष) की मौत मौके पर ही हो गई.

वहीं, रातडीह निवासी शिवशंकर मंडल और बड़कीटांड़ निवासी रंजीत यादव घायल हो गए. शिवशंकर मंडल की स्थिति चिंताजनक बताई जाती है. वहीं, रंजीत यादव को मामूली चोट पहुंची है. टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भाग निकला. बेंगाबाद थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया. पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया. परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो उठा. निवर्तमान प्रमुख रामप्रसाद यादव ने घटना पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है. ज्ञात हो कि करीब पांच वर्ष पहले दीपक रजक के मंझले भाई रंजन रजक और उसके दो चचेरे भाइयों की बारसोली मोड़ के समीप सड़क हादसे में मौत हो गई थी.

जसीडीह स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर युवक की मौत

देवघर । जसीडीह-आसनसोल रेलखंड पर जसीडीह रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर के समीप गुरुवार को डाउनलाइन ट्रैक से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है. रेल पुलिस ने बताया कि स्टेशन प्रबंधक को मेमो से सूचना मिली कि डाउन लाइन में पोल नंबर 322/30ए के पास रेलवे ट्रैक पर एक शव पड़ा है. सूचना मिलते ही रेल थाना प्रभारी और आरपीएफ के अधिकारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. ट्रैक पर युवक का गर्दन कटा शव पड़ा मिला. पुलिस ने मृतक की जेब से एक मोबाइल फोन बरामद किया है. उधर से उक्त नंबर पर फोन आने के बाद पुलिस ने घटना की सूचना घर वालों को दी. मृतक की पहचान देवघर थाना क्षेत्र के गणेश मार्केट निवासी शशि सिंह के रूप में हुई. वह शिवनाथ सिंह का पुत्र था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया. परिजनों ने बताया कि शशि सिंह सुबह में बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था. इधर, पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा.

12 साइबर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह जिले की पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है. इस बार पुलिस ने कुल 12 शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इस बात की जानकारी एसपी दीपक कुमार शर्मा ने पिपरवाटांड़ स्थित पुलिस ऑफिस में प्रेस वार्ता कर दी. उन्होंने बताया कि पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में छापामारी कर 12 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है. यह सभी साइबर अपराधी गर्भवती महिलाओं को मातृत्व राशि लाभ दिलाने, एयरटेल पेमेंट बैंक के मित्रा एप के जरिए ठगी करने, फर्जी बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने के अलावे अलग-अलग फर्जी तरीके से लोगों को ठगने का काम करते थे. इन सभी साइबर अपराधियों के पास से पुलिस ने 19 मोबाइल फोन, 33 सिम कार्ड, एक एटीएम कार्ड, पांच बाइक और 2 लाख 19 हजार रुपए नगद बरामद किया है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों में अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के कोलडीह निवासी पवन कुमार राणा, गांडेय थाना क्षेत्र के भरकुंडा निवासी मो. शमशाद अंसारी, सजाद अंसारी, सलामत अंसारी, सच्चिदानंद कुमार मंडल, उत्तर प्रदेश के खरगपुर थाना क्षेत्र के झरीकुंआ निवासी, दीपक वर्मा, बेंगाबाद के नितेश कुमार और पंकज कुमार मंडल, अहिल्यापुर के मुकेश मंडल, गांडेय के निर्मल कुमार मंडल, ताराटांड़ थाना क्षेत्र के अहिल्यापुर मोड़ निवासी रूपेश मंडल और ताराटांड़ थाना क्षेत्र के झिरार निवासी सोहन मंडल शामिल है.

एटीएम बरामद
- 2 लाख 19 हजार रुपये नगद, 19 मोबाइल फोन
- 33 सिम कार्ड, एक एटीएम कार्ड और पांच बाइक बरामद

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष केतु चंद्रमा के प्रभाव में हैं. सरकारी कार्यालयों में रुके काम मनोनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी बिलकुल न करें. हनुमानजी के मंदिर में जल का दान करें.

वृषभ दुष्ट व्यक्ति से सावधान रहें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय बनी रहेगी. चीनी का दान किसी गरीब स्त्री को करें.

मिथुन किसी से बहस नहीं हो इसका ध्यान रखें. सारी स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क कार्य होगा और साथ ही आय भी होगी. मानसिक उलझन दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें. लाभ में वृद्धि होगी.

सिंह समय सामान्य है. नेत्र रोग से बचें. समय उत्तम है. सामाजिक सरोकार बढ़ेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. धनार्जन होगा. समय उत्तम है. इसका लाभ लें. सूर्य को जल अर्पण करें.

कन्या मानसिक शांति के साथ साथ आर्थिक सुख मिलेगा. आय होगी, पर दौड़धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. आय में निश्चितता रहेगी. किसी नया कार्य मे जोखिम न लें. लड्डू का भोग लगावें.

तुला थोड़े प्रयास से रुके कार्य बनेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी. झाड़ू का दान करें.

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. किसी अपनों पर व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी. गाय को रोटी गुड़ दे.

मकर कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा. किसी अपने के स्वास्थ्य की चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें. तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह तथा प्रसन्न मिलेगी.

मीन गलत कार्य से बचें. हानि का योग है. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे. गुरु गायत्री मंत्र का जाप करें.

सीएम बताएं किस मद में, किस समय का कितना है बकाया : बाबूलाल मरांडी

दुमका। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी केंद्र के पास झारखंड का बकाया वाले सीएम हेमंत सोरेन के बयान पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी नहीं करनी चाहिए. उन्हें विस्तार से जनता को बताना चाहिए कि आखिर किस समय का, किस मद में और कितना बकाया केंद्र के पास है. वहीं ईडी के समन को लेकर बाबूलाल ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री ने कोई गड़बड़ी नहीं की है तो क्यों घबरा रहे हैं. जांच रुकवाने के लिए क्यों कभी हाईकोर्ट, कभी सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं. दरअसल उनकी घबराहट का कारण यह है कि उन्होंने इतनी बेनामी संपत्ति अर्जित की है कि उनके पास उसका उत्तर नहीं है. मरांडी आदिवासी अधिकार बाइक रैली के समापन के बाद दुमका सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे.

ईपीएस की न्यूनतम पेंशन राशि 7500 रु करने की मांग का समर्थन

सिंदरी । दिल्ली में गुरुवार को नेशनल ऐजिटेशन कमेटी द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन का समर्थन करते हुए ऑल इंडिया एफसीआई वीएसएस इम्प्लाइज एशोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है. यह पत्र ए स ड ीप ीओ सिंदरी द्वारा भेजा गया है. ऑल इंडिया एफसीआई वीएसएस इम्प्लाइज एसोसिएशन अध्यक्ष सेवा सिंह ने बताया कि देश के वरिष्ठ नागरिकों सहित इपीएस 95 के पेंशनरों की पेंशन राशि मात्र 1100 रुपए केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है. इसमें विगत 20 वर्षों से कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है. वहीं बढ़ती महंगाई को देखते हुए इसकी राशि को डीए सहित न्यूनतम 7500 रुपये मासिक करने के लिए दिल्ली में धरना जारी है. इसमें पूरे देश से इपीएस 95 पेंशनधारियों का जमावड़ा लगा है.

आयोजन : सिस्टर्स ऑफ चैरिटी ऑफ मेरी एंड जीसस की 15 धर्मबहनों ने फेलिक्स टोप्पो के समक्ष पूरी की अंतिम मन्नत

आजीवन व्रत धारण करना सीधे ईश्वर के प्रेम से जुड़ा है : फेलिक्स टोप्पो

संवाददाता रांची

निर्मला कॉलेज, डोरंडा के सिस्टर्स ऑफ चैरिटी ऑफ मेरी एंड जीसस की 15 धर्मबहनों ने रांची के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो के समक्ष अंतिम मन्नत पूरी की. गुरुवार को निर्मला कॉलेज, डोरंडा में धर्मबहनों के लिए अजीवन व्रत धारण करने का धार्मिक अनुष्ठान रखा गया था. इस धार्मिक अनुष्ठान का आरंभ पवित्र मिस्सा बलिदान से हुआ, जिसकी अगुवाई रांची के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो ने की. उन्होंने अपने धर्मोपदेश में कहा कि व्रतता का जीवन सीधे ईश्वर के प्रेम से जुड़ा है. अजीवन व्रत धारण करना अपने जीवन को होम के रूप में अर्पित करने का प्रतीक है.

अजीवन व्रत धारण करने वाली 15 धर्मबहनों में सिस्टर प्रभा कुल्लु, सिस्टर ज्योति केरकेट्टा, सिस्टर शशि बॉ, सिस्टर अंशु बागे, सिस्टर अंजु तिर्की, सिस्टर सोनिया टोप्पो, सिस्टर ललिता खेरवा, सिस्टर ललिता नागेसिया,सिस्टर रीमा कुजुर, सिस्टर अलका टेटे, सिस्टर अनिमा कुजुर, सिस्टर मगदली होरो, सिस्टर अंजना लकड़ा,सिस्टर सुशन्ना नायक औरसिस्टर बिनसी सांगा शामिल हैं.रांची के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो ने सभी 15 धर्मबहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और अपनी प्रार्थनाओं का भी आश्वासन दिया. आजीवन व्रत की पवित्रता बनाए रखने और लोगों की सेवा में ईमानदार बने रहने के लिए उन्हें प्रेरित किया. अंत में सभी उपस्थित लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं.

इस अवसर पर सिस्टर्स, ऑफ चैरिटी ऑफ मेरी एण्ड जीसस की जेनरल सुपीरियर की प्रतिनिधि मेरी जोसेफ वल्यांकल, प्रोविंशियल सुपीरियर सिस्टर सुषमा बेक, पुरोहितगण सहित अन्य धर्मसंघ की धर्मबहनें एवं धर्मबंधु और विश्वासीगण मौजूद थे.

खास बातें

- निर्मला कॉलेज में पवित्र मिस्सा बलिदान से हुआ धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ
- दी गयी आजीवन व्रत की पवित्रता और सेवा में ईमानदार बने रहने की प्रेरणा

निर्मला कॉलेज में आयोजित समारोह में अंतिम मन्नत करतीं आजीवन व्रत धारण करनेवाली धर्मबहनें, रांची के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो सहित अन्य बिशपगण.

सीएमपीडीआई : अंतरक्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन

आसनसोल टीम बना चैंपियन क्षेत्रीय संस्थान रांची उपविजेता

संवाददाता।रांची

सीएमपीडीआई अंतर क्षेत्रीय संस्थान सांस्कृतिक प्रतियोगिता 2023-24 का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह गुरुवार को हुआ. इसमें क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल को टीम चैंपियनशिप के विजेता और क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची को उप-विजेता का खिताब मिला. समारोह में मुख्य अतिथि संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार एवं कस्तूरी महिला सभा की सदस्या रूपाली गुप्ता ने प्रतियोगिता के टीम चैंपियनशिप के विजेता व उप-विजेता टीम को पुरस्कृत किया.

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा एवं निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) अच्युत घटक ने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान रबीन्द्र संगीत, लाइट सांग, भजन, कारनेटिक संगीत, लोकगीत, नजरूल गीत, ठुमरी एवं ख्याल आधारित गान, बांसुरी, गिटार, सिंथेसाइजर, एकार्डियन, माउथ ऑरगन, हास्यप्रद नाटिका, लोकनृत्य, गजल, धमार एवं कव्वाली प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता तथा टीमों को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया. इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में गायिका श्रावणी फौजदार, कथक शिक्षक देबाप्रिया चौधुरी एवं सरोद वादक श्याम पांजा ने जूरी की भूमिका निभायी. इस अवसर पर इंडियन आइडल में चयनित दिवस नायक ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया.

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्षगण व गणमान्य लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- इंडियन आइडल में चयनित दिवस नायक ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम
- गायिका श्रावणी, सरोद वादक श्याम कथक शिक्षक देबाप्रिया थे जूरी

एआईसीटीई ने किया अपने नियमों में बदलाव

रांची । अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने अपने नियमों में बदलाव किया है. इसके अंतर्गत बैचलर ऑफ बिजनस एडमिनिस्ट्रेशन और बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन की पढ़ाई टेक्निकल शिक्षा की श्रेणी में शामिल होगी. एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम ने एक पत्र जारी कर इस आशय की घोषणा करते हुए बताया है कि सत्र 2024-27 में बीबीए, बीसीए और बीएमएस के लिए संबंधित कॉलेज और संस्थान को एआईसीटीई से मान्यता लेना अनिवार्य होगा. इससे जिसके पास पात्रता रहेगी, उसे छात्रवृत्ति भी दी जाएगी. इसका सिलेबस भी कॉमन होगा. क्वालिटी एजुकेशन के लिए इसे लागू किया जा रहा है. एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम ने कहा है कि एआईसीटीई अगले तीन साल के लिए एप्रूवल प्रोसेस हैंडबुक एप्लिकेबल किया गया है. इसमें टेक्निकल और मैनेजमेंट प्रोग्राम को शामिल किया जाएगा. क्वालिटी एजुकेशन के लिए इसे शामिल किया गया है. आने वाले 2024-27 सत्र में ही लागू किया जाएगा. इससे लिए 11 बिंदु तय किये गये हैं, जिसमें सारी बातों को विस्तार से बताया गया है.

आओ जानें

झारखंड के प्रमुख जल प्रपात-एक

जोन्हा जलप्रपात : यह जलप्रपात रांची जिले में स्थित है जो रांची– पुरुलिया मार्ग पर राहु नदी पर स्थित है। जोन्हा गांव के पास होने के कारण इसका नाम जोन्हा जलप्रपात पड़ा। इसकी उचाई लगभग 17 मीटर है। यहाँ वर्ष भर पर्यटकों का आना–जाना लगा रहता है।

दशम जलप्रपात : यह जलप्रपात रांची जिले में स्थित है जो रांची –टाटा मार्ग पर कांची नदी पर स्थित है। कहा जाता है कि ऊचाई से गिरने के बाद इसकी धारा दस धाराओं में बंट जाती है इसी कारण इसका नाम दशम जलप्रपात पड़ा। इस जलप्रपात के ऊचाई लगभग 40 मीटर है। यहाँ भी वर्ष भर पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है।

सुनुआ जलप्रपात : यह जलप्रपात रांची जिले में स्थित है। यह रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड में स्थित है। इसकी जलधारा अधिक उचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस – पास का हरा– भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

हिरनी जलप्रपात : यह जलप्रपात रांची जिले में स्थित है जो रांची– चाईबासा मार्ग पर स्थित है। इसकी जलधारा अधिक उचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास का हरा भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

इस युग में तकनीक की गति तेजी से बढ़ रही है : डॉ. रितेश

- मशीनों पर निर्भरता के आज के दौर की कल्पना मशीनों के बिना नहीं की जा सकती है.

संवाददाता रांची

एप्लिकेशन के साथ मशीन इंटेलिजेंस पर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है. इस युग में जहां तकनीक तेज गति से बढ़ रही है, इस तरह की सभाएं नवाचार और प्रगति की आधारशिला के रूप में कार्य करती हैं. मशीनों पर निर्भरता के आज के दौर की कल्पना मशीनों के बिना नहीं कर सकते. उद्योगों में क्रांति लाने और स्वास्थ्य की देखभाल प्रणालियों को बढ़ाने से लेकर हम दुनिया के साथ कैसे बातचीत करते हैं, ये सभी कार्य मशीनों से संभव है.

उपरोक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बीआईटी मेसरा के डीन एलुमनी एंड इंटरनेशनल रिलेशन डॉ. रीतेश कुमार सिंह ने कही. गुरुवार को बीआईटी मेसरा के लालपुर सेंटर में आईसीएमईए 23 का आयोजन किया गया है. गुरुवार को कार्यक्रम का पहला दिन था. बीआईटी के कुलपति डॉ. इंद्रनील मन्ना ने कहा कि आज की जरूरतों के अनुरूप इस विषय को आम छात्रों तक इस प्रकार के कार्यक्रम एक बेहतरीन आयोजन है हम इस आयोजन के लिए विभाग को बधाई देते हैं. लालपुर सेंटर के निदेशक डॉ. वंदना भट्टाचार्या ने कहा कि कम्प्यूटर की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण नहीं थी, जितनी आज हो गई हैं, क्योंकि आज मशीन हमारे जीवन का हिस्सा बन गयी है.

हम कह सकते हैं कि मशीनी युग की शुरुआत हो चुकी है इसलिए आज का जो विषय है ''मशीन बुद्धिमत्ता और इसका प्रयोग'' बहुत ही जरूरी है. इस अवसर पर डॉ अमृता प्रियम, डॉ सोमित्रो चक्रवर्ती, डॉ प्रणव कुमार, डॉ अभय रंजन श्रीवास्तव, डॉ सिबा मित्रा, डॉ संजय कुमार समेत शिक्षक व विद्यार्थी शामिल रहे.

10 को खीस्त मिलन में जुटें 100 पेरिस के लोग

रांची। बहुबाजार स्थित सीएन आई चर्च में 10 दिसम्बर को खीस्त मिलन समारोह आयोजित होने जा रहा है. इसके लिए पूरे प्रदेश से 100 पेरिस के लोग अंतिम तैयारी में जुटे हुए है, जो इस मिलन समारोह में भाग लेंगे. इस अवसर पर पुरोहित डेविड ने बताया कि 10 दिसम्बर को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन भी किया जाएगा. यह कार्यक्रम भी उसी दिन दोपहर बाद 2 बजे से खीस्त मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक टोला के लोग यीशु मसीह से जुड़े गीत गायेंगे. कार्यक्रम की शुरुआत परमेश्वर की आराधना से होगी. यीशु मसीह के आगमन पर लोगों को एहसास दिलाया जाएगा. मुख्य अतिथि पल्ली पुरोहित डेविड, रेव्ह अविनाश बारला, विमल कुजुर, जस्टिन भुइयां, मनसीद ओड़ेया, ग्लोरियन डहंगा,सुनिल एमानुएल भुइयां, जोल्जस कुजूर, अनिल डहंगा, सामुएल भुइयां, पेरिस सचिव निकोदीम मरांडी, पेरिस जुनुलि नाग समेत पेरिस और सरपंच शामिल होंगे.

राज्यपाल से मिले कुड़मी समाज के प्रतिनिधि, रखी पांच सूत्री मांगें

संवाददाता ।रांची

आदिवासी कुड़मी समाज का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय अध्यक्ष प्रसेनजीत महतो की अगुवाई में राजभवन में राज्यपाल से मिला और उन्हें पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा गया. इस मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष प्रसेनजीत महतो ने कहा कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो व्यापक आंदोलन किया जायेगा. उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपना मूल और असल परिचय के साथ संवैधानिक हक हासिल करने के लिए सबसे पहले ''हम कौन है और हमारा क्या है'' की वास्तविकता को स्वीकार करने की जरूरत है. उनकी मुख्य मांगे हैं कुड़माली भाषा के लिए त्रुटिपूर्ण कुरमाली शब्द को संशोधित कर कुड़माली किया जाए, कुड़माली भाषा को जनजातीय भाषा की मान्यता देना, भारत की जनगणना की भाषा सूची में कुड़माली भाषा कोड लागू करना, कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करना तथा कुड़माली भाषा की पढ़ाई के लिए समुचित शिक्षकों, प्राध्यापकों और पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल है. प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय सचिव बैजनाथ महतो, संगठन सचिव चुरामन महतो, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष पन्नालाल राम जुरुआर और प्रदेश सचिव निबारन महतो शामिल थे.

उम्मीद फूलो-झानो योजना के तहत मिल जाएं 50 हजार तो छोड़ देंगे यह काम : सुगनी

शौक नहीं, मजबूरी कराती है हड़िया-दारू बेचने का काम

रेहान अहमद।रांची

ग्रामीण क्षेत्रों व राजधानी में हड़िया दारू बेचने वाली महिलाओं को समानजनक आजीविका से जोड़ने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजना राशि को 10 हजार की जगह 50 हजार रुपये करने की घोषणा की है. ताकि हड़िया-दारू बेचने वाली महिलाएं इस कार्य को छोड़ कर बेहतर कार्य कर अपनी जीविका चला सकें.

सौ रुपये की छोटी पूंजी से चला लेते हैं अपना घर : हरमू बस्ती निवासी सुगनी देवी पिछले 20 वर्षों से हड़िया दारू बेच कर घर परिवार चला रही है. पति झूलन लोहरा का असमय देहांत हो गया. इससे बच्चों के लालन-पालन की जिम्मेदारी सुगनी पर आ गई. पति मजदूरी कर घर चला रहा था. उसके गुजरने के बाद हड़िया-दारू को सहारा बना कर बच्चों का लालन-पालन करने लगी. दो बेटे और एक बेटी की परवरिश की. बेटे बड़े हो कर अलग हो गये. अब बेटी को इसी के सहारे पाल रहे हैं. सुगनी ने कहा कि घर का सहारा था. अतिक्रमण की जद में आकर वह भी छिन गया. किसी तरह बांस बल्ली की झोपड़ी बना कर गुजारा कर रहे हैं. हड़िया चावल 15 से 20 रुपये किलो मिलता है. मात्र 100-50 रूपये में भी यह छोटा कारोबार शुरू हो जाता है. दिन भर में 100-150 रुपये आ जाते हैं.

जिससे घर का गुजारा चल जाता है. हंडिया-दारू बेचने का काम शौक से नहीं, मजबूरी ही ऐसा काम कराती है. पूंजी अच्छी होती तो यह काम क्यों करते. सरकार पूर्व में भी योजना के तहत 10 हजार रुपये दे रही थी. इस बार पता चला कि 50 हजार रुपये हम जैसों को रोजगार के लिए मिलेंगे. इससे अच्छी बात और क्या होगी. अगर सच में मिल जाये तो कोई अच्छा सा कारोबार शुरू कर लेंगे. मेरी जिंदगी तो गुजर गई. कम से कम मेरी बेटी की जिंदगी तो संवर जाये.

खास बातें

- पति गुजर गए, बेटे छोड़ कर चले गए, घर अतिक्रमण में गया
- बेटी को पालने के लिए पैसों की तंगी में करना पड़ा ऐसा काम
- मात्र 100-50 रुपये में भी शुरू हो जाता है यह छोटा कारोबार

रांची में यहां भी महिलाएं बेचती हैं हड़िया-दारू

हरमू में सहजानंद चौक से महज पांच कदम की दूरी पर, लाइन टैंक रोड से ट्रैकर स्टैंड रोड के किनारे, करम टोली से जेल चौक तक सड़क किनारे, कर्बला चौक से बहू बाजार तक सड़क किनारे, पूराना अरगोड़ा से ढिपाटोली रोड में, धुर्वा से शालिमार बाजार की ओर, सुजाता से गोस्नर कॉलेज रोड से सड़क किनारे, पिस्का मोड़ सू आईआईटी बस स्टैंड के आगे सड़क किनारे, काटा टोली बस स्टैंड से नामकुम की ओर सड़क किनारे आदि हैं.

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर संशय

खास बातें

- जेएसएससी ने की थी 16 तथा 17 को परीक्षा लेने की घोषणा
- अब तक जारी नहीं हो पाया परीक्षा का एडमिट कार्ड

- **लेट से जानकारी देने वाले जिलों के नाम :** पाकुड़, चतरा, सिमडेगा, गिरीडिह, गोड्डा, धनबाद, गढ़वा, लोहरदगा और जामताड़ा.
- **सीट मैट्रिक्स नहीं देने वाले जिलों के नाम :** बोकारो, दुमका, कोडरमा, पूर्वी सिंहभूम, देवघर, सरायकेला खरसवा, साहिबगंज और खूंटी.
- **हाल में जेएसएससी ने ली थी ये परीक्षाएं :** लैब टेक्निशियन, नगरपालिका परीक्षा, हाईस्कूल परीक्षा

रजनीश प्रसाद।रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की सीजीएल परीक्षा संशय में है. जेएसएससी ने 16 और 17 दिसंबर को परीक्षा लेने की घोषणा की थी. परीक्षा में केवल 10 दिन का ही समय बचा है, लेकिन परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी नहीं किया गया है. इस परीक्षा के लिए लगभग 6,50,000 छात्र परीक्षा देंगे. जेएसएससी परीक्षा लेगी या नहीं इसके बारे में कोई पक्का निर्णय नहीं लिया है. वहीं 650000 अभ्यर्थी कब परीक्षा होगी, इस आस में हैं.

झारखंड के 8 जिलों ने परीक्षा केंद्र की जानकारी लेट से दी. 9 जिलों ने सीट मैट्रिक्स की जानकारी जेएसएससी को दी ही नहीं. इसके लिए जेएसएससी ने कार्मिक प्रशानिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के सचिव को पत्र लिख कर जानकारी भी दी थी. पत्र 25 नवंबर को लिखा था. जेएसएससी के अनुसार, सीट मैट्रिक्स मिलने के बाद परीक्षा कराने वाली एजेंसी को परीक्षा संबंधित काम करने में और परीक्षा आयोजन कराने में लगभग दो महीने का समय लग जाता है. सेंटर पक्का होने के बाद प्रश्न पत्र, उत्तर पुस्तिका और अटेंडेंस पेपर सारे सेंटरों तक ले जाने और अन्य प्रकार के काम करने होते हैं. जेएसएससी की कई परीक्षाएं विवादों में रहीं है. हाल में हुई नगरपालिका परीक्षा विवादों के घेरे में है. परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने पांच सेंटरों में प्रश्न पत्र का सील खुला रहने की आरोप गया गया था, हालांकि इसकी जांच चल रही है.

चक्रवाती तूफान मिचौंग से बदला राज्य के मौसम का मिजाज, झमाझम बारिश से ठंड बढ़ी

बेमौसम बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता

- बारिश से जनजीवन प्रभावित खड़ी फसलों को भी नुकसान
- खराब हो रहे हैं खेतों में काट कर रखे गए धान
- सब्जी की खड़ी फसल में कीड़े लगने की आशंका
- स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तरों में उपस्थिति प्रभावित

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण अचानक मौसम के बदले मिजाज से झारखंड में ठंड बढ़ गई है. पिछले दो दिन से हो रही बारिश से न सिर्फ जनजीवन बल्कि फसलों को भी खासा प्रभावित किया है. खासकर खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है. इस समय झारखंड और आसपास के राज्यों में धनकटनी चल रही है. बारिश के कारण इसमें बाधा पड़ी है. खेत में कटे धान खराब होने की स्थिति में है. किसान परेशान हैं कि अगर यह बारिश अगले कुछ दिन तक जारी रही तो अच्छा खासा नुकसान हो जाएगा. इस समय खेतों में फुलगोभी, पत्ता गोभी, मटर, बीन जैसी सब्जियां लगी है. दो-तीन दिनों की लगातार बारिश इन्हें नुकसान पहुंचा सकती हैं. जानकार कह रहे हैं कि अगर इन सब्जियों को धूप नहीं मिलेगी तो इनमें कीड़े लग लकते हैं. दूसरी ओर रह रह कर हो रही बारिश की वजह से स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तरों में उपस्थिति प्रभावित हुई है. साथ ही बाजारों में भी गहमा गहमी कम देखी जा रही है. मौसम के जानकार बता रहे हैं कि बादलों के छंटते ही ठंड की तीखापन और बढ़ जाएगा. पिछले दो दिनों में सबसे ज्यादा बारिश जमशेदपुर में होने की खबर है. शुभम संदेश की टीम ने झारखंड के विभिन्न जिलों में चक्रवाती तूफान मिचौंग के असर की जानकारी हासिल की है. पेश है रिपोर्ट...

धनबाद : लगातार बारिश से कोयलांचल का जनजीवन अस्त-व्यस्त

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर गुरुवार को कोयलांचल में देखा गया. हाट बाजार में बारिश के कारण दिनभर सन्नाटा पसरा रहा. छिटपुट लोगों की अवाजाही रही. नगर निगम के टैक्स कलेक्शन काउंटर कर्मियों की संख्या आधी रही. वहीं काउंटर पर अन्य दिनों की अपेक्षा 10 प्रतिशत लोग ही लोग ही टैक्स जमा करने पहुंचे. अन्य सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में भी कमोंवेश यही स्थिति थी. स्कूलों की बात करे तो मध्य और उच्च विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या आधी रही. एक क्लास रूम में दो सेक्शन की कक्षाएं एक साथ ली गई. सुबह में कई शिक्षक भी स्कूल नहीं पहुंचे थे. शहर के कोर्ट रोड, कंबाइन बिल्डिंग चौक, श्रमिक चौक, स्टील गेट आदि सड़कों पर वाहनों की आवाजाही कम रही. फिजियोथैरेपिस्ट एक्सपर्ट सुमनानंद झा ने बताया कि बारिश के कारण वायरल बीमारियों के साथ फेफड़ा और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. लगातार बारिश के कारण लोगों को अस्पताल पहुंचने में परेशानी आ रही है. इसमें बच्चों और बुजुर्गो को खास ख्याल रखने की जरूरत है. दुकानदार महेश साव और विवेक ने कहा दो दिनों की बारिश ने कारोबार चौपट कर दिया है. मात्र 10 प्रतिशत वस्तुओं की बिक्री हो रही है. बारिश खत्म होने के बाद सब्जियों की कीमत बढ़नी तय मानी जा रही है.

लातेहार: दिनचर्या अस्त-व्यस्त रही

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण झारखंड के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है. लातेहार में पिछले पांच दिसंबर की मध्य रात्रि से ही बारिश हो रही है. हालांकि सात दिसंबर को दोपहर के बाद दो-तीन घंटों के लिए थमी थी, लेकिन शाम से फिर से बारिश शुरू हो गयी. हालांकि इस बारिश से अभी तक जानमाल की क्षति की सूचना नहीं है, लेकिन लोगों का जीवन अस्त व्यवस्त हो गया है. बाजार की दुकानें देर से खुली. लेकिन सड़कों में लोगों की आवाजाही नहीं के बराबर देखी गई. सरकारी दफ्तरों में कर्मचारी तो थे, लेकिन लोगों को कम देखा गया. प्रखंड सह अंचल कार्यालय में भी ग्रामीणों की आवाजाही कम देखी गयी. बस स्टैंड में भी लोगों का जमावड़ा कम था.

स्टॉफ नहीं आ रहे हैं: अविनाश

शहर के बाइपास चौक के अमर इलेक्ट्रानिक्स के अविनाश कुमार ने कहा कि बारिश के कारण दुकान में स्टॉफ नहीं आ रहे हैं, इस कारण परेशानी थोड़ी बढ़ गयी है. काम का हर्जा हो रहा है. स्टॉफ ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं, बारिश में उन्हें आने जाने में परेशानी हो रही है.

उपस्थिति सामान्य रही

सरकारी दफ्तर की बात की जाए तो हजारीबाग समरणालय मैं पदाधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति सामान्य रही, लेकिन आम जनता जो विभिन्न काम को लेकर दफ्तर पहुंचते थे उनकी संख्या नॉन रही पदाधिकारी और कर्मी अपने चेंबर में ही बैठे नजर आए .दारू प्रखंड कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा .पदाधिकारी और कर्मी अपने कमरे में काम करते हुए नजर आए .

हजारीबाग : तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण झारखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है. तीन दिनों से लगातार बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है. बारिश के कारण तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जा रही है. ठंड के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है .खास करक विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या कम देखने को मिल रही है. बड़का गांव प्लस टू हाई स्कूल में 60 प्रतिशत बच्चे ही आज स्कूल पहुंचे हैं. बताया गया कि दूर दराज के इलाके से जो छात्र विद्यालय आते थे वे नहीं आए हैं .बारिश के कारण उनकी उपस्थिति नहीं हुई .वहीं कमोवेश यही स्थिति चौपारण में भी है . सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या कम रही. बारिश के कारण छात्र स्कूल नहीं पहुंच पाए.

रांची : राजधानी भी पानी -पानी ठंड बढ़ी, घरों में दुबके लोग

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर रांची और आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है. पिछले दो दिनों से यहां बारिश हो रही है. जिससे ठंढ़ बढ़ गई है जिसका जनजीवन पर खासा प्रभाव देखने को मिल रहा है. बारिश और ठंढ़ की वजह से सड़कों में आवाजारी कम देखी जा रही है. जरुरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं. बारिश का असर स्कूल और सरकारी दफ्तारों पर भी पड़ा है. स्कूलों और कार्यालयों में उपस्थिति कम देखी गई. कई जगहों पर सड़कों पर पानी जमा होने और नाली का कचरा सड़कों पर पसर जाने के कारण लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इस समय रांची और आसपास के ग्रामीण इलाकों में धान की कटाई और सब्जी के खेती इस बारिश के कारण प्रभावित हुई है.

रामगढ़ : रुक रुक कर हो रही बारिश से ठंड बढ़ी

चक्रवाती तूफान मिचोंग का असर रामगढ़ में भी देखने को मिल रहा है. अचानक मौसम में बदलाव आ गया . पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से ठंड बढ़ गई है . ठंड बढ़ने के कारण लोग अपने-अपने घरों में सिमटे हुवे है जिले की सरकारी स्कूलों की बात करे तो 50 प्रतिशत औसत संख्या में बच्चे स्कूल में पढ़ने पहुंचे . बढ़ती ठंड और अचानक से हो रहे बारिश के बाद जनजीवन भी प्रभावित हुआ है. दैनिक कार्य करने वाले लोग अपने-अपने घरों में सिमटे हुए हैं .बाजारों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है . सरकारी कार्यालय में भी हर दिन की अपेक्षा लोग कम संख्या में पहुंचे. सड़कों पर कोहरा छाया हुआ है.

विद्यालय में बच्चों की उपस्थित कम रही

गोमिया प्रखंड के मध्य विद्यालय हज़ारी में करीब तीन सौ बच्चे अध्यनरत हैं. लेकिन ठंड की वजह से लगभग 186 बच्चों की उपस्थित रही. यहां के बच्चे भी हज़ारी गांव के हैं. स्कूल नजदीक होने के कारण उपस्थित ठीक ठाक है. लेकिन शिक्षकों का कहना है कि जिस प्रकार बारिश हो रही है. उससे ठंड बढ़ने वाली है. इसलिए कुछ कहा नहीं जा सकता है कि आगे बच्चों की उपस्थिति कैसी रहेगी. हालांकि उनका प्रयास है कि बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत रहे.

बेरमो: कंपकंपी बढ़ी, घरों में दुबके लोग, बाजार में भीड़ नहीं

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण झिमिर झिमिर बारिश के साथ मौसम का मिजाज बदला हुआ है. कंपकंपी बढ़ गयी है. कुछ लोग घरों में दुबक गए हैं. वहीं स्कूल के बच्चे और कामकाजी लोगों को अपने काम के लिए घरों से बाहर निकलना पड़ रहा है. लेकिन सड़कों और बाजारों में भीड़ नहीं के बराबर है. गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत का चितु गांव है. यहां उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्थापित है. स्कूल गांव परिसर में ही है. इसलिए बच्चों की उपस्थिति ठीक है लेकिन अन्य दिनों की तरह सभी बच्चे स्कूल नहीं पहुंच सके. शिक्षक बताते हैं कि स्कूल नजदीक है इसलिए बच्चे आ जाते हैं लेकिन जहां गांव से स्कूल की दूरी है वहां इस ठंड और बारिश के कारण परेशानी हो रही है.

जमशेदपुर में 60-80 मिमी बारिश

जमशेदपुर में24 घंटे में 60.80 मिमी बारिश दर्ज की गई है. जबकि चाईबासा में 38 मिली बारिश हुई है. लगातार हो रही बारिश से तापमान पर भी खासा असर पड़ा है. बारिश से जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में 24 घंटे में 1.60 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान में शुक्रवार को कई हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहने और ठंड में बढोतरी होने की बात कही गई है.

मनोहरपुर : चक्रवाती तूफान का आम जनजीवन पर असर

चक्रवाती तूफान मिचौंग से बेमौसम बारिश से आम जनजीवन में व्यापक असर पड़ा है.जिससे हो रही लगातार बारिश से ठंड बढ़ा दी है.इसका असर सरकारी और गैरसरकारी स्कूलों में स्थानीय व सुदूरवर्ती क्षेत्र के बच्चों की उपस्थिति में भारी गिरावट आई है.विशेषकर विभिन्न क्लासों में स्कूली बच्चों की उपस्थिति नगण्य हो गई है. दो सेक्शन को मिलाकर एक साथ पढ़ाई की जा रही है.जिससे बच्चों का पठन पाठन पर भारी असर पड़ा है.वहीं सरकारी व गैरसरकारी संस्थानों में कार्यरत कर्मियों की उपस्थिति में भी मामूली असर पड़ा है.

पाकुड़ :मौसम में बदलाव के कारण ठंड बढ़ने के आसार

मौसम में हुए बदलाव के कारण ठंड बढ़ गयी है. बुधवार से ही बूंदाबांदी शुरू हो गई थी, जो जारी है. बारिश के कारण ठंढ़ बढ़ गई है. आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना जताई जा रही है. बारिश के कारण धान की फसल प्रभावित होने की खबर है. इस समय यहां धनकटनी चल रही है. अचानक बारिश के कारण इसमें बाधा पड़ गई है. किसानों का कहना है कि अगर इसी तरह कुछ दिन और बारिश होती रही तो सब्जी की फसल भी प्रभावित होगी.

गिरिडीह : तूफान का व्यापक असर, जनजीवन अस्त व्यस्त

चक्रवाती तूफान मिचौंग का गिरिडीह जिले में भी व्यापक असर देखा जा रहा है . इससे मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है . दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है . इससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त हैं . इसका असर स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति पर भी पड़ा है . सबसे ज्यादा असर सरकारी स्कूलों में दिखाई दे रहा है . डुमरी प्रखंड के डुमरी चौक स्थित केबी हाई स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या की उपस्थिति में काफी फर्क पड़ा है . दो दिनों से हो रही बारिश से लोग घर से भी नहीं निकल पा रहे हैं .

जमशेदपुर : बारिश से धनकटनी प्रभावित , जनजीवन पर भी असर

मौसम खराब होने की वजह से शहर के सरकारी स्कूलों और दफ्तरों में गुरुवार को बच्चों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम देखने को मिली. कक्षाओं में आम दिनों की तुलना में कम बच्चे आए. बावजूद कुछ बच्चे कक्षाओं में नजर आए और पठन-पाठन सामान्य रहा. मंगलवार से ही हो रही बारिश के कारण सुबह बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी हुई. हालांकि कुछ बच्चे फिर भी स्कूल पहुंचे. इस बारिश से मौसम का मिजाज और सर्द हो गया है. आसपास के ग्रामीण इलाकों में इस समय धनकटनी चल रही है.

डुमरिया : तूफान का कहर खेतों में फसल हो रही बर्बाद

डुमरिया प्रखंड में मिचौंग तूफान के कहर से किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है. धान की फसल लगातार हो रही बारिश से भींगकर खराब हो रही है. खेतों में पानी भरने लगा है. क्षेत्र में कई किसान धान की कटी फसल को घर तक नहीं ला पाये हैं. इससे पानी में धान खराब हो रहा है. किसान मित्र श्याम सुंदर साव ने प्रखंड के कई गांवों में जाकर किसानों को हुई नुकसान को देखा. प्रखंड में धान की खेती मुख्य रूप से की जाती है. सभी किसान धान की खेती पर निर्भर हैं.

बहरागोड़ा : चक्रवर्ती तूफान से धान की फसल को भारी नुकसान

धान का कटोरा कहे जाने वाले बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी से उठे मिचौंग चक्रवर्ती तूफान से धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है. दो दिन से हो रही लगातार झमाझम बारिश से धान कटनी को प्रभावित किया है. जिससे किसान अपनी धान की फसल नष्ट होने से काफी चिंता में है. बारिश में धान की बालियां खेतों में नतमस्तक हो कर पानी से तैर रही हैं. वहीं बारिश के साथ गिरते तापमान के कारण क्षेत्र में पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

आदित्यपुर : बारिश से कामकाज प्रभावित दफ्तरों में कर्मचारियों की कम उपस्थिति

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण आदित्यपुर का जनजीवन प्रभावित हुआ है. बेमौसम हो रही बारिश से दिहाड़ी मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है. स्कूलों में आधे से कम बच्चे पहुंच रहे हैं. सरकारी कार्यालयों में सन्नाटा पसरा है, इक्के दुक्के कर्मचारी ही कार्यालय पहुंच रहे हैं. मौसम के मिजाज को देखते हुए शिक्षक और कर्मचारियों ने अवकाश लेकर घर पर आराम कर रहे हैं. इस ठंड के मौसम में झमाझम बारिश हो रही है. इससे कंपकंपी बढ़ गयी है. अधिकतर लोग घरों में ही दुबके हैं. आदित्यपुर के ईमली चौक पर प्रतिदिन सैंकड़ों डेली मजदूर जुटते हैं जहां से उन्हें काम मिलता है लेकिन पिछले दो दिनों से यह गली सूनी पड़ी है.

क्या कहते हैं स्कूल के शिक्षक

श्रीराम इंग्लिश स्कूल के शिक्षक प्रमोद कुमार कहते हैं कि मौसम के मिजाज को देखते हुए उन्होंने आकस्मिक अवकाश ले लिया है. चूंकि स्कूलों में बच्चे भी आधे से कम आ रहे हैं. उनके स्कूल में 360 बच्चे हैं, लेकिन उपस्थिति 60 ही हो रही है, इसलिए मैंने अवकाश ले लिया है.

चाईबासा : किसानों को नुकसान, खेतों में रखे धान हो रहे खराब

चक्रवर्ती तूफान मिचौंग का असर पश्चिम सिंहभूम के चाईबासा, तांतनगर, मंझारी प्रखंड समेत कई क्षेत्र में असर दिख रहा है. क्षेत्र में पिछले दो दिन से लगातार रूक रूक कर हो रही बारिश का व्यापक असर देखा जा रहा है. बरिश होने से न सिर्फ आम लोगों का जन जीवन पर असर पड़ा है. बल्कि किसानों को दोहरा नुकसान झेलना पड़ रहा है. बरिश होने से कंपकंपी काफी बढ़ गयी. लोग ठंड से निजात पाने के लिए अलाव का सहार ले रहे हैं. वहीं किसानों ने खेतों में काटे गये धान नुकसान हो रहा है. इधर, कृषि पदाधिकारी सुबोध कुमार प्रमाणिक ने कहा कि प्रखंड में बुधवार को 19 मिली तथा गुरुवार को 26 मिली बरिश हुई है. उधर सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों तथा स्कूलों में छात्रों की उपास्थिति कम देखी गयी.

ठंढ़ काफी बढ़ गई है : लगातार हो रही बारिश पर किसान सुखलाल बिरूवा ने कहा कि ठंड काफी बढ़ गयी है. इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है. लोग अलाव के सहारे दिन और काट रहे हैं.

धनकटनी प्रभावित हुई : किसान मुंडा दिग्गी ने कहा कि बरिश होने से धनकटनी प्रभावित हुई है तथा खेत में काटकर रखे गए धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है. दो दिनों में बरिश नहीं रूकती है तो धान से अंकुर निकल सकता है. इस बार फसल तो अच्छी हुई थी. लेकिन अंतिम समय पर नुकसान देखने को मिल रहा है. अधिकतर खेतों में धान पड़े हुए हैं. लेकिन बारिश की वजह से अब नुकसान हो सकता है.

बारिश से धान को नुकसान : किसान कृष्णा बारी ने कहा कि हम किसानों के लिए यह बरिश काल बन के आया है. बरिश से धान को काफी नुकसान पहुंचा है. साथ ही बागवानी भी नुकसान पहुंचा है.

चांडिल : विद्यालयों में दिखा मौसम के बदले रुख का असर

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण तीन दिनों से चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदला हुआ है. तीन दिनों से रूक-रूककर और बुधवार से लगातार झमाझम बारिश हो रही है. मौसम के करवट लेने के साथ ही क्षेत्र में ठंड बढ़ गई है. चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण हो रही बारिश के कारण आम जन-जीव अस्त-व्यस्त हो गया है. गुरुवार को विवाह के लिए लगन का दिन है. मौसम के इस बदलाव का ग्रामांचलों में होने वाली शादी समारोह पर असर पड़ रहा है. वहीं बारिश के कारण शादी समारोह को लेकर लोग खरीदारी भी नहीं कर पा रहे हैं. बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है.

आदरडीह स्कूल में 80 बच्चे रहे उपस्थित : लगातार हो रही बारिश के कारण गुरुवार को स्कूलों में विद्यार्थयों की उपस्थिति भी अन्य दिनों की अपेक्षा काफी कम रही. अनुमंडल क्षेत्र के कई निजी स्कूलों ने तो मौसम को देखते हुए छुट्टी दे दी है, लेकिन सरकारी स्कूल खूले हैं. बारिश और ठंड के कारण बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाए. वहीं स्कूलों में कहीं-कहीं एक-दो शिक्षक भी अनुपस्थित रहे. पश्चिम बंगाल सीमा से सटे नीमडीह प्रखंड के आदरडीह गांव स्थित मध्य विद्यालय में मौसम के बदले मिजाज के कारण बच्चों की उपस्थिति काफी कम है. विद्यालय में करीब 245 बच्चे नामांकित है, जिसमें प्रतिदिन औसतन दो सौ बच्चे स्कूल पहुंचते हैं. गुरुवार को मौसम खराब रहने के कारण मात्र 80 बच्चे ही स्कूल पहुंचे हैं.

चौका में 185 में पहुंचे मात्र 90 बच्चे : चांडिल प्रखंड के मध्य विद्यालय चौका में 185 बच्चे नामांकित हैं. गुरुवार को मौसम खराब रहने के कारण केवल 90 बच्चे ही स्कूल पहुंच सके.

चक्रधरपुर : ठंड से परेशानी बढ़ी

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण रुक रुक कर हो रही बारिश के कारण शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है.अचानक बढ़ी कनकनी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है.इससे लोग दिन में ही गर्म कपड़े पहनने व आग तापने को मजबूर हो रहे हैं.मौसम में आए बदलाव का असर बाजार पर भी पड़ा है.

बारिश से रोजगार पड़ा असर : उमेश राय

चक्रधरपुर में ठेला चलाकर अपना घर परिवार चलाने वाले उमेश राय ने कहा कि बारिश के कारण रोजगार पर असर पड़ा है.घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण मजबूरी में ठेला निकालना पड़ा है.ताकि परिवार चलाने में परेशानी न हो.

बोकारो: स्कूलों में दिखा असर

चक्रवाती तूफान मिचौंग ने बारिश के साथ अचानक ठंड बढ़ा दी है, इससे सरकारी से लेकर निजी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम हो गयी है. जिन बच्चों के घर से स्कूल की दूरी कम है या जिनके पास बरसाती या आने जाने के साधन मौजूद हैं, वैसे बच्चे ही गुरुवार को स्कूल पहुंच पाए. कुछ बच्चे छाता, बरसाती के अभाव में भींगकर भी स्कूल पहुंचे.

राइट-ऑफ की राजनीति

विकसित भारत अभियान के बीच राइट-ऑफ की हकीकत एक सियासत का भी हिस्सा है, जो बताता है कि देश में प्राथमिकता क्या है. औसतन हर साल 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक के कर्ज को बैंकों द्वारा राइट-ऑफ (बट्टे खाते) किया गया है. 2019 से 2023 के बीच बैंकों ने कुल 10.60 लाख करोड़ रुपये की रकम राइट-ऑफ कर दी है, जिसमें से 52.3% कर्ज बड़े कॉर्पोरेट समूहों द्वारा नहीं चुकता किये गये हैं. नरेंद्र मोदी शासनकाल में करीब 25 लाख करोड़ रुपये राइट-ऑफ किये जा चुके हैं. इसकी पुष्टि 4 दिसंबर 2023 को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत किशनराव कराड ने संसद में अपने लिखित जवाब में कर दी है. वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने संसद में लेकर उठाये गये सवाल के जवाब में यह जानकारी दी. जानकारी के अनुसार पिछले पांच वर्षों के दौरान कुल 10.60 लाख करोड़ रुपये राइट ऑफ करने पड़े हैं. इनमें से 52.3% कर्ज बड़े कॉर्पोरेट समूहों का बताया जा रहा है. इस प्रकार पिछले पांच वर्षों के दौरान औसतन हर वर्ष 2 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बट्टे खाते में डाल दिए गये. केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री कराड साहब ने विलफुल डिफॉल्टर्स के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा है कि सेंट्रल रिपोजिटरी ऑफ इंफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स (सीआरआईएलसी) डेटाबेस के मुताबिक, 31 मार्च 2023 तक कुल 2,623 कर्जदारों को विलफुल डिफॉल्टर्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है. इस प्रकार देश के शेड्यूल कमर्शियल बैंकों द्वारा कुल 1,96,049 करोड़ रुपये का बकाया विलफुल डिफ़ॉल्ट की श्रेणी में चला गया है. वित्त राज्य मंत्री ने संसद में यह जानकारी भी दी कि यह सब रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के दिशानिर्देश एवं अनुमोदित नीति के मुताबिक किया जाता है. इसमें अन्य चीजों के साथ-साथ, एनपीए के तहत यदि चार वर्ष पूरे हो जाते हैं तो ऐसी रकम को बैंकों की बैलेंस शीट से हटाने का प्रावधान है. कराड ने यह भी जानकारी दी है कि बैंक अपनी बैलेंस शीट को क्लीन करने, टैक्स लाभ प्राप्त करने एवं आरबीआई के दिशानिर्देशों एवं अपने बोर्डों द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार पूंजी को अनुकूलित करने के अपने नियमित प्रयोग के हिस्से के तौर पर राइट-ऑफ से पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करते रहते हैं. पिछले पांच वर्षों के दौरान शेड्यूल कामर्शियल बैंकों ने वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच 10.60 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए हैं. इनमें से, बड़े उद्योगों एवं सेवाओं के लिए बट्टे खाते में डाले गए ऋणों की राशि 5.55 लाख करोड़ रुपये थी, जो ऐसे सभी बट्टे खाते में डाले गए ऋणों का 52.5% आंकी गई है. हालांकि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने दंडात्मक शुल्क के रूप में 5,309.80 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं, जिसमें ऋण के भुगतान में देरी के खिलाफ जुर्माना शुल्क भी शामिल है.

> केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री कराड साहब ने विलफुल डिफॉल्टर्स के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में, कहा है कि सीआरआईएलसी डेटाबेस के मुताबिक, 31 मार्च तक कुल 2,623 कर्जदारों को विलफुल डिफॉल्टर्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है.

सुभाषित

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः।
श्रेयो हि धीरोभिप्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते।।

श्रेय अर्थात कल्याणकारी मार्ग सद्गति का मार्ग, प्रेय अर्थात मन को प्रिय लगने वाले इन्द्रिय भोगों का मार्ग है. ये दोनों ही मनुष्य के सामने आते हैं, श्रेष्ठ बुद्धि वाले लोग श्रेयपथ को चुन लेते हैं तथा मंदबुद्धि वाले लोग प्रेयपथ को चुन लेते हैं. मनुष्य विवेकशील है, अतः उससे यह अपेक्षा की जाती है कि वह सही मार्ग को चुने.

विश्लेषकों के लिए चुनौती हैं चुनाव के नतीजे

राहुल गांधी सहित समस्त विपक्षी पार्टियों ने अन्य पिछडा वर्गों की संख्या एवं उनकी एकजुटता पर जोर दिया. केंद्र सरकार के अधीन विभागों के सचिवों में उनके अनुपात का खूब प्रचार किया गया और आप परंपरागत राजनैतिक समीक्षकों, बुद्धिजीवियों या मिडिया चाहे परंपरागत हो, सोशल हो हर जगह यह हावी रहा. तीन राज्यों तेलंगाना, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान तीनों जगह अन्य पिछडा वर्गों की आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है, फिर भी यह मुद्दा क्यों नहीं चला, यह विचारणीय है.

• देश-काल

डॉ. कौशलेंद्र बटोही

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम राजनैतिक, सामाजिक विश्लेषकों के लिए नयी चुनौती पेश कर रहे हैं. अधिकतर लोगों की उम्मीदों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप चुनाव परिणाम नहीं रहे. तो क्या हम इन चुनावों के नतीजों की समीक्षा परंपरागत राजनैतिक रूप से नहीं कर इसे भारतीय समाज एवं उनके वोट करने के पैटर्न में आ रहे बदलाव के रूप में कर सकते हैं. प्रधानमंत्री की लोकप्रियता, उनकी गारंटी, कांग्रेस का असफल प्रयोग, भाजपा की संघटन शक्ति इत्यादि के अलावे जो बातें महत्वपूर्ण हैं, वे हैं चुनाव में उठे मुद्दों के समाज पर प्रभाव एवं उसका सामाजिक असर. भारत में समाजवाद के नाम पर राजनीति करने वाले राजनैतिक दल पिछले करीब एक साल से जाति जनगणना को जोर-शोर से उठा रहे हैं. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी जाति जनगणना पर सबसे ज्यादा जोर दिया, जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का खूब शोर सुनाई दिया. राहुल गांधी सहित समस्त विपक्षी पार्टियों ने अन्य पिछडा वर्गों की संख्या एवं उनकी एकजुटता पर जोर दिया. केंद्र सरकार के अधीन विभागों के सचिवों में उनके अनुपात का खूब प्रचार किया गया और आप परंपरागत राजनैतिक समीक्षकों, बुद्धिजीवियों या मिडिया चाहे परंपरागत हो, सोशल हो हर जगह यह हावी रहा. तीन राज्यों तेलंगाना, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान तीनों जगह अन्य पिछडा वर्गों की आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है, फिर भी यह मुद्दा क्यों नहीं चला, यह विचारणीय है. क्या भारतीय समाज का वोट अब जाति आधारित नहीं पड़ रहा है? या इन चुनावों के परिणाम से फिर अन्य पिछडा वर्गो में जिन जातियों की आबादी एवं हिस्सेदारी बहुत कम है, जो जातियां अधिकांशतः अपने आरक्षित वर्गों में निचले पायदान पर हैं, जिनकी आबादी 1 प्रतिशत से भी कम है, जो दशमलव के बाद दो अंकों में हैं, तो क्या वे इन नारों के बाद डर गये? या फिर के इन मुद्दों के बाद जागृत होकर, एकजुट होकर वोट देने का स्वरूप बदल दिया? अगर वोट जाति आधारित पड़ा तो इन दोनों मुद्दों पर विचार करना पड़ेगा. इसका तात्पर्य यह भी है कि वोटरों के नब्ज को टटोले बिना राजनैतिक पार्टियां परंपरागत रूप से राजनैतिक मुद्दों को उछालती हैं. एक और मुद्दा इस बार के चुनावी परिणाम में स्पष्ट है कि क्या मुसलमान के वोट का महत्व नहीं रहा? हिंदुओं के जातियों में विभक्त करने वाले मुद्दों की राजनैतिक हवा के परिणामस्वरूप मुसलमानों के वोट का महत्व या उनका योगदान कम हो रहा है. तो क्या जो तुष्टीकरण का मुद्दा अरसो से एक राजनैतिक पार्टी उठाती रही है, वह समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के जेहन में यह उतारने का काम या उस मुद्दे पर विश्वास जितने में कामयाब है?

तेलंगाना का चुनावी परिणाम जहां मुसलमानों के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाली पार्टी एवं उसकी समर्थक पार्टी दोनों की हार हुई. मिजोरम जो ईसाई बहुल राज्य है और वहां भी भाजपा विधानसभा में अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई है और मत प्रतिशत भी बढ़ा है तो इसका राजनैतिक प्रभाव क्या है? क्या धर्म आधारित वोट पैटर्न में भी बदलाव शुरू हुआ है? क्या व्यक्ति आधारित या पार्टी आधारित वोटिंग भी हुई है? एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है नेता एवं उसके दल की विश्वसनीयता. पक्ष-विपक्ष दोनों ने मुफ्त की रेवड़ियों की झड़ी लगा दी थी. चिरंजीवी योजना 50 लाख तक तो आयुष्मान 5 लाख का, कोई टैब मुफ्त में तो कोई स्कूटी मुफ्त में, तो फिर ज्यादा मात्रा में मिलता हुआ मुफ्त छोड़ कर दूसरे दल को वोट क्यों मिला? इससे यह स्पष्ट है कि केवल मुफ्त रेवड़ियां बांटने से ही वोट नहीं मिल सकता है, परन्तु विश्वसनीयता के साथ-साथ अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुंच मायने रखती है. मतलब क्या जनता को मुफ्त की चीजें नहीं चाहिए? उनका आर्थिक आधार एवं उसका आकार फ़ैल रहा है, जहां चीजे महत्वहीन हैं, क्योकि यह भी गौर करने की बात है कि पुरानी पेंशन स्कीम को भी जनता ने नकार दिया. क्या यह आम जनमानस के आर्थिक सम्पनता की ओर जाने का प्रतीक है?

यह चुनाव परिणाम एक और इशारा कर रहा है कि भारतीय चुनाव एवं उनका वोटिंग पैटर्न वैचारिक नहीं होकर कुछ तत्कालिक मुद्दों पर आधारित हो गया है. समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, वामपंथ, एकात्मवाद, दक्षिणपंथ या दक्षिणपंथ समाजवाद सब पर एक व्यक्ति एवं उसकी विश्वसनीयता हावी हो गई है. कुछ वर्षों से चुनावी भाषण या फिर घोषणापत्रों को देखेंगे, आरोप-प्रत्यारोप देखेंगे तो आप राजनैतिक पार्टियों के बीच वैचारिक प्रतिबद्धता एवं उनके बीच स्पष्ट अंतर का अभाव मिलेगा. तो क्या भविष्य में भारतीय लोकतंत्र जाति आधारित एवं उसके संघटन शक्ति के आधार पर ही विकसित होगा? समाजवाद, साम्राज्यवाद, लोहियावाद, एकात्मवाद, पूंजीवाद, माओवाद आदि समस्तवाद अपना प्रभाव धीरे-धीरे ख़त्म कर व्यक्तिवाद में समाहित हो जायेंगे? यह जनता एवं समस्त लोकतांत्रिक राजनैतिक पार्टियों के लिए विचारणीय मुद्दा है. इन पांच राज्यों के चुनावों के परिणाम के आधार पर, जहां जातीय जनगणना, मुफ्तखोरी, पुरानी पेंशन स्कीम, बहुतायत मात्रा में दिए जाने वाली सामाजिक सुरक्षा की होड़ मची थी, उसमें समाज के स्तर पर जातीयता कम हो रही है, एक नेता की स्वीकार्यता बढ़ रही है. हम समाज के रूप में प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं, परिवार एवं व्यक्ति के स्तर पर आर्थिक सम्पन्नता पर ज्यादा बल है, जो मुद्दे राजनैतिक पार्टियों सोशल मिडिया में ट्रोल होते मुद्दे, नफरत फैलाने वाले मीडिया, व्यक्तिगत आरोपों के बीच राजनीति का मुद्दा जनता एवं समाज का मुद्दा नहीं है. हमारे बदलते हुए समाज के स्वभाव को परिलक्षित करने वाले ये माध्यम नहीं रहे. तो आइए इसी पैटर्न के साथ सकारात्मकता की चादर ओढे हुए समाज के परिवर्तन का द्योतक बनते हुए भारतीय लोकतंत्र की मजबूती में अपनी आहुति दे.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

हृदय घाव मोरे पीर रघुवीरे

संजीवनी बूंटी से उपचार के बाद श्रीलक्ष्मणजी वीरघातिनी शक्ति के प्रभाव से पूर्णतया मुक्त होकर ऐसे उठ बैठे. जैसे सोकर उठे हों. बानर बीर श्रीलक्ष्मण जी का हाल पूछने लगे. तो श्रीलक्ष्मण जी मुस्कराकर बोले कि शक्ति तो मुझे लगी थी, घाव तो मेरे हृदय में था. लेकिन पीड़ा मुझे नहीं हो रही थी. बानर बीर सोचने लगे कि यह तो बड़ी अजीब बात है. घाव इनके हृदय में था. लेकिन पीड़ा इन्हें नहीं हो रही थी. इसलिए बानर बीरों ने पूछा तो भैया पीड़ा किसे हो रही थी ? श्रीलक्ष्मणजी बोले जैसे शिशु माता की गोंद में आनंद से सोता है. वैसे ही मैं भी आनंद से भइया राम की गोंद में सो रहा था. रही पीड़ा की बात तो पीड़ा हो तो रही थी लेकिन मुझे नहीं रघुवीर जी को हो रही थी. जब शिशु को कोई कष्ट होता है तो माता उसका कष्ट ले लेना चाहती है. और वह बहुत ही अधीर और व्यथित होती है. श्रीलक्ष्मण जी के श्रीराम जी सर्वस्व हैं. भाई हैं, स्वामी हैं, माता-पिता हैं, गुरु हैं. और तो और रघुनाथ जी का यह स्वभाव है कि वे सेवक के दुःख से दुखी होते हैं और सेवक के सुख से सुख प्राप्त करते हैं और जब लक्ष्मण जैसा सर्वस्व समर्पित करने वाला सेवक होगा तो 'हृदय घाव मोरे पीर रघुवीरे' कोई बड़ी बात थोड़े है. श्रीराम जी बहुत सोच-विचार करते हैं. विलाप करते हैं, लेकिन उनके मन को यह बात बहुत अधीर करती है कि मेरे पन को रखने के लिए आज लक्ष्मण ने अपने आप को शक्ति के हवाले कर दिया. मेघनाद ने अपने को मौत के मुँह में जाता देख सोचा कि क्यों न विभीषण को खत्म कर दूँ. ऐसा उसने प्रण किया था. और तो भले बच भी जाएँ, लेकिन विभीषण को आज नहीं छोडूंगा. इसलिए उसने विभीषण पर शक्ति चला दी. इस शक्ति का कोई काट नहीं था. श्री व्रह्मा जी द्वारा प्रदत्त शक्ति थी. भगवान श्रीराम ने विभीषण जी को शरण में ले लिया था. श्रीराम जी का प्रण है –शरण में आये हुए की रक्षा करना. उसका पालन करना. उनके इस प्रण का तीनों लोकों में गुणगान होता है. उनकी कीर्ति इससे बहुत बढ़ी हुई है. लोग उनके इस विरद की दुहाई देते हैं. यदि आज विभीषण जी को शक्ति लग जाती तो क्या होता? लोग क्या कहते? कीर्ति धूमिल हो जाती. पन टूट जाता. विरद लजा जाता.

हाय-तौबा छोड़कर वोटों के पैटर्न को परखिए

• चुनाव

रविंद्र पटवाल

जब समीकरण बिगड़ने लगे तब तथ्यों की ओर मुड़ना चाहिए. उन्हें गौर से देखना चाहिए और उन्हें ठीक-ठीक जगह रखकर उससे निकलने वाले निहितार्थों पर गौर करना चाहिए. संभव है, आप जिन निष्कर्षों को देखकर चौंक रहे हों या निराश हो रहे हों, उससे आप ऊबर जायें. इस बार के पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से जिस तरह लोग परेशान हैरान हो रहे हैं, उनके लिए तो यह और भी जरूरी है. यहां मुश्किल यही है कि किन तथ्यों को कैसे रखा जाये. तथ्यों का क्रम अलग-अलग निष्कर्षों तक भी पहुंचाता है. जिन लोगों को चुनाव की प्रक्रिया और वोट की बहुसंख्या में फासीवाद का खतरा दिख रहा है, उनके लिए निश्चित ही उन तथ्यों को देखना होगा, जिसमें हिंदुत्ववाद अपने को कैसे अभिव्यक्त कर रहा है. जिन लोगों को चुनाव की प्रक्रिया में लोकतंत्रीकरण के मजबूत होने की उम्मीद बची हुई है, उन्हें जरूर ही वोट के बढ़ते प्रतिशत के कारणों की तलाश में जाना चाहिए, जिन्हें लगता है कि लोकतंत्र का यह सारा नजारा एक बड़ा फ्रॉड है, उन्हें जरूर ही इसकी निस्सारता की जगह, इसकी जुआबाजी की व्यवस्था को सामने लेकर आना चाहिए. यह देखना जरूरी है कि किसे कितना वोट मिला. चुनाव आयोग की ओर जारी आंकड़ा देखना ही सबसे उपयुक्त है. छत्तीसगढ़ में- भाजपा 46.27 प्रतिशत, कांग्रेस 42.23 प्रतिशत. मध्य प्रदेश- भाजपा 48.55, कांग्रेस 40.40 और बसपा 3.40. राजस्थान- भाजपा 41.69, कांग्रेस 39.53, बसपा 1.82 और सपा 0.01. तेलगांना- भाजपा 13.90., बसपा 1.37, कांग्रेस 39.40 और बीआरएस 37.35.इन्हीं राज्यों के 2018 में हासिल हुए वोटों का प्रतिशत भी देख लेना जरूरी है. छत्तीसगढ़ में- भाजपा 33.0 प्रतिशत, कांग्रेसः 43.0 प्रतिशत और बसपा 3.9 प्रतिशत. मध्य प्रदेश- भाजपा 41, कांग्रेस 40.89, बसपा 5.01 और सपा 1.3. राजस्थान- भाजपा 38.77, कांग्रेस 39.3, बसपा 4.03. तेलगांना- भाजपा 6.98, कांग्रेस 28.43 और तेलंगाना राष्ट्रीय समिति 46.87.यदि हम सिर्फ वोट के प्रतिशत को देखें, तब कांग्रेस का वोट प्रतिशत तेलगांना छोड़कर बाकी तीन राज्यों में कमोबेश स्थिर है. लेकिन, भाजपा के वोट प्रतिशत स्थिर नहीं हैं. उसका वोट प्रतिशत बढ़ता हुआ दिखता है. यहां यह देखना उपयुक्त होगा कि वोट का प्रतिशत सपा और बसपा दोनों का ही तेजी से नीचे गिरते हुए दिखता है. यह स्थिति उन छोटी पार्टियों का भी जो एक या दो सीटें निकाल लेने में कामयाब होती हैं, उनका वोट प्रतिशत भी नीचे गिरा है.वोटों का भाजपा के साथ यह वोटों के हिंदुत्ववादीकरण को ही दिखा रहा है. जबकि कांग्रेस एक स्थिर वोट के साथ यह दिखा रहा है कि वह अपने वोट का विस्तार नहीं कर पा रही है. उसे जितना विपक्ष के गठबंधन पर काम करना चाहिए, वह भी नहीं कर पा रही है. निश्चित ही इसके लिए जो सबसे जरूरी काम है पार्टी की संरचना को नीचे तक ले जाना और नेतृत्व के स्तर पर गठबंधन की राजनीति को मजबूत करना. इन दोनों ही मोर्चों पर उपरोक्त तीन राज्यों में इसकी असफलता के कारण साफ तौर पर दिखते हैं. ये आंकड़े वोट की ठोस पकड़ सिर्फ विचारधारा या एजेंडा तक सीमित नहीं है, यह उसे बूथ तक लाने और उसे पार्टी के पक्ष में ढालने की क्षमता को भी दिखाते हैं.भाजपा के लिए सिर्फ इतना ही जरूरी नहीं था. वह जानता है कि समाज में सदियों से जातिगत विभाजन और वर्तमान की वर्गीय विभेदीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिस पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है. इस संरचना पर काम करने के लिए उसने पार्टी के साथ साथ राजसत्ता का प्रयोग उन पार्टियों के खिलाफ करना शुरू किया, जो गांव के स्तर पर नई गोलबंदी कर सकते थे. उन सभी लोगों को, जो भारतीय समाज के सबसे निचले स्तर पर भाजपा से अतिरिक्त गोलबंदी कर सकते थे, देश के दुश्मन की तरह दिखाने का काम और उनके खिलाफ राजद्रोह तक की कार्यवाहियां की जाने लगीं. भाजपा ने सीधे कांग्रेस से लेकर सभी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ कार्यवाही का पूरा सिलसिला ही चला दिया.राजदीप सरदेसाई अपनी पुस्तक 'मोदी की जीत, 2019' में लिखते हैंः 'जिन लोगों ने भी संविधान में इस साम्प्रदायिक हस्तक्षेप का विरोध किया उन पर किसी न किसी रूप में हमले हुए और उन्हें 'अर्बन नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग, 'खान मार्केट गैंग' और 'लिबतार्ड' जैसे नामों से बदनाम करने की साजिशें की गईं. सभी नामकरण कोई न कोई राष्ट्रविरोधी व्यक्तित्व को लक्ष्य बनाकर बहुत चालाकी के साथ किये गये थे.

> जिन लोगों को चुनाव की प्रक्रिया में लोकतंत्रीकरण के मजबूत होने की उम्मीद बची हुई है, उन्हें जरूर ही वोट के बढ़ते प्रतिशत के कारणों की तलाश में जाना चाहिए, जिन्हें लगता है कि लोकतंत्र का यह सारा नजारा एक बड़ा फ्रॉड है, उन्हें जरूर ही इसकी निस्सारता की जगह, इसकी जुआबाजी की व्यवस्था को सामने लेकर आना चाहिए.

विकास की राह के बावजूद नौकरियों की कमी

• बेरोजगारी

के आर सुधा

आजकल अर्थव्यवस्था पर एक घिसा-पिटा बयान दिया जाता है- भारत की अर्थव्यवस्था काफी अच्छी स्थिति में है जबकि कई अन्य देश लड़खड़ा रहे हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है और भू-राजनीति स्थिति को बदतर बना रही है. यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निराशाजनक दुनिया, खासकर यूरोप, मध्य-पूर्व और चीन के तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है.पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का कहना है कि इसमें संदेह करने की कोई बात नहीं है और भारत अब उचित रूप से एक उज्ज्वल स्थान पर है. इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने और तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की संभावना है. इसलिए सवाल यह है कि क्या नीति निर्माता इस लाभ को भुनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं. उत्तर निश्चित रूप से नहीं में है. वृहत-आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कुछ मुद्दे हैं. इसके अलावा पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं, खासकर युवाओं के बीच. बसु भारतीय अर्थव्यवस्था में एक अंतर्निहित कमजोरी की ओर इशारा करते हैं और बताते हैं कि हाल के वर्षों में बचत और निवेश दरों में लगातार गिरावट आई है. बसु का मानना है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान बचत और निवेश दरें सकल घरेलू उत्पाद के 38 से 39 प्रतिशत तक पहुंच गईं. इससे भारत को इस शताब्दी के पहले दशक में स्थिर मूल्य आधार वर्ष पर लगभग 9 प्रतिशत की उच्च विकास दर प्राप्त हुई. विशेष रूप से घरेलू बचत की उच्च बचत दर ने यह सुनिश्चित किया कि निवेश भी तदनुसार अधिक था जिसके परिणामस्वरूप कम वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात हुआ. दुर्भाग्य से, बचत और निवेश दरें दोनों विशेष रूप से मोदी युग के दौरान गिर रही हैं और कोविड के वर्षों के दौरान 28 या 29 प्रतिशत के निचले स्तर तक गिर गई थीं. लेकिन अब अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के साथ थोड़ी तेजी आ रही है, जो स्वागत योग्य है. हालांकि, बसु बताते हैं कि यह अब 30 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है, इसलिए निवेश दर की भी ऐसी ही स्थिति है, जो अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं है. यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो, विशेष रूप से श्रम प्रधान उद्योगों में भारी निवेश की आवश्यकता है. लेकिन किसी तरह ऐसा नहीं हो रहा है. तथाकथित स्व-रोजगार के माध्यम से अल्प-रोज़गार भी बढ़ रहे हैं. 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है. सीएमआईई डेटा से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी, जो 5-6 प्रतिशत तक कम हो गई थी, अब फिर से बढ़ रही है. नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि यह अब 10 प्रतिशत के आसपास है.कौशिक बसु के अनुसार, अधिक चिंताजनक बात यह है कि 15-22 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी 22 प्रतिशत तक है. मध्य-पूर्व में 15-22 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की संख्या भी इतनी अधिक थी. इससे तुरंत खतरे की घंटी बजनी चाहिए. जैसा कि कहा जाता है कि निष्क्रिय दिमाग शैतान का घर होता है. दुनिया भर के सशस्त्र बलों में, सैनिकों को कभी भी निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें हमेशा सुबह उठने के समय से ही कुछ न कुछ काम प्रदान किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अनुशासित रहें.प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार हो रहा है. उन्नत देशों द्वारा चीन प्लस वन नीति अपनाने से विदेशी निवेश प्रवाह में भारत की ओर झुकाव हो रहा है. लेकिन विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें बढ़ने के साथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह की संभावना है. हालांकि यह कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है. भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं. लेकिन अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के साथ, यह प्रवृत्ति कुछ ही समय में उलट हो सकती है. इसलिए इससे बचाव की जरूरत है.एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना. इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी.

> 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है. सीएमआईई डेटा से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी, जो 5-6 प्रतिशत तक कम हो गई थी, अब फिर से बढ़ रही है. नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि यह अब 10 प्रतिशत के आसपास है.

मीडिया में अन्यत्र

रेवंत रेड्डी : अपेक्षाएं और चुनौतियां

अनुमुला रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की जीत के बाद भारत के सबसे नए राज्य तेलंगाना में मुख्यमंत्री के तौर पर उभरने के लिए एक लंबी राजनीतिक यात्रा की है. वैचारिक बंधनों से मुक्त, तीव्र महत्वाकांक्षा से प्रेरित और कड़ी मेहनत करने की क्षमता से लैस श्री रेड्डी और कांग्रेस एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मुफीद साबित हुए हैं. वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और तेलुगुदेशम पार्टी समेत अतीत की कई संबद्धताओं को पीछे छोड़ते हुए 2017 में कांग्रेस में आए. पार्टी के भीतर उनका उदय उतना ही शानदार रहा है, जितना इस प्रदेश में खुद कांग्रेस का और शायद दोनों के तार आपस में जुड़े हुए हैं. निवर्तमान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने श्री रेड्डी की ओर से अपनी कुर्सी को मिलने वाली चुनौती को पहले ही भांप लिया था. इससे आंशिक तौर पर पता चलता है कि वोट के लिए रिश्वत के सनसनीखेज मामले में किस तरह उन्होंने कानून का बेजा इस्तेमाल किया था. हालांकि, श्री रेड्डी की रफ्तार पर इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ा. केसीआर के खिलाफ उनके अथक अभियान ने मतदाताओं के एक बड़े तबके में उन्हें काफी मशहूर बना दिया, जिन्हें लगता था कि विपक्ष के ज्यादातर नेता अपनी भूमिका ईमानदारी से नहीं निभा रहे हैं. श्री रेड्डी ने कांग्रेस में केंद्रीय नेतृत्व के साथ अच्छा तालमेल विकसित किया और पार्टी को अपने अंदाज में इस तरह चलाना शुरू किया कि दूसरे नेताओं के पास उनकी बात सुनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा. शिखर पर पहुंचने के बाद, श्री रेड्डी और कांग्रेस के सामने अब नई तरह की चुनौतियां पेश होंगी. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातिगत-न्याय को अपनी राजनीति के केंद्रीय विषय के रूप में सामने रखा है और तेलंगाना में पार्टी को जीत असल में बहु-जातीय, बहु-धार्मिक सामाजिक गठबंधन के आधार पर हासिल हुई. कांग्रेस के जो नेता बुरे दौर में भी पार्टी के साथ बने रहे, उनके भीतर का यह दुख वाजिब ही है कि जीत मिलने के साथ ही पार्टी के साथ बाद में जुड़ने वाला व्यक्ति शीर्ष पद पर काबिज हो गया. खास तौर पर मल्लू भट्टी विक्रमार्क, जो निवर्तमान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता थे. वे एक ऐसे दलित नेता हैं, जिन्होंने समूचे राज्य में घूम-घूमकर पार्टी के पक्ष में व्यापक लामबंदी की. अगर कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने दावे को सही साबित करना चाहती है और जनता का भरोसा जीतना चाहती है, तो नई सरकार में श्री विक्रमार्क को सम्मानजनक पद के साथ समायोजित करना होगा. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

हसरत/चाहत

फिल्म जिंदगी और तूफान (1975) के लिए मुकेश का गाया यह गाना बड़ा ही रोचक और रोमांचक है-एक हसरत थी कि आंचल का मुझे प्यार मिले, मैंने मंजिल को तलाशा मुझे बाजार मिले. इसी प्रकार हसरत शब्द का प्रयोग करनेवाला दूसरा गाना 1969 में आयी डोली फिल्म के इस गाने में दिखा-डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली. कैसे हसरत से देखे बाबुल की गली....दोनों गानों में प्रयोग के बाद हसरत शब्द के भाव भी भिन्न हो जाते हैं. पहले गाने में हसरत का भावार्थ दिल्ली इच्छा या अरमान महसूस होता है, वहीं विवाह के बाद अपने बाबुल की गलियों से विदा हो रही दुल्हन जब हसरत से उन गलियों को देख रही है तो उस हसरत का बोध नाउम्मीदी के रूप में ही होता है. हसरत अरबी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में हसरत का मतलब हार्दिक इच्छा, दिली ख्वाहिश, चाह, अरमान, लालसा बताया गया है, लेकिन रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार हसरत का मतलब है निराशा, नाउम्मीदी, कष्ट, मुसीबत, अभिलाषा, लालसा, इच्छा, पश्चात्ताप, अफ़सोस, हार्दिक इच्छा, दिली ख़्वाहिश, चाह, अरमान, लालसा, कामना, वासना, वह इच्छा जो पूरी न हो, वह अरमान जो दिल में रह जाए, नाकाम आरज़ू, अरमान. प्रसिद्ध शायर अहमद फराज ने हसरत शब्द का इस प्रकार खूबसूरत प्रयोग किया है-अब दिल की तमन्ना है तो ऐ काश यही हो, आंसू की जगह आँख से हसरत निकल आए. अर्थ के दृष्टिकोण हसरत शब्द के निकट है चाहत. चाहत, अभिलाषा और इच्छा में कुछ भी करने या पाने का भाव होता है. मुराद फारसी भाषा के शब्द हैं और उसका मतलब भी मन से चाह करना ही है. रेख्ता शब्दकोश के अनुसार चाहत हिंदी मूल का ही संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका मतलब है चाह, इच्छा अभिलाषा, आसक्ति, आकांक्षा, किसी को पाने की इच्छा, प्रेम, इश्क, अनुराग, मांग. शायर परवीन शाकिर ने कहा है-हुस्न को समझने को उम्र चाहिए जानां, दो घड़ी की चाहत में लड़कियां नहीं खुलतीं.

बुरा फंसे समीक्षकों के चक्कर में

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

हम एक बार समीक्षकों के चक्कर में फंस गए. हुआ यह कि हमने एक गद्य की कुछ पंक्तियां लिखकर समीक्षा के लिए प्रस्तुत की थीं. पंक्तियां इस प्रकार थीं -"हम सड़क पर जा रहे थे. रास्ते में एक कुत्ता भौंका. उसने हमें काटा. फिर हमने चौदह इंजेक्शन लगवाए." समीक्षा के लिए गद्य जैसे ही पटल पर प्रस्तुत हुआ, समीक्षक उस पर टूट पड़े. एक समीक्षक ने लिखाः- "हम सड़क पर जा रहे थे. इसमें से सड़क पर_लिखने की आवश्यकता नहीं है. जब आप जा रहे थे तो सड़क पर ही जाएंगे. हमने उनकी बात मान कर गद्य में से सड़क पर_शब्द हटा दिए. एक दूसरे समीक्षक ने हमें राय दी जब आप सड़क पर जा रहे थे तो रास्ते में_तो स्वयं होंगे. अतः रास्ते में_लिखना अनावश्यक है. उनकी राय मानकर हमने अपने गद्य में से रास्ते में_शब्द भी हटा दिया. एक तीसरे समीक्षक ने कहा कि _कुत्ता_और भौंका_ये दोनों शब्द साथ-साथ लिखना ठीक नहीं लगता. जब कुत्ता है तो भौंकेगा और अगर भौंका है तो वह कुत्ता ही होगा. बिल्ली या चूहा तो भौंकता नहीं है. अतः दोनों में से कोई एक शब्द हटाना पड़ेगा. हमने पूछा "किसे हटाएं ?" वह बोले _कुत्ता_हटा दो. हमने _कुत्ता_हटा दिया. एक अन्य समीक्षक ने हमें समझाया कि बंधु विचार कीजिए. जब कुत्ता भौंका तो किसने काटा ? कुत्ते ने ही तो काटा? अर्थात जो भौंकता है, वही तो काटता है. आपने क्यों लिखा कि उसने_हमें काटा? उसने शब्द की आवश्यकता नहीं है. हमने तुरंत उसने शब्द भी हटा दिया. फिर एक अन्य राय आई कि_हमें काटा_की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? जब आप सड़क पर जा रहे हैं और कुत्ते ने काटा है तो स्वाभाविक है कि आपको ही काटा होगा. आप यह क्यों लिख रहे हैं कि हमें_काटा? हमें_शब्द हटा दीजिए. हमने हमें शब्द भी हटा दिया. समीक्षा अभी समाप्त नहीं हुई थी. एक समीक्षक का विचार था. _फिर हमने_चौदह इंजेक्शन लगवाए, इसमें से फिर हमने_शब्द भी हटाना चाहिए, क्योंकि जब कुत्ते ने काट लिया, उसके बाद ही तो इंजेक्शन लगे. अतः फिर_शब्द की आवश्यकता नहीं है. इसके अतिरिक्त जिसको काटा गया, उसने ही इंजेक्शन लगवाए होंगे. अतः हमने_शब्द की भी कोई जरूरत नहीं बैठ रही है. केवल इतना लिखना पर्याप्त है कि चौदह इंजेक्शन लगवाए. समस्त समीक्षकों के सुझावों को सिरमाथे लगाने के बाद हमारा गद्य कुछ इस प्रकार बना :-"हम जा रहे थे भौंका काटा चौदह इंजेक्शन लगे." पढ़कर एक पाठक ने कहा :- "महोदय, जो आप कहना चाहते हैं ,उसे स्पष्ट रूप से कहिए. गुप्त संकेतो से गद्य नहीं लिखा जा सकता."

धर्म अध्यात्म

कतरास की हृदयस्थली कतरी नदी के किनारे अवस्थित है लिलोरी मंदिर. यह धनबाद रेलवे स्टेशन से करीब 22 किलोमीटर तथा बोकारो से करीब 32 किलोमीटर की दूरी पर है. मंदिर जहां आस्था का केंद्र है, वहीं यहां के विहंगम दृश्य मन को मोह लेते हैं.

लिलोरी मंदिर

यहां सदियों से मांगी जा रही मन्नत

प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच कतरी नदी के किनारे स्थित इस मंदिर में मां की आलौकिक प्रतिमा के सामने खड़े हो कर पूजा के दौरान हाथ जोड़े हुए भक्त जब मन से कुछ मांगता है तो मां उसकी मनोकामना अवश्य पूरा करती है. यह मान्यता आज की नहीं, बल्कि सदियों पुरानी है. लिलोरी मंदिर का इतिहास काफ़ी पुराना है. कहते हैं, मां लिलोरी का मंदिर कतरास गढ़ के राजपरिवार का कुल देवी का मंदिर है. इसकी स्थापना करीब 800 वर्ष पूर्व मध्य प्रदेश के रीवा राज धराने से ताल्लुक रखने वाले राजा सूजन सिंह के द्वारा कराया गया था. तब से पीढ़ी दर पीढ़ी राज परिवार के सदस्य ही इस मंदिर की व्यवस्था का कार्यभार संभाले हुए हैं.

चुनरी जरूर चढ़ाते

भक्त पूजा के बाद मंदिर परिसर में चुनरी जरूर चढ़ाते हैं. मां के मंदिर में चुनरी चढ़ाकर करबद्ध प्रार्थना करने से मां मनोती पूरा करती है. लोगों क़ो यह परम् विश्वास है. चुनरी चढ़ाना यहां परम्परा बन चुकी है.

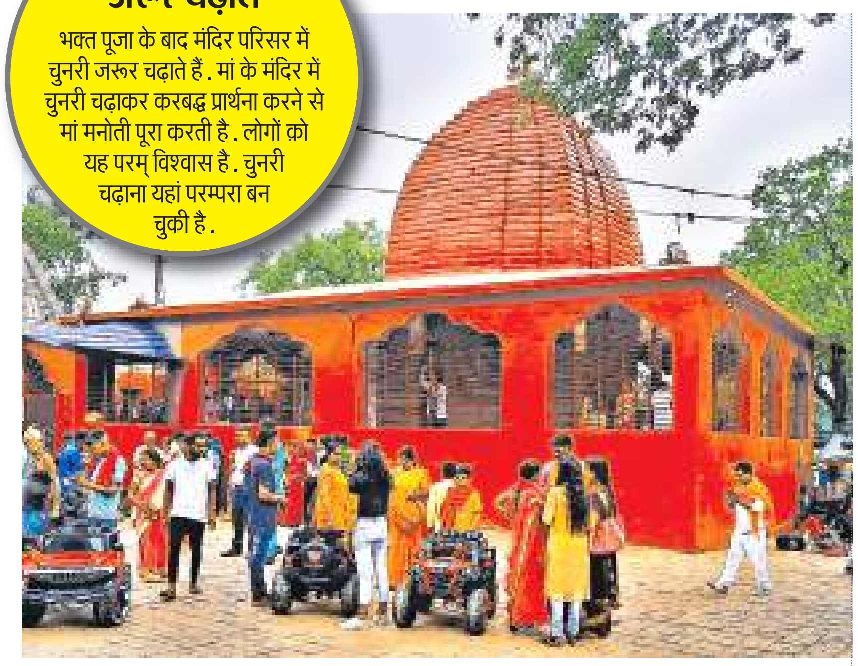

रोजाना पाठा बलि की परम्परा-

लिलोरी मंदिर में अपने स्थापना काल से ही रोजाना पाठा देने की परंपरा चली आ रही है. कहते हैं जिस दिन एक भी पाठा बलि के लिए नहीं आता है उस दिन राजपरिवार द्वारा स्वयं यहां पाठा की बलि की व्यवस्था की आती है. यहां रोजाना सैकड़ों पाठा की बलि भक्तजनों द्वारा दी जाती है.

नववर्ष में जुटती है लोगों की भीड़

नए अंग्रेजी वर्ष की प्रथम तारीख क़ो इस मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है. साल के पहले दिन लोग यहां पूजा पाठ कर अपने नए साल की शुरुआत करते हैं.

पूजा सामग्री की सैकड़ों दुकान

मंदिर के आसपास पूजन सामग्री प्रसाद, फल-फूल, नाश्ता, भोजन एवं घर में सजावट के सामान इत्यादि की दुकाने हैं. इन दुकानों के जरिए काफी वर्षों से आसपास के ग्रामीण अपने परिवारों का भरण -पोषण करते आ रहे हैं.

परिसर में ये भी

लिलोरी मंदिर परिसर के समीप कई विवाह भवन व धर्मशाला आदि स्थित हैं. शादी के मौके पर यहां काफी भीड़ होती है. सैकड़ों वर-वधु वहां शादी के बंधन में बंधकर मां लिलोरी के सामने नतमस्तक होकर अपने नए जीवन की शुरुआत की मंगल कामना करते हैं.

समीप है अमृत पार्क

मंदिर के निकट यहां आने वाले भक्तजनों के परिवार के मनोरंजन के लिए नगर निगम के द्वारा एक आकर्षक पार्क का निर्माण कराया गया है. लोग मंदिर में पूजा के उपरांत इस पार्क में घूमने का आनंद उठाते हैं. इस पार्क का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर 2021 क़ो किया था.

महात्मा बुद्ध का दो प्रेरक प्रसंग

वही ग्रहण कीजिए जो सुखदायक है

भगवान बुद्ध एक गांव में उपदेश दे रहे थे उन्होंने कहा, ''हर किसी को धरती माता की तरह सहनशील तथा क्षमाशील होना चाहिए. क्रोध ऐसी आग है जिसमें क्रोध करने वाला दूसरों को जलाएगा तथा खुद भी जल जाएगा.''
सभा में सभी शांति से बुद्ध की वाणी सुन रहे थे, लेकिन वहां स्वभाव से ही अतिक्रोधी एक ऐसा व्यक्ति भी बैठा हुआ था जिसे ये सारी बातें बेतुकी लग रही थीं. वह अचानक ही आग-बबूला होकर बोलने लगा, ''तुम पाखंडी हो, तुम लोगों को भ्रमित कर रहे हो, तुम्हारी ये बातें आज के समय में कोई मायने नहीं रखतीं.'' जब क्रोधी व्यक्ति की बातें सुनकर भी बुद्ध शांत रहे तो वह व्यक्त और भी तिलमिला गया. इस तिलमिलाहट में खुद पर नियंत्रण नहीं रख सका और महात्मा बुद्ध के चेहरे पर थूक कर वहां से निकल गया.

दूसरे दिन जब उस व्यक्ति का क्रोध शांत हुआ, तो वह प्राश्चित करने लगा और अपनी हरकतों पर शर्मिंदा हो गया. लोगों से पूछते और ढूंढते कि महात्मा बुद्ध आज कहां प्रवचन दे रहे हैं, उनके शिविर पहुंचा. उन्हें देखते ही पांवों पर लोट गया और माफी मांगने लगा.
बुद्ध ने उसे पांवों से उठाते हुए पूछा, भई कौन हो तुम और क्यों माफी मांग रहे? इसपर रोते हुए उस शख्स ने कहा कि मैं ही वह पापी हूं जिसने आप पर कल थूकने की धृष्टता की. अपने व्यवहार पर बहुत शर्मिंदा हूं. आप मुझे माफ कर दें. इसपर भगवान बुद्ध ने कहा, ''बीता हुआ कल तो मैं वहीं छोड़ आया और तुम अभी भी वहीं अटके हुए हो. तुम्हें अपनी गलती का आभास हो गया, तुमने पश्चाताप कर लिया, तुम निर्मल हो चुके हो, अब तुम आज में प्रवेश करो. बीते हुए कल के कारण आज को मत बिगाड़ो.''

अपने दुखों की वजह आप खुद न बनें

एक बार गौतम बुद्ध किसी ऐसे गांव में भ्रमण करते पहुंचे, जहां उनके बारे में आम ग्रामीणों के मन में ये बात बिठा दी गई थी कि गौतम बुद्ध एक ढोंगी व्यक्ति हैं और ये उनके धर्म को भ्रष्ट कर रहे हैं. इस वजह से उस गांव में रहने वाले लोग बुद्ध को पसंद नहीं करते थे और उनको अपना दुश्मन मानते थे. बुद्ध के आने की सूचना सुन कर कुछ लोग आए और बुद्ध को बुरा-भला कहने लगे. उन्हें बद्दुआएं देने लगे.
गौतम बुद्ध ने जब ग्रामीणों के इन उलाहनों को सुना तो वह एक कोने में शांति के साथ खड़े हो गए और उनकी बुरी बातों को आराम से सुनते रहे. इस दौरान बुद्ध ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. कुछ देर बाद जब नगरवासी बुद्ध को बुरा-भला कहते हुए थक गए और चुप हो गए तो गौतम बुद्ध ने उन ग्रामीणों से कहा, क्षमा चाहता हूं लेकिन अगर आप लोगों की बातें खत्म हो गई हैं तो मैं यहां से जाऊं? ये सुनकर उनको बुरा कहने वाले लोग बहुत आश्चर्यचकित हुए. तभी वहां मौजूद लोगों में से एक व्यक्ति ने बोला, ' अजीब हो तुम भी! हम लोग तुम्हारा गुणगान नहीं कर रहे हैं, तुमको बद्दुआएं दे रहे हैं और तुम्हें बुरा बोल रहे हैं. क्या तुम पर इन बातों का कोई असर नहीं हो रहा?
उस व्यक्ति की बात का जवाब देते हुए गौतम बुद्ध ने कहा, आप सब चाहें मुझे कितनी भी गालियां दें या कितना भी बुरा कहें, मैं इन्हें खुद पर नहीं लूंगा क्योंकि मैं जानता हूं कि मैं कुछ गलत नहीं कर रहा. इसलिए इन बातों को जब तक मैं स्वीकार नहीं करता, तब तक इनका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ रहा है. गौतम बुद्ध ने आगे कहा, जब मैं इन गालियों और बुराइयों को अपने ऊपर लूंगा ही नहीं तो ये निश्चित तौर पर आपके पास ही रह जायेंगी और मुझ पर असर नहीं करेंगी.

इन कथाओं से मिली यह शिक्षा

गौतम बुद्ध का ये दोनों प्रेरक प्रसंग हमें ये शिक्षा देते हैं कि जब आप गलत नहीं हैं तो किसी की गलत और निगेटिव बातों का असर कभी भी खुद पर नहीं लेना चाहिए क्योंकि इससे आप अपने ही दुखों की वजह खुद बन सकते हैं.

डॉ मयंक मुरारी

अनादि से जो आरंभ होता है, वह शिव है. शिव केंद्र है, वह सत्य है. आरंभ से अंत जो जीवन है, वहां शिव तत्व है. अंत से अनंत तक उसी शिव का विस्तार है. शिव रहस्य है, रस है और रचनाकार का मन है. यह मन ही उनकी शक्ति है. शक्ति ही गति है और गति ही जीवन है. शिव स्थिर है, शक्ति भाव है.

शिवोऽहम्

शिव तप है, शक्ति उसका कर्म है. शिव अबूझ है और शक्ति सत्य है. शिव अरूप है जिस तक जाने का मार्ग रूप का है. वह रूप शक्ति है. शिव को जानने का मार्ग शक्ति है. जिसने संसार को जाना, उसने ही शिव को माना. इसलिए कहा गया कि यह अस्तित्व ही शिवोऽहम् है.

जीवन-जगत के केंद्र

हरेक चर-चराचर में शिवत्व का वास है. शिव में शुभ है. इस शुभता से सृष्टि में सौंदर्य और सृजन है. विराट का स्वरूप शिवोऽम है और उसका स्वर ओकार है. हमारा शरीर, प्रकृति, शक्ति इस अस्तित्व की परिधि है. अंत :करण, पुरुष और शिव हमारे जीवन-जगत के केंद्र हैं. जब आनंद और उत्सव का भाव उमड़ता है तो वह हमारे देह की परिधि पर प्रकट होता है. फिर जीव, जीवन से आच्छादित प्रकृति और पंच तत्वों से बने चर-अचर तत्वों में यह आनंद सदैव नृत्य का रूप धारण करता है.

ज्योतिर्मय रूप

शिव ही ब्रहम है जिनकी ब्रह्मांडीय ऊर्जा का फैलाव पूरे विराट में होता है. उनके फैलाव में गति भी संलग्न होती है. ब्रह्मांडीय ऊर्जा जब पंचतत्वों से बने पदार्थ और जीव में अपना वास बनाती है तो वह प्राण ऊर्जा बन जाती है. इस प्रकार से शिव पुरुष रूप में एक है और प्रकृति रूप में अनेक हो जाते हैं. हमारे हृदय का यह स्पंदन ही आत्मा की गति है. यह स्पदंन विचार यानी चिंतन के लिए हमें क्रियाशील बनाता है. इस प्रकार ब्रहम और आत्मा दोनों एक है. मनुष्य जब अपने से बाहर देखता है तो उसे अनंत विस्तार दिखता है. हरेक जगह बस शिव दिखते हैं, जिसमें ब्रह्मांड और उसके साथ असीम विस्तार मिलता है. जब वह समाधि के माध्यम से अंदर जाता है, तो वहां उसी शिव को ज्योतिर्मय रूप में पाता है.

भारतीय आत्मा का वास

संसार इस विराट अस्तित्व का प्रकट शरीर है और अर्चना का साकार स्वरूप शिव है. गहन अनुभूति में सृष्टि का हरेक चर-अचर तत्व शिव होकर उनके स्वरूप शिवलिंग को अर्घ्य देते हैं. यह शिव वेद में है, वेद के पूर्व भी है. वेद में उनको असीम और सर्वव्यापी बताया गया है. वह रूद्र है, वह सेनापति है, वह नटराज है, वह ज्ञान के उत्स है, वह देवाधिदेव है, नीलकंठ है और उनमें ही वायु, अग्नि, जल, सूर्य और पृथ्वी का वास है. शिव और शक्ति में ही भारतीय आत्मा का वास है. जब हम ब्रहांड के विशाल आकार को देखते हैं, तो समझ आता है कि मानव जीवन कितना लघु है. शिव इस लघुता को शिखर पर ले जाने का मार्ग दिखाते हैं. गौरी के संग वह गृहस्थ बन जाते हैं. शक्ति जब व्यथित हो जाती है तो शिव से आग्रह करती है कि कोई मन को सांत्वना देनेवाली कथा सुनाए. शिव मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और माता सीता की कथा सुनाते हैं. इस कथा से शिव जीवन और जगत के सभी आयामों को स्पर्श करते हैं.

शिव को समझना है तो द्वैत के पार जाना होगा. द्वैत का आवरण भ्रम पैदा करता है. इससे हमारी चेतना में संदैव संशय रहेगा. चेतना एक विज्ञान की भांति कार्य करती है. वह परत दर पतर उघारती जाती है, लेकिन परत फिर भी रह ही जाती है. जब देवी आदिदेव से (विज्ञान भैरवतंत्र) सवाल करती है कि आपका सत्य क्या है? तब शिव अंतर्धान हो जाते हैं. भारतीय मन शिवलिंग के रूप में उस निराकार को आकार देती है. जगत को संदेश मिलता है कि सत्य सदैव अरूप होगा, वह अचिंत्य होगा.

शिवत्व से परिपूर्ण शिवलिंग

हमारा सबकुछ सीमित है, अतएव आकार, रूप और रंग में उसको समेटते हैं. उस ब्रह्म की भव्यता को एक रूप देकर उसको शिव नामकरण करते हैं. इस सृष्टि के तत्वों, रूपों और आकारों आदि के सर्वोत्तम स्वरूप को शिव के साथ जोड़कर शिवलिंग कहा गया. शिवलिंग जो शिवत्व से परिपूर्ण है, वह आध्यात्मिक और दार्शनिक आधार के रूप में ब्रह्मांडीय चेतना का साकार प्रतिमूर्ति बन गया. उपनिषद, देवत्व के विविध धारणाओं और कर्मकांड के सारे विधानों में शिव अगम्य हो गए. ब्रह्मा जिसका अंत नहीं पा सके और विष्णु जिसके आरंभ को नहीं जान सके. भारतीय दर्शन का सारा सत्य, ध्यान, विचार, नाम और देवत्व का साकार रूप शिव में समावेशित हो गया.

निराकार ही शाश्वत है

प्रकृति की गतिशीलता जिज्ञासा और सवाल उत्पन्न करती है. प्रकृति में शाश्वत शिव के साथ जो परिवर्तन की धारा प्रवाहित होती है. जगत में अंतर्विरोध का परिणाम विषाद है. और विषाद का कारण प्रकृति में प्रवाहित परिवर्तन है, जिसमें हम भटकते रहते हैं. परिवर्तन में स्थित शाश्वत गुण के कारण हम आनंद पाते प्रकृति में जो परिवर्तन है, वह साकार है और उसका क्षय होता है. जो निराकार है वह शाश्वत है. जगत का सार प्रेम है. वह अदृश्य है लेकिन प्रकृति की धारणशक्ति है. फूलों का गंध अदृश्य है. जिसमें आनंद है, वह अदृश्य है. बाह्य जगत में जो स्थिति प्रकृति की है, वही स्थिति हमारे अंत :जगत में स्वभाव की है. स्वभाव भी परिवर्तनशील है. बुद्धि हमारे विचार के केंद्र है, जो तर्क और जिज्ञासा को जन्म देते हैं. जिज्ञासा से ज्ञान प्राप्त होता है.

शक्ति को समझना होगा

बीज में जैसे वृक्ष को हम देख नहीं सकते, उसी प्रकार शिव को देखने और जानने के लिए बड़ी गहरी आंखें चाहिए. जो बीज में वृक्ष को देख सकते हैं, जो दृश्य में अदृश्य की अनुभूति कर सकते हैं, वही शिव को साकार और निराकार दोनों रूपारूप को जान सकते हैं. शिव को जानना है तो शक्ति को समझना होगा. वृक्ष को जानने के लिए बीज को रोपना होगा. जब शक्ति का प्रकटीकरण होगा, तब शिव साक्षात होंगे.

जहां शिव का वास, वहीं अमृत

शिव सदैव संशय को मिटाते हैं. सती को श्रीराम के परमब्रह्म होने पर संशय होता है. माता जब भगवान राम की परीक्षा लेने का प्रयास करती है, तो शिव इस घटना से अपने को दूर कर लेते हैं. शिव माता को समझाते हैं कि- हरेक व्यक्ति अनंत है और उसमें असीम सागर का वास है. हरेक व्यक्ति में मन रूपी जो असीम सागर है, उसमें विष की उत्पत्ति होती रहती है. दैनिक जीवन में मन रूपी सागर का मंथन चलता रहता है. इसमें जहां शिव तत्व का वास है, वहां अमृत है और जहां शिव तत्व नहीं है, वहां विष है.

कर्ता, भोक्ता, संहारक हैं शिव

जहां भी रचना है, रूप है और रस का प्रवाह है, वहां शिव है. इस अस्तित्व की गति में, सूर्य-चांद-तारे की परिक्रमा में और रचना के हरेक पड़ाव में शिव ही शिव दिखते हैं. वह कर्ता हैं, वह भोक्ता हैं, और वही संहारक हैं. सम्पूर्ण आकाश का सत्य शिव हैं. और शिव में ही समूचा महाकाश समाया है. शिव सदैव विस्मय का बोध कराते हैं. सर्जक ब्रह्मा, श्वसुर दक्ष और पुत्र गणेश का सर को काट कर एक ओर जगत में स्वाभाविक लय को स्थापित करते हैं, संदेश देते हैं कि संसार की व्यवस्था जरूरी है. दूसरी ओर महादेव के रूप में कटे सर को जोड़कर अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं. देवता अमरता के लिए अमृत के लिए द्वंद्व करते हैं, जबकि शिव विषपान कर मृत्युंजय बन जाते हैं. वह योगी हैं, लेकिन समाज के लिए गृहस्थ बन जाते हैं. वह असीम हैं, लेकिन जगत के लिए ससीम होना स्वीकार करते हैं. जब विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब चतुर्मास तक सृष्टि के संचालन का भार संभालते हैं. शिव अनुपम हैं. वह न तो किसी से द्वेष करते हैं, न ही किसी के साथ पक्षपात करते हैं. सबके लिए वे समभाव हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

मिचौंग से बिहार के कई जिले प्रभावित

पटना। बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान मिचौंग से बिहार के कई जिले प्रभावित हैं. मिचौंग चक्रवात के प्रभाव की वजह से यहां दो दिन से घिरे बादल ने गुरुवार को बारिश भी कर दी. बीती रात से ही राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की व मध्यम स्तर की वर्षा हो रही है. वहीं इसकी वजह से तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है. आगामी 48 घंटों बाद न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के साथ ठंड में बढ़ोतरी की संभावना है. मिचौंग चक्रवात का प्रभाव से उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व भाग के अधिकाश जिलों मध्यम स्तर की सर्द भरी वर्षा होने की पूर्वानुमान है.

बिहार में तीन खेमा है: शिवानंद तिवारी

पटना। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच आरजेडी प्रमुख लालू यादव के करीबी व पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी सक्रिय हो चुके हैं. उन्होंने इस बार भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा. शिवानंद तिवारी ने कहा कि भाजपा की लगाम पकड़ने को बिहार का दो मजबूत खेमा तैयार है. वहीं आरजेडी नेता ने सवाल किया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को, विशेष रूप से देश के युवाओं और किसानों को क्या गारंटी दी थी, आरोप लगाया कि देश में आज कारपोरेट जगत और सांप्रदायिकता का गठबंधन बना हुआ है.

भागलपुर में हनी ट्रैप के शिकार हुए शिक्षक

भागलपुर। इस बार एक शिक्षक हनी ट्रैप के शिकार हो गए. मामला जिले के जोगसर थाना क्षेत्र के बूढ़ानाथ का है. जहां के रहने वाले एक शिक्षक अश्लील वीडियो के जाल में बुरे फंस गए. जानकारी अनुसार पूर्णिया जिले के एक ब्लाक में तैनात उक्त शिक्षक को वीडियो कॉल कर एक युवती ने उन्हें उत्तेजित करने वाले संवाद कर खुद को न्यूड कर उन्हें भी झांसे में ले लिया. जब तक वह सतर्क हो कॉल को कट करते, उनको लड़की खुद को न्यूड कर उत्तेजित इशारे करने लगी.

वीआईपी प्रमुख मंत्री मुकेश सहनी ने फिर से आरक्षण की मांग को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

जो निषादों को आरक्षण देगा, हम उसके साथ हैं

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

लेंगे आरक्षण

- सहनी ने मुजफ्फरपुर के बोचहां में जनसभा की
- आरक्षण केंद्र सरकार दे देगी तो हम समर्थन करेंगे

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी इन दिनों प्रदेश के जिलों में दौरे पर जनसभा को संबोधित कर रहे हैं. इसी क्रम में वे मुजफ्फरपुर पहुंचे. इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया. मुजफ्फरपुर के बोचहा स्थित वाजिदपुर मझौली चौक पर महती जनसभा को संबोधित किया. एक बार फिर से आरक्षण की मांग को लेकर केंद्र सरकार को घेरा. मुकेश सहनी ने कहा कि जो निषादों को आरक्षण देगा, हम उसके साथ हैं. निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा को लेकर पूरे बिहार भ्रमण के बाद वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी आज मुजफ्फरपुर के बोचहां में जनसभा को सम्बोधित करने पहुंचे थे. वहीं उन्होंने कहा कि जब लालू यादव अपनी बदौलत मुख्यमंत्री बन सकते हैं तो मल्लाह का बेटा सीएम क्यों नहीं बन सकता है? मुकेश सहनी ने एक बार फिर सभी लोगों के हाथ में गंगाजल देकर शपथ दिलवाई कि किसी भी परिस्थिति में नहीं बदलेंगे. वहीं मीडिया से बातचीत में मुकेश सहनी ने सीधे तौर पर कहा कि हमने मुजफ्फरपुर के बोचहां और कुढ़नी में बता दिया है कि हमारी क्या ताकत है. हमारी सिर्फ एक मांग है, आरक्षण. अगर आरक्षण केंद्र सरकार दे देगी तो हम उनका समर्थन करेंगे. उन्होंने कहा कि आरक्षण देने का काम मोदी जी का है. अगर उन्होंने आरक्षण नहीं दिया तो इस बार उन्हें हमारा समाज वोटों से वंचित कर देगा. हम जिनके साथ रहेंगे वो यूपी बिहार में 60 सीट जीतेंगे, अन्यथा वो हारेंगे. वहीं मुजफ्फरपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने की बात को लेकर मुकेश सहनी ने कहा कि मैं खुद एक पार्टी प्रमुख हूं. मुझे जहां से लड़ना होगा हम लड़ सकते हैं. मुझे कोई रोक-टोक नहीं है.

इससे पहले मुकेश सहनी ने कैमूर में कहा था कि हमलोग उस दशरथ मांझी के बिहार वाले हैं जो पहाड़ में रास्ता बनाने वक्त कहा करते थे कि जब तक तोड़ेंगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं. आज हमने भी तय कर लिया है कि जब तक आरक्षण नहीं ले लेंगे तब तक छोड़ेंगे नहीं. कहा था कि अब निषाद का बेटा वोट नहीं बेचेगा.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- कंप्यूटर में आईसी चिप्स का निर्माण किससे होता है – सिलिकान
- आम का वैज्ञानिक नाम क्या है – मैग्नीफेरा इंडिका
- किस क्रिकेट खिलाड़ी का उपनाम सुपर कैट है – क्लाइव लॉयड
- गुरु ग्रंथ साहिब में कुल कितने संत कवियों के पद हैं – 17
- पूर्व का वेनिस किस शहर को कहा जाता है – कोच्चि
- खाद्य एवं कृषि संगठन का मुख्यलाय कहां है – रोम
- किस नेता को जननायक के नाम से जाना जाता है – कर्पूरी ठाकुर
- रॉकेट की गति पर कौन सा संरक्षण सिद्धांत लागू होता है – संवेग का संरक्षण
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर कहां स्वीकार किए गए थे – सैन फ्रांसिस्को
- ट्रेफलगार के युद्ध में नेपोलियन किस देश से हारा था – इंग्लैंड

आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार और जदयू को निशाने पर लिया, बोले

जदयू पूरी तरह टूट चुकी है

संवाददाता। पटना

विधानसभा चुनावों में मिली जीत से बिहार भाजपा की टीम गदगद है. इस जीत से उत्साहित भाजपा ने महगठबंधन पर हमला करना शुरू कर दिया है. भाजपा के आरसीपी सिंह ने दावा करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा का चुनाव 2025 में नहीं होगा. 2024 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार बुरी तरह हारेंगे और फिर इनका जो गठबंधन है, वह खत्म हो जाएगा. आरसीपी सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हारने के बाद ये लोग जल्द ही चुनाव करवाएंगे और फिर बिहार विधानसभा के चुनाव में एनडीए मजबूती के साथ सरकार बनाएगी. बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मिली जीत के बाद अब 2024 का लोकसभा चुनाव क्लियर हो चुका है कि फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी.

आरसीपी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू पर भी हमला बोला. बीजेपी नेता ने कहा कि नीतीश कुमार दिमागी रूप से बीमार चल रहे हैं. जिस तरह से नीतीश कुमार पहले सरकार चला रहे थे, अब वह उस तरह से सरकार नहीं चला रहे हैं. सदन में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा बोलना, सदन में दलित नेता और पूर्व मुख्यमंत्री को अपमानित करना यह उनके टूटने का लक्षण है. आरसीपी सिंह ने आगे कहा कि जेडीयू पूरी तरह टूट चुकी है. जब जहाज डूब जाता है तो वह कबाड़ी में चला जाता है और कबाड़ी की नीलामी होती है. उसी तरह जेडीयू अब कबाड़ी बन चुकी है. क्षेत्रीय पार्टियों को मौका नहीं दिए जाने के जेडीयू के बयान पर आरसीपी सिंह ने कहा कि यह सब बेकार की बातें हैं. कहा कि जहां क्षेत्रीय पार्टी मजबूती में है वहां तो ठीक है, लेकिन जब बात राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की कर रहे हैं तो बताएं कि कहां क्षेत्रीय पार्टी मजबूती में है.

डीएनए विवाद को लेकर भाजपा हमलावर

वहीं तेलंगाना से उठे डीएनए विवाद को लेकर भाजपा हमलावर है. सांसद और केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे कांग्रेस पार्टी समेत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ललकारा है. अश्विनी चौबे ने कहा कि बिहार का डीएनए पूरे दुनिया के डीएनए से अच्छा है. उन्होंने कहा कि वो (कांग्रेस) जिस प्रकार के डीएनए की बात कर रहे हैं, उनका ही डीएनए वैसा है. कांग्रेस के लोग बिहार को और वहां के विशिष्ट जाति समूह को जो उन्होंने कहा है कुर्मी. ये दुर्भाग्य है, कांग्रेस के लोग इसी प्रकार से गंदा वातावरण पैदा करते हैं. केंद्रीय मंत्री चौबे ने यह भी कहा कि एक मुख्यमंत्री के द्वारा इस प्रकार की अशोभनीय बात बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. यह चिंताजनक है. बिहार का डीएनए बहुत अच्छा है.

भाजपा एक भी सीट नहीं जीतेगी: लालू

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता भी 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. इसी क्रम राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी जीत का दावा किया. लालू प्रसाद यादव ने कहा कि 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी एक भी सीट नहीं जीतेगी. हम लोग जीतेंगे. वहीं उन्होंने अमित शाह पर ज़ोरदार निशाना साधते हुए कहा कि, पीओके और जम्मू कश्मीर में हमले के ज़िम्मेदार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ज़िम्मेदार हैं. बता दें कि कांग्रेस की हार के बाद से ही बिहार में सियासी पारा चढ़ा हुआ है. हार पर मंथन करते हुए इंडिया गठबंधन के नेताओं में मतभेद की ख़बर भी सामने आ रही है. कांग्रेस की तीन प्रदेशों में हुई हार पर भाजपा नेता कह रहे हैं, यह सत्ता का सेमीफाइनल है. सेमीफ़ाइनल में ही 'इंडिया गठबंधन' की करारी हार हुई है. लोकसभा चुनाव में इन लोगों को का क्या हाल होगा, इसी झांकी से ही पता चल गया है. वहीं बिहार में राजद-जदयू के आरोपों के बाद से सियासी पारा चढ़ गया है.

ट्रैफिक जाम में फंसे सीएम नीतीश कुमार

पटना। सड़क पर गुरुवार को अजीब स्थिति हो गई. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ट्रैफिक जाम में फंस गए. सीएम के जाम में फंसने की खबर मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस महकमे के अधिकारियों के हाथ पांव फूलने लगे. दरअसल मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह अचानक जदयू के प्रदेश कार्यालय पहुंच गए. जदयू कार्यालय से निकलने के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का काफिला पटना शहर के जाम में फंस गया. सीएम के काफिले के साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों को जाम से मुख्यमंत्री की गाड़ी निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी.

इस दौरान मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया. बताया जाता है कि हालात ऐसे बन गए कि सीएम की सिक्योरिटी में लगे अधिकारियों को रॉन्ग साइड वाले रोड पर उनकी गाड़ी को निकाल कर जाम से निकालना पड़ा. दरअसल मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह अचानक अपने आवास से निकलकर पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंच थे. लेकिन, उनके जदयू कार्यालय आने की जानकारी पार्टी के किसी नेता को नहीं थी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू कार्यालय में करीब 10 मिनट तक बने रहे. इस दौरान उन्होंने कार्यालय का निरीक्षण भी किया वहां मौजूद कार्यकर्ताओं से भी मुख्यमंत्री मिले. इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेडीयू दफ्तर से निकल गए.

फाइनेंस कर्मियों को बंधक बनाकर लूटे 38 लाख रुपये

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

हुई लूट

- दो अपराधियों ने छह कर्मियों को बंधक बनाया था
- बिहार में 24 घंटे के अंदर लूट की दूसरी घटना है

लुटेरों ने एक बार फिर लूटकांड की घटना को अंजाम दिया. बेखौफ बदमाशों ने मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर में बुधवार देर रात निजी फाइनेंस कंपनी को निशाना बनाया. हथियार से लैस दो अपराधियों ने 6 फाइनेंस कर्मियों को बंधक बनाकर 38 लाख रुपये लूट लिए. लुटेरों ने सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. पुलिस ने 6 फाइनेंस कर्मियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. बिहार में 24 घंटे के अंदर लूट की दूसरी बड़ी वारदात है. इससे पहले बुधवार को ही आरा में एक्सिस बैंक में बदमाश 16 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए थे. जानकारी के मुताबिक अहियापुर थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर में भारत फाइनेंस कंपनी का कार्यालय है. यहां दो दिनों के कलेक्शन का कैश जमा था. बुधवार रात को छह कर्मचारी कार्यालय में ही सोये हुए थे. तभी अपराधियों ने धावा बोला. मेन गेट खुला था. सभी बदमाश सीधे अंदर प्रवेश कर गए. फिर उन्होंने हथियार निकाल लिया. कर्मियों को गोली मारने की धमकी दी और लॉकर खुलवाकर कैश बैग में भर लिया. फिर वे गेट बाहर से बंद कर फरार हो गए.

सूचना मिलने पर एसएसपी राकेश कुमार, सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह, एएसपी अवधेश दीक्षित जांच के लिए पहुंचे. एसएसपी ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल की जांच कराने का निर्देश दिया है. पुलिस को इस वारदात में फाइनेंस कर्मियों की मिलीभगत की आशंका है. इसलिए कर्मियों से पूछताछ की जा रही है. उनके मोबाइल कॉल की जांच की जा रही है. एएसपी ने बताया कि प्रारंभिक सूचना में 38 लाख कैश लूट की शिकायत की गई है. कैश मिलान के बाद राशि स्पष्ट होगी. दूसरी ओर, आरा स्थित एक्सिस बैंक में बुधवार सुबह करीब सवा 10 बजे लुटेरों ने धावा बोल दिया. पांच लुटेरे अंदर आए और बैंक कर्मियों को एक कमरे में बंद कर काउंटर पर रखे 16 लाख रुपये उड़ाकर ले गए. फिर मेन गेट बंद कर दिया गया. पुलिस को लगा कि लुटेरे अंदर ही है तो जवानों ने बैंक को घेर लिया. डेढ़ घंटे तक बाहर से सरेंडर की अपील करते रहे. बाद में जब पुलिस अंदर गई तो पता चला कि लुटेरे चार मिनट में ही वारदात को अंजाम देकर भाग गए थे.

कारोबार

चीन का नवंबर में बढ़ा निर्यात, आयात घटा

हांगकांग। चीन का निर्यात सात महीने बाद नवंबर में बढ़ा, जबकि आयात में गिरावट आई है. इससे पहले अप्रैल में निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई थी. निर्यात एक साल पहले की तुलना में 0.5 प्रतिशत बढ़कर 291.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. हालांकि आयात अक्टूबर में तीन प्रतिशत चढ़ने के बाद नवंबर में 0.6 प्रतिशत गिरकर 223.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा. कोविड-19 से निपटने के लिए लगाई गईं कड़ी पाबंदियां पिछले साल के अंत में हटाए जाने के बाद से देश को फिर से पटरी पर लाने के प्रयास जारी हैं.

कार्यालय स्थल का किराया सात प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। देश के सात बड़े शहरों में प्रमुख कार्यालय स्थलों का मासिक किराया चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में सात प्रतिशत सालाना की दर से बढ़कर 83 रुपये प्रति वर्गफुट हो गया है. रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी एनारॉक ने बृहस्पतिवार को जारी 'चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के लिए भारतीय कार्यालय बाजार की स्थिति' पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि सात शहरों में प्रथम श्रेणी के कार्यालय स्थल का मासिक किराया औसतन 83 रुपये प्रति वर्गफुट रहा.

इरकॉन की शेयर बिक्री को मिला अभिदान

नयी दिल्ली। सरकार की इरकॉन इंटरनेशनल में आठ प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री की पेशकश को गुरुवार को संस्थागत निवेशकों की ओर से 100 प्रतिशत से अधिक अभिदान दिया. संस्थागत निवेशकों ने इस पेशकश में 2,400 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगाई गई. सरकार दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) में इरकॉन में आठ प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 7.53 करोड़ इक्विटी शेयर 154 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी. यह निर्गम खुदरा निवेशकों के लिए शुक्रवार को खुलेगा. गैर-खुदरा निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 15.66 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोली लगाई.

जेमिनी एआई टूल इंसानों की तरह व्यवहार करने के लिए डिजाइन किया गया है

गूगल का जेमिनी मॉडल लॉन्च

भाषा। नयी दिल्ली

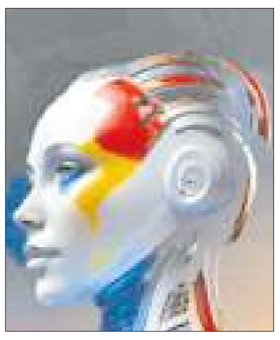

तकनीकी क्रांति

- जेमिनी एआई कोडिंग को बेहतर तरीके से करता है
- इसे तीन वर्नज-प्रो, अल्ट्रा व नेनो में पेश किया गया है
- पिक्सल 8 प्रो यूजर्स को इससे कुछ नए फीचर्स मिलेंगे

आखिर लंबे इंतजार के बाद गूगल ने अपना नया जेमिनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल लॉन्च कर दिया. ये एआई टूल इंसानों की तरह व्यवहार करने के लिए डिजाइन किया गया है. गूगल का दावा है कि जेमिनी समझने, तर्क करने, कोडिंग और प्लानिंग करने जैसे कामों में अन्य मॉडलों से बेहतर तरीके से करता है. जिस तरह से इसे लेकर चर्चा हो रही है, ऐसे में एआई को टेक्नोलॉजी का भविष्य कहना गलत नहीं होगा. भविष्य की तकनीक में एआई एक बड़ी भूमिका निभाएगा. जिसकी खबर ओपन एई के चैटजीपीटी ने एक साल पहले दी थी. जहां चैटबॉट ने एआई की ताकत को दुनिया के सामने उजागर कर दिया है. लेकिन गूगल अब एक कदम आगे बढ़ गया है, गूगल ने चैटजीपीटी को टक्कर देने के लिए अपने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल, जेमिनी को लॉन्च कर दिया.

कंपनी के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह गूगल में एआई के एक नए युग की शुरुआत है. उन्होंने इसे जेमिनी युग बताया. जेमिनी गूगल का लेटेस्ट लार्ज लैंगवेज मॉडल (एलएलएम) है. पिचाई ने पहली बार जून में आई/ओ डेवलपर कॉन्फ्रेंस में इसे टीज किया था और अब इसे पब्लिक के लिए लॉन्च किया है. इसे तीन वर्नज- प्रो, अल्ट्रा और नेनो में पेश किया गया है. कंपनी का कहना है कि जेमिनी नेनो लाइटर वर्जन है जो एंड्रॉइड डिवाइस के लिए है. पिक्सल 8 प्रो यूजर्स को इससे कुछ नए फीचर्स मिलेंगे. बताया कि जेमिनी प्रो एक बेहतर वर्जन है जो जल्द ही गूगल एआई सर्विसेज को पावर करेगा. बार्ड अब जेमिनी प्रो से पावर्ड है. जेमिनी अल्ट्रा गूगल का सबसे शक्तिशाली एलएलएम है. इसे डेटा सेंटर्स और एंटरप्राइज़ एप्लीकेशन के लिए बनाया गया है. गूगल ने बताया कि जेमिनी के साथ इंट्रीग्रेट किया चैटबॉट बार्ड भारत सहित 170 देशों में अंग्रेजी भाषा में अवेलेबल हो गया है. आप जेमिनी-ऑपरेटेड बार्ड के साथ टेक्स्ट-बेस्ड बातचीत कर सकते हैं. गूगल जल्द ही अन्य तरीकों (वॉइस और वीडियो) के सपोर्ट के लिए टूल लाएगा.

कंपनी का कहना है कि जेमिनी मैसिव मल्टीटास्क लैंग्वेज अंडरस्टैंडिंग मॉडल (एमएमएलयू) पर बेस्ड है. जेमिनी मॉडल के अल्ट्रा वैरिएंट ने तर्क करने और तस्वीरों को समझने समेत 32 बेंचमार्क टेस्ट में से 30 में चैटजीपीटी 4 से बेहतर प्रदर्शन किया है. जेमिनी प्रो ने 8 में से 6 बेंचमार्क टेस्ट में चैटजीपीटी के फ्री वर्जन जीपीटी 3.5 से बेहतर प्रदर्शन किया है. गूगल का दावा है कि यह ओपनआई के चैटजीपीटी 4 से भी बेहतर है और अधिक काम कर सकता है. नया एआई मॉडल टेक्स्ट, ऑडियो, इमेज और वीडियो समेत कई अन्य जानकारियों को आसानी से समझ सकता है. जेमिनी चैटबॉट टेक्स्ट और कोड के साथ-साथ इमेज भी बना सकता है.

जेमिनी मल्टी टास्किंग में भी सक्षम है

कंपनी का दावा है कि इसमें कई खासियतें हैं, जिसकी वजह से यह खास है. बताया कि जेमिनी मल्टीटास्किंग में भी सक्षम है और एक ही समय में टेक्स्ट, इमेज और कोड पर काम कर सकता है. इसका मतलब है कि यूजर एक ही समय में इमेज, वीडियो, टेक्स्ट, कोड के साथ काम कर सकता है. इसे मिथुन राशि का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट माना जाता है. यह न केवल टेक्स्ट, कोड और इमेज बना सकता है बल्कि पढ़ भी सकता है. साथ ही यह सब भी कर सकता है. हालांकि, चैटजीपीटी में यह संभव नहीं है, क्योंकि यह केवल टेक्स्ट में काम करता है.

स्टारबक्स को 11 अरब डॉलर का हुआ नुकसान

ह्यूस्टन (अमेरिका)

सिएटल स्थित स्टारबक्स कॉर्पोरेशन को खराब बिक्री और उसके उत्पादों का बहिष्कार किए जाने के बाद करीब 11 अरब डॉलर का नुकसान हुआ जिससे कंपनी का कुल मूल्य 9.4 प्रतिशत घट गया है. स्टारबक्स के शेयर में 8.96 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो लगभग 11 अरब अमेरिकी डॉलर के नुकसान के बराबर है. स्टारबक्स वर्कर्स यूनाइटेड के एक ट्वीट के बाद कंपनी मुश्किल में आ गई थी और उसके उत्पादों का बहिष्कार शुरू हो गया. श्रमिक संघ उसके कई बरिस्ता का प्रतिनिधित्व करता है और उन्होंने गाजा में जारी हिंसक संघर्ष में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त की है. एक उद्योग विश्लेषक ने कहा कि गाजा पट्टी पर इज़राइल की आक्रामकता के बीच जारी बहिष्कार से असंतोष की लहर कंपनी के भविष्य के लिए एक चुनौतीपूर्ण संकेत है. स्टारबक्स के शेयर में लगातार 12 कारोबारी सत्रों में गिरावट आई है. 1992 में कंपनी के सार्वजनिक होने के बाद से कभी लगातार इतने दिन कंपनी के शेयर में गिरावट का सामना नहीं किया. शेयर वर्तमान में 115 अमेरिकी डॉलर के अपने वार्षिक उच्च स्तर से नीचे करीब 95.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है.

एएमडी ने किए नए एआई समाधान उत्पाद पेश

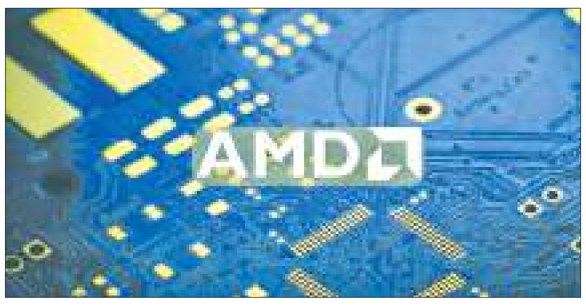

सैन जोस (अमेरिका)

तेजी से बढ़ते कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र का लाभ उठाने के लिए चिप निर्माता कंपनी एएमडी ने डेटा सेंटर से लेकर पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) तक के लिए उत्पादों की एक नई श्रृंखला पेश की है. सांता क्लारा स्थित सेमीकंडक्टर कंपनी ने कई नए उत्पाद पेश किए. इनमें एएमडी इंस्टिंक्ट एमआई300 सीरीज डेटा सेंटर एआई एक्सेलेरेटर, लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का समर्थन करने वाले नए फीचर्स के साथ आरओसीएम 6 ओपन सॉफ्टवेयर स्टैक और राइजेन एआई के साथ राइजेन 8040 सीरीज प्रोसेसर शामिल हैं. एएमडी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिसा सु ने बुधवार को यहां इन उत्पादों को पेश करते हुए कहा कि एआई कंप्यूटिंग का भविष्य है. एएमडी एंड-टू-एंड बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए इसे विशिष्ट रूप से बनाया गया है. यह इस एआई युग को क्लाउड इंस्टॉलेशन से लेकर एंटरप्राइज क्लस्टर तथा एआई-सक्षम इंटेलिजेंस एम्बेडेड डिवाइस व पीसी तक को परिभाषित करेगा. उन्होंने दावा किया कि कंपनी नए इंस्टिंक्ट एमआई300 जीपीयू की बहुत मजबूत मांग देख रही है, जो दुनिया में जेनरेटिव एआई को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी. एआई क्षेत्र में संभावित वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि बाजार के 70 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है. कुछ अनुमानों के अनुसार, 45 अरब अमेरिकी डॉलर का मौजूदा बाजार आकार 2027 तक बढ़कर 400 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है.

कॉन्क्लेव | स्टार्टअप कॉन्क्लेव में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव बोले

डिजिटल अर्थव्यवस्था जीडीपी का 20% होगा

भाषा। गांधीनगर

बोले मंत्री

- डिजिटल अर्थव्यवस्था 2014 में जीडीपी का 4.5% थी
- आज डिजिटल अर्थव्यवस्था जीडीपी का 11% है

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि 2026 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा. चंद्रशेखर गुजरात सरकार द्वारा प्रदेश की राजधानी में हेलीपैड ग्राउंड में आयोजित 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2023' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था 2014 में जीडीपी का लगभग 4.5 प्रतिशत थी. आज यह 11 प्रतिशत है.

2026 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था भारतीय जीडीपी का 20 प्रतिशत या पांचवां हिस्सा होगा. चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम शुरू करने के समय निर्धारित लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं ने गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे नवाचार परिवेश और दुनिया में एक राष्ट्र के रूप में हमारी स्थिति को बदल दिया है.

उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति लगभग तीन दशक तक प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता से बदलकर दुनिया के लिए उपकरणों, उत्पादों और मंच निर्माता की हो गई है. मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में पिछले नौ साल के दौरान यह एक उल्लेखनीय परिवर्तन था. हमारी अर्थव्यवस्था, जिसपर कभी कुछ समूहों या खंडों का वर्चस्व था, अब एक अत्यधिक विविधता वाली अर्थव्यवस्था बन गई है.

रांची में पी लेदर्स शोरुम का आज होगा शुभारंभ

संवाददाता। रांची

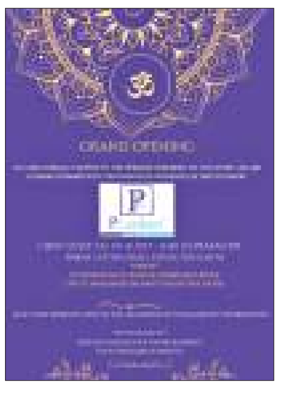

काठीटाड़ रातू, रांची में शुक्रवार को पी लेदर्स शो रुम का शुभारंभ होने जा रहा है. इस शोरुम में चमड़े के जूते चप्पल, बैग सहित स्कूली बच्चों के अन्य सामान उपलब्ध होंगे. यह प्रतिष्ठान काठीटाड़ स्थित संगम रेस्टूरेंट और जेके टायर्स के ऑपोजिट में स्थित है. इस शो रुम के खुलने से रातू और आसपास के लोगों को जूते-चप्पल और बच्चों के स्कूली बैग और अन्य पोशाक खरीदने में सुविधा होगी. इस प्रतिष्ठान का उद्घाटन 8 दिसंबर को समारोह के मुख्य अतिथि डीजी आडिट यूएस प्रसाद करेंगे. उद्घाटन समारोह दोपहर दो बजे निर्धारित किया गया है. प्रतिष्ठान के मालिक सत्यनारायण तिवारी ने बताया कि उनकी कोशिश कम कीमत पर लोगों को स्तरीय सामान उपलब्ध कराने की होगी.

हुंदै ने की वाहनों के दाम बढ़ाने की घोषणा

नयी दिल्ली। वाहन निर्माता हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने कच्चे माल की बढ़ती लागत, प्रतिकूल विनिमय दर और जिंस की कीमतों में वृद्धि का हवाला देते हुए अगले महीने से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की. कंपनी ग्रैंड आई10 निओस से लेकर इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनक्यू5 तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है. इनकी कीमत 5.84 लाख रुपये से 45.95 लाख रुपये के बीच है. हालांकि एक जनवरी 2024 से कीमत कितनी बढ़ाई जाएगी इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई. हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की ओर से जारी बयान के अनुसार, कीमतों में वृद्धि कच्चे दाम की बढ़ती लागत प्रतिकूल विनिमय दर और अन्य कारणों के अलावा जिंस की कीमतों में वृद्धि के कारण है.

चक्रवाती तूफान : पिछले 24 घंटों में कई राज्यों समेत झारखंड के कई इलाकों में हुई बारिश

मिचौंग पड़ा कमजोर, कल से गिरेगा पारा, राज्य में बढ़ेगी ठंड

शुभम किशोर/तरुण कुमार चौबे । रांची

पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के साथ दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के ऊपर बना गंभीर चक्रवाती तूफान मिचौंग दक्षिण आंध्र तट से टकराने के बाद अब कमजोर पड़ चुका है. पिछले 24 घंटे में तूफान के कारण कई राज्यों में भारी बारिश हुई. झारखंड में भी पिछले 24 घंटे में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम जबकि एक-दो स्थानों पर भारी दर्जे की वर्षा हुई है. सबसे अधिक वर्षा 75.4 सरायकेला - खरसावां में दर्ज की गई है. सबसे उच्चतम तापमान 25.3 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज की गयी है.

राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि शुक्रवार को कुछ-कुछ इलाकों में दोपहर तक बारिश हो सकती है. दोपहर के बाद हल्की धूप खिलने की संभावना है. पिछले 2-3 दिनों में जो अधिकतम व न्यूनतम एक जैसे हैं उनमें शनिवार से बदलाव होंगे. अधिकतम तापमान 4-5 डिग्री बढ़ेगी. वहीं न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है.

जगह	अधिकतम	न्यूनतम	बारिश (एमएम में)	जगह	अधिकतम	न्यूनतम	बारिश (एमएम में)
बोकारो	18	17.2	12.5	किरीबुरू	16.6	14.2	1.5
चतरा	18.4	17.7	9	लातेहार	17.5	16.6	0
देवघर	19.1	18.2	4.5	लोहरदगा	17.9	16.7	7.5
धनबाद	–	–	13.5	पाकुड़	20.6	18.7	17.5
गढ़वा	18.9	18.6	13	पलामू	19.2	18.7	11
गिरिडीह	18.3	17.5	12.5	रामगढ़	18	17.1	9
गोड्डा	20.5	19.8	7.5	रांची	16.3	15.7	14
गुमला	–	17.1	19.5	साहिबगंज	21.8	20	0
हजारीबाग	17.2	16.5	0	सिमडेगा	18.9	17.3	15
जामताड़ा	–	–	7.5	वेस्ट सिंहभूम	19.9	16.9	3
खूंटी	18.4	16.7	6	जमशेदपुर	19.8	17.6	14

बारिश नहीं रोक सकी राजधानी की रफ्तार

गुरुवार को मिचौंग तूफान का असर रांची में रहा. पूरे दिन हल्के दर्जे की बारिश हुई. लेकिन बारिश राजधानी की रफ्तार नहीं रोक सकी. सरकारी कार्यालय में कर्मियों की शत प्रतिशत उपस्तिथि दर्ज की गई. वहीं स्कूलों में लगभग 80 प्रतिशत बच्चे पहुंचे. रोज कमाने खाने वाले छोटे ठेले वाले भी बारिश में डटे रहे. कुछ स्थानों पर जल जमाव की स्थिति देखी गई.

पेज एक का शेष

रसियन गेहूं, बिन बिके ....

राजस्थान व छत्तीसगढ़ सरकार ने इसे लागू भी कर दिया था. कर्मचारियों ने इसे स्वीकार भी किया था. इन राज्यों में विपक्षी पार्टी भाजपा इसका विरोध करती रही. इन दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ कांग्रेस की बड़ी हार हुई है. ऐसे में यह सवाल उठने लगा है कि क्या पुरानी पेंशन स्कीम का मुद्दा खत्म हो गयी. अगर अब यह चुनावी मुद्दा नहीं रहेगा तो क्या होगा. एक खबर है कि केंद्र सरकार पुरानी पेंशन स्कीम के बदले आंध्रप्रदेश की तरह गारंटीड पेंशन स्कीम पर काम कर रही है. संभव है राज्यों में देश भर में इसे लागू कर दिया जाए. अगर ऐसा होता है, तो यह एक अनोखी घटना होगी. क्योंकि एक-डेढ़ साल के भीतर ही कर्मचारियों को अलग-अलग दो तरह की पेंशन स्कीम को स्वीकारना पड़ेगा.

कारोबारी आरसी रूंगटा के ....

इसे लेकर क्षेत्र के कारोबारियों में चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है.

एक साथ कई गाड़ियों में पहुंची टीम : सीआरपीएफ के जवानों के साथ एक साथ कई गाड़ियों में आयकर विभाग की टीम रामगढ़ स्थित रूंगटा के ठिकानों पर पहुंची और एक साथ दबिश दी. बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की टीम बिहार से आयी है. क्योंकि, कई गाड़ियां बिहार के नंबर की हैं. बरकाकाना के हेहल ओपी स्थित मां छिन्नमस्तिका आयरन स्पंज एंड सीमेंट फैक्ट्री में जो टीम पहुंची है, उसकी इनोवा कार भी बिहार नंबर की है. इसके अलावा अरगड्डा स्थित झारखंड इस्पात प्राइवेट लिमिटेड और कुजू ओपी के करमा में आलोक स्टील में भी कार्रवाई चल रही है.

जुगसलाई के कारोबारी समेत.....

छापेमारी टीम में रांची और पटना के जीएसटी विभाग के अधिकारी शामिल हैं. उक्त कारोबारियों से जुड़े ओडिशा और बंगाल के एक ठिकानें पर भी छापेमारी हो रही है. छापेमारी में क्या मिला, इस बारे में अधिकारी फिलहाल नहीं बता रहे हैं. विक्की के आवास पर देर शाम छापेमारी जारी थी.

8 लाख गरीबों को देंगे आशियाना.....

20 लाख अतिरिक्त हरा राशन स्वीकृत कर उन्हें अनाज दे रही है. सोना- सोबरन धोती साड़ी योजना के तहत गरीबों को वर्ष में दो बार मात्र 10 रुपए में धोती अथवा लुंगी तथा साड़ी उपलब्ध करा रही है. अबुआ आवास योजना शुरू की गई है. यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के माध्यम से हर बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांगों को पेंशन मिल रही है. सीएम ने कहा कि राज्य के नौजवानों को रोजगार देने के लिए सरकार पूरी ताकत के साथ काम कर रही है अब तक सरकारी और निजी क्षेत्र में 60 हज़ार से ज्यादा युवाओं को नौकरी दे चुके हैं. अभी भी बड़े पैमाने पर विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. नौजवान व्यवसाय के लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना है. इस योजना के माध्यम से व्यवसाय करने के लिए युवाओं को सरकार के द्वारा पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी. इसके लिए किसी गारंटर की जरूरत नहीं होगी. कार्यक्रम के दौरान मंत्री चंपई सोरेन और सत्यानंद भोक्ता, विधायक रामदास सोरेन, समीर कुमार मोहंती, संजीव सरदार और मंगल कालिंदी, झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, सीएम के सचिव विनय कुमार चौबे, कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त और पुलिस उपमहानिरीक्षक, उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

महासमर की सिर्फ प्रस्तावना....

भाजपा और संघ से जुड़े करीब आधा दर्जन नेता कांग्रेस के साथ चले गये. इससे इतना तो हुआ कि तीन राज्यों में हार की चोट पर तेल लगाने के लिए कांग्रेस को तेलंगाना मिल गया. मिजोरम में भी एनएनएफ की लुटेरी पलटन खेत हो गई है. सीएम जोरामथंगा अपने डिप्टी व कई मंत्रियों संग हार गये हैं. जीती है लालुहोग के नेतृत्ववाली पार्टी जेडपीएम. यहां भी भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा था. भाजपा अपनी लाज बचा पायी है. इन चुनाव नतीजों के कुछ स्पष्ट संकेत भी हैं. पहला यह कि जो लोग यह मान रहे थे कि भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा, वे गफलत में थे. छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना की सरकारों के पतन का एक बड़ा कारण भ्रष्टाचार रहा है. दूसरा यह कि जनता वंशवादी राजनीति के विरुद्ध भी मुखर हो रही है. इससे बिहार और झारखंड की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए. तीसरा यह कि केवल जातीय जनगणना या ओबीसी के प्रलाप से वोटों की फसल नहीं काटी जा सकती. जाति एक हकीकत है, लेकिन वह चुनाव में धारदार तब बनती है, जब गवर्नेंस गायब हो. जहां विश्वसनीय नेता होगा, कानून व्यवस्था अच्छी होगी, शासन सूत्र का संचालन ठीक होगा, वहां जातीय राजनीति पिछले दरवाजे पर तो रहेगी, लेकिन प्रवेशद्वार पर कभी नहीं आएगी. जनता को अब जाति के सिवा एक सुरक्षित, विकासशील परिवेश भी चाहिए. चौथा यह कि भारतीय संस्कृति- सभ्यता के नायकों तथा उनके गुणगान का विरोध अब भारी पड़ने लगा है. चुनाव प्रचार के दौरान कहीं से भी पंथनिरपेक्षता, सेक्युलर फैब्रिक वाली पुरानी विरुदावलियों के कर्कश स्वर सुनाई नहीं पड़े. नेताओं को यह भी ठीक से समझ लेना चाहिए कि अब जनता के सामने पहचान का संकट नहीं है. उसकी आशाएं, अपेक्षाएं, आकांक्षाएं बढ़ी हैं. उसे उड़ने के लिए पंख देनेवाला नेता चाहिए. अब आदिवासी, दलित समाज तथा अति पिछड़ों में नयी जागृति का संचार हुआ है. इन समाजों को जो दल अपना थोक वोट मानते थे, उनके हाथ के तोते उड़ गये हैं. मप्र, छत्तीसगढ़ के नतीजे इसकी साफ गवाही दे रहे हैं. पांचवां संदेश यह है कि अल्पसंख्यक क्षेत्रीय दलों के बदले कांग्रेस की ओर मुखातिब हो रहे हैं. कर्नाटक व तेलंगाना में यह स्पष्ट परिलक्षित हुआ है. यदि यह प्रक्रिया बिहार, उप्र, झारखंड आदि में गतिशील हुई तो क्षत्रपों के माथे पर बल पड़ने लगेंगे. छठा संदेश यह है कि अब कोई भी सीट किसी की जागीर नहीं है. हर राज्य में बड़े नेता, मंत्री चुनाव हार गये हैं. इनमें कुछ बड़बोले हैं, तो कुछ शेखचिल्ली जैसे. यकीनन 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार, वंशवाद और विकास के मुद्दे पर ही लड़ेगी. वह जरूरत और क्षेत्र के हिसाब से जब चाहेगी इनमें किसी मुद्दे को आगे-पीछे करती रहेगी. उसके पास धर्म-जाति का कॉकटेल है, विकास की चाशनी है और फिलहाल नरेंद्र मोदी जैसा मास्टर शेफ है. इस रेसिपी की काट केवल अडानी, महंगाई, बेरोजगारी के हल्ले से तैयार नहीं हो सकती. अभी तो यही देखना होगा कि विपक्षी गंठबंधन कितने दिनों-महीनों में मुकम्मल आकार लेता है, लड़ाई के कौन से हथियार तैयार करता है, व्यूह रचना कैसी बनती है और सेनापति कौन बनता है. वैसे ये चुनाव परिणाम 2024 के चुनाव की प्रस्तावना भर हैं. इसके आधार पर लोकसभा के महासमर का अनुमान नहीं लगाया जा सकता. 2018 में भाजपा इन सभी राज्यों में हार गयी थी. तब विपक्ष खासतौर से कांग्रेस उत्साह के अतिरेक में बांसों उछल रही थी. लेकिन 2019 के चुनाव में पांसा पलट गया. भाजपा भी गलतफहमी में लापरवाह हो गयी, तो फिर सपने चकनाचूर हो जायेंगे. हां, इतना जरूर होगा कि अब विपक्षी गंठबंधन के साथी कांग्रेस पर हमलावर होंगे, उसकी खामियां गिनायेंगे और दबाव बढ़ायेंगे. देखना होगा कि कांग्रेस झुकती है या नहीं, सहयोगियों के नखरे उठाती है या उन्हें रुसवा करती है और गंठबंधन का स्वरूप क्या बनता है.

ब्रीफ खबरें

छात्र-छात्राओं ने निकली एड्स जागरूकता रैली

जमशेदपुर। जमशेदपुर के गम्हरिया स्थित अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग ने एनएसएस और समेरिटन क्लब के सहयोग से विश्व एड्स दिवस मनाया. इस अवसर पर गम्हरिया से स्थानीय लाल बिल्डिंग स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकली गई. रैली के माध्यम से बीएससी नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने एड्स की रोकथाम को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया. कुल मिलाकर कार्यक्रम सफल रहा. यह आयोजन विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो अंगद तिवारी की अनुमति से किया गया.

सीएम से मिली सिख समन्वय समिति के लोग

जमशेदपुर। झारखंड सिख समन्वय समिति के अध्यक्ष सरदार तारा सिंह गिल के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सर्किट हाउस में भेंट कर उन्हें अंगवस्त्र एवं पुष्प-गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. झारखंड के सिखों की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के संबंध में उनका ध्यान आकर्षित करते हुए उन्हें पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा गया. समिति ने झारखंड के सिखों को जाति प्रमाण-पत्र का एनओसी देने, सिख गुरुओं गुरु नानक देव जी अथवा गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम एक विश्वविद्यालय की स्थापना जमशेदपुर में करने की मांग की.

आत्महत्या करने वाली पूजा स्थिति में सुधार

धनबाद। बुधवार को सरायढेला थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला पूजा गुप्ता ने बुधवार को महिला थाना में नींद की गोली खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था. स्थिति बिगड़ती देख महिला पूजा को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था. गुरुवार को उसकी स्थिति में सुधार है. दो माह पहले बैंक मोड की एक युवती ने महिला थाने में पूजा के भाई रॉकी गुप्ता के खिलाफ प्रेम प्रसंग में फंसा कर यौन शोषण और बाद में शादी के इंकार करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी.

डॉ अशोक कुमार बने शिक्षक संघ के अध्यक्ष

धनबाद। पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज शिक्षक संघ के गठन को लेकर पदाधिकारी की बैठक गुरूवार को कॉलेज परिसर में हुई. बैठक में सर्वसम्मति से डॉ अशोक कुमार मंडल को शिक्षक संघ का कॉलेज अध्यक्ष चुना गया. डॉ आशुतोष राहुल तिर्की को उपाध्यक्ष, डॉ किरोम रश्मि टोपनो को सचिव, डॉ मनोज कुमार को सह सचिव, डॉ मोहम्मद आलमगीर अंसारी को कोषाध्यक्ष चुना गया. निवर्तमान सचिव देवेंद्र कुमार चौबे ने डॉ किरोम रश्मि को तथा कोषाध्यक्ष डॉ संजय ने डॉ. मो आलमगीर को कार्यभार सौंप दिया.

बीसीसीएल व जिला प्रशासन के बीच एमओयू

धनबाद। सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के तहत गुरुवार को डीसी के आवासीय कार्यालय में जिला प्रशासन एवं भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड (बीसीसीएल) के बीच 3.21 करोड़ रुपए की 6 योजनाओं पर एमओयू हुआ.इस फंड से धनबाद पुलिस की बेहतर पेट्रोलिंग के लिए 45 लाख की राशि से 30 मोटरसाइकिल, स्कूली छात्रों के करियर काउंसलिंग व टॉक सीरीज के लिए 25 लाख रुपए, साइंस कॉन्क्लेव के लिए 50 लाख, दिव्यांगजनों के 20 मोडिफाइड स्कूटी पर 26 लाख रुपए खर्च होगा.

यूजीसी ने कसी नकेल, 31 तक लोकपाल नियुक्त करने का निर्देश

29 विवि, सिर्फ 1 में ही लोकपाल

झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी इकलौता विवि, जहां नियुक्त हैं लोकपाल

अमित सिंह। रांची

झारखंड में संचालित विश्वविद्यालयों में 31 दिसंबर तक लोकपाल की नियुक्ति करनी होगी. जो विश्वविद्यालय लोकपाल की नियुक्ति नहीं करेगा, उसका अनुदान रोक दिया जाएगा. विश्वविद्यालयों को लोकपाल की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी करना होगा. सर्च कमेटी बनाकर लोकपाल का चयन करना होगा. लोकपाल नियुक्ति प्रक्रिया की पूरी जानकारी यूजीसी को भेजनी है. जो विश्वविद्यालय लोकपाल की नियुक्ति नहीं करेगा, वैसे विश्वविद्यालयों के नाम की सूची यूजीसी जारी करेगा. यूजीसी के सचिव मनीष जोशी ने लोकपाल की नियुक्ति को लेकर गाइडलाइन जारी किया है, जिसमें विश्वविद्यालयों को लोकपाल की नियुक्ति को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं.

प्रदेश में 29 विश्वविद्यालय राज्य सरकार के 11 व 17 निजी : यूजीसी ने वर्ष 2012 में ही लोकपाल नियुक्ति को लेकर गाइडलाइन जारी किया था. लेकिन झारखंड के किसी भी विश्वविद्यालय में अबतक लोकपाल की नियुक्ति नहीं हो पाई है. झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी, एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें लोकपाल नियुक्त हैं. प्रदेश में झारखंड सरकार के 11 विश्वविद्यालय, 17 निजी विवि और एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है. सीयूजे को छोड़ अन्य किसी भी विश्वविद्यालय में लोकपाल नहीं हैं. इससे छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों का निपटारा नहीं हो पा रहा है. लोकपाल नियुक्ति में यूजीसी द्वारा एसओएनसी विश्वविद्यालयों को विनियमों का अनुपालन करना होगा.

सीयूजे : लोकपाल की नियुक्ति विवादों में

झारखंड के सेंट्रल यूनिवर्सिटी में लोकपाल नियुक्त हैं. मगर उनकी नियुक्ति भी विवादों में है. विवि द्वारा बिना किसी विज्ञापन और सर्च कमेटी के लोकपाल नियुक्त किया गया है. वहीं झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी द्वारा 2020 में लोकपाल नियुक्ति को लेकर प्रक्रिया शुरू की गई थी. लेकिन अचानक प्रक्रिया रोक दी गयी. अबतक टेक्निकल यूनिवर्सिटी में भी लोकपाल की नियुक्ति नहीं हो सकी है.

यूजीसी ने कहा : छात्रों की हर तरह की शिकायतों का जल्द होगा निपटारा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम–2023 में दिए गए लोकपाल नियुक्ति पर उसके पिछले निर्देशों का पालन झारखंड में संचालित किसी भी विश्वविद्यालय ने नहीं किया है. अब सभी विवि को लोकपाल नियुक्त कर छात्र शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी) का गठन कर नियमों का पालन करना आवश्यक है. यूजीसी ने इस संबंध में सभी केंद्रीय, राज्य, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालों के कुलपतियों को पत्र लिखा है. इसमें विवि को तुरंत लोकपाल नियुक्त करने का निर्देश दिया है. यूजीसी के मुताबिक वर्ष 2023 में ही करीब 15 हजार छात्रों की ओर से संस्थानों द्वारा फीस वापस न करने से जुड़ी शिकायतें मिली थीं. इसके बाद दखल देकर छात्रों को करीब 30 करोड़ रुपये वापस दिलाये गये हैं. ये सभी ऐसे मामले थे, जिसमें छात्रों की मांग या शिकायतों के बाद भी संस्थान नहीं सुन रहे थे.

डिफॉल्ट सूची में जारी होगा नाम

यूजीसी ने पत्र जारी कर विवि से पुन: लोकपाल नियुक्त करने और यूजीसी के अन्य प्रावधानों को लागू करने को कहा है. लोकपाल नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं करने वाले विवि का नाम आईजेसीसी की वेबसाइट पर डिफॉल्ट वालों की सूची में जारी किया जाएगा. 31 दिसंबर तक यूजीसी के निदेशों का अनुपालन नहीं होगा, तो ऐसी स्थिति में यूजीसी विवि के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगा.

कर्मियों की समस्याओं के निदान को लेकर प्रबंधन गंभीर : कुलसचिव

जमशेदपुर। झारखंड विश्वविद्यालय महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलसचिव एवं वित पदाधिकारी से मिला. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रमेश चंद्र ठाकुर एवं महामंत्री चंदन कुमार ने किया. मइस अवसर पर महासंघ की ओर से दोनों पदाधिकारी को समस्या से अवगत कराया गया.कुलसचिव डॉ राजेंद्र भारती एवं वित्त पदाधिकारी विनय कुमार सिंह ने कहा कि उनका प्रयास है कि कर्मचारियों की सभी समस्याओं का निदान हो जाए.इसको लेकर उनके द्वारा सबंधित विभाग को दिशा-निर्देश दिया गया है.

ग्रेजुएट कॉलेज की डॉ सुनीता को मिला बेस्ट को-ऑर्डिनेटर का पुरस्कार

जमशेदपुर। रांची स्थित झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय की ओर से ग्रेजुएट कॉलेज की शिक्षिका डॉ सुनीता बंकिरा को बेस्ट को-ऑर्डिनेटर का पुरस्कार प्राप्त हुआ है. डॉ सुनीता बंकिरा को अपने अध्ययन केंद्र में अधिक मेहनत करने और अच्छे कार्य के कारने के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है.यह पुरस्कार उन्हें झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के प्रथम वार्षिकोत्सव-2023 मैं प्रदान किया गया. जो रांची स्थित बिरसा एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ.

बर्मामाइंस थाना से 50 मीटर की दूरी पर चल रहा अवैध स्क्रैप टाल

संवाददाता। जमशेदपुर

बर्मामाइंस क्षेत्र में संचालित अवैध स्क्रैप टाल और तेल कटिंग के धंधे पर अंकुश नहीं लगाये जाने पर विधायक सरयू राय ने नाराजगी जताई है. उन्होंने गुरुवार को क्षेत्र का भ्रमण कर अवैध स्क्रैप टाल और तेल कटिंग का जायजा लिया. उन्हें अवैध स्क्रैप टाल चलने के प्रमाण भी मिले. सरयू राय ने एक बताया कि अवैध स्क्रैप टाल का एक स्थान तो बर्मामाइंस थाना से 50 मीटर की दूरी पर है.दो दिन पहले उन्होंने 24 घंटे के भीतर प्रशासन से अवैध स्क्रैप टाल और अवैध तेल कटिंग पर रोक लगाने की मांग की थी और पहल नहीं होने पर मुख्यमंत्री के समक्ष बातों को रखने की घोषणा की थी.

स्क्रैप टाल में खपाए जा रहे चोरी के वाहन

बर्मामाइंस इलाके के क्षेत्र में भ्रमण के दौरान सरयू राय ने वहां अवैध रूप से खड़े कई छोटे-छोटे टैंकर को पाया. भारत पेट्रोलियम के डीपो के मैनेजर मनीष कुमार से पूछने पर उन्होंने कहा कि ऐसा टैंकर बनाना बिल्कुल नजायज है. परंतु इसकी जांच की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस की है. विधायक ने कहा कि अवैध स्क्रैप टाल से अपराधी गिरोह फल-फूल रहा है. इस गिरोह को बर्मामाइंस के एक भाजपा नेता का संरक्षण प्राप्त है. जगह-जगह से चोरी हो रही बाइक, कार आदि अवैध स्क्रैप टाल में खपा दिया जाता है.

नई शिक्षा नीति में स्नातक पाठ्यक्रम काफी विस्तृत : डॉ पीके पाणी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साची स्थित करीम सिटी कॉलेज के आईक्यूएसी (इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल)की ओर से गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 को लेकर 'अंडरस्टैंडिंग एफवाईयूजीपी' कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला कॉलेज ऑडिटोरियम में हुई, जिसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के प्राध्यापक एवं राज्य पाठ्यक्रम समिति के सदस्य डॉ पीके पाणी शामिल हुए. उन्होंने विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से भरे सभागार को संबोधित करते हुए नई शिक्षा नीति के तहत लागू किए गए पाठ्यक्रम की संरचना पर विस्तार पूर्वक चर्चा की. उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत जो पाठ्यक्रम लागू हुआ है वह काफी विस्तृत और परिपूर्ण है. अब स्नातक चार साल का हो गया है जो आठ सेमेस्टर में पूरा होगा. उन्होंने इन आठों सेमेस्टर में पढ़े-पढ़ाए जाने वाले विषयों तथा पत्रों की चर्चा करते हुए बताया कि तीन वर्षों के अध्ययन के बाद विद्यार्थियों के पॉइंट्स यदि 7.5 होंगे तो वे चौथे साल में ग्रेजुएशन विथ रिसर्च करेंगे अन्यथा उनका ग्रेजुएशन विथ ऑनर्स होगा.

नरेंद्र मोदी विचार मंच की ओर से सामूहिक विवाह समारोह आयोजित

संवाददाता। जमशेदपुर

नरेंद्र मोदी विचार मंच झारखंड प्रदेश की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह अनुष्ठान के तहत सोनारी स्थित भूतनाथ मंदिर परिसर में गुरुवार को द्वितीय अनुष्ठान का आयोजन किया गया. इसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के छह जोड़े वर-वधुओं का विवाह बड़े धूमधाम एवं उत्साह से संपन्न कराया गया. समारोह की शुरुआत में सबसे पहले बारात का आगमन गाजे-बाजे के साथ हुआ. बारात का भव्य स्वागत मंच के प्रदेश अध्यक्ष बिनोद राणा, बिनु दुबे,रवि ठाकुर, सुजीत वर्मा, मोनू, सोनू ठाकुर, रंजीत कुमार प्रसाद, शंकर , बिनोद सिंह, बिनय, शीतल कुमार एवं अश्वनी झा की अगुवाई में गुलाब फूल भेंट कर स्वागत किया गया.

वर-वधु के साथ ही परिजनों को मिले सुगन : बता दें कि मंच की ओर से वर-वधु के साथ ही उनके परिवार के सभी सदस्यों के लिए कपड़े के साथ सगुन सामग्री दी गई. साथ ही पलंग, गद्दा, तकिया, अलमीरा, ड्रेसिंग टेबल, ट्रॉली बैग, सोने का मंगलसूत्र, चांदी का पायल, अंगूठी, बिछिया, वर-वधु के लिए कपड़े, जूता आदि दिया गया. विनोद राणा ने कहा कि नरेंद्र मोदी विचार मंच की ओर से 'बेटी बोझ नहीं वरदान है' इस ध्येय को लेकर व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीके बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओं अभियान को आत्मसात कर यह आयोजन किया जा रहा हैं.

अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया

सभी वर वधुओं के जयमाला कार्यक्रम के बाद अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. इस दौरान भाजपा नेता अभय सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बिनोद राणा, विकास सिंह को रवि ठाकुर एवं पूर्व कमिश्नर विजय सिंह को जिलाध्यक्ष रितेश सिंह ने अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया. तत्पश्चात मुख्य पुरोहित संतोष मिश्रा एवं सहयोगियों ने सभी वर-वधुओं का विवाह पूरे रीति-रिवाज़ से संपन्न कराया. कार्यक्रम के अंत में मंच द्वारा सभी नव विवाहित वर -वधुओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया.

पूजा-अर्चना आज से अपने शिलान्यास के 35वें वर्ष में प्रवेश करेगा धनबाद का शक्ति मंदिर

शक्ति और आस्था का अटूट संगम है शक्ति मंदिर

संवाददाता। धनबाद

कोयलांचल में शक्ति और आस्था का अटूट संगम देखना हो तो धनबाद के सुप्रसिद्ध शक्ति मंदिर पधारें. जो शुक्रवार से शिलान्यास के 35वें वर्ष प्रवेश कर रहा है. आस्था व साधना के प्रतीक जोड़ाफाटक स्थित शक्ति मंदिर की महिमा न सिर्फ कोयलांचल बल्कि देश भर में फैला हुआ है.

माता के जागरण के पैसे से पड़ी थी मंदिर की नींव : श्री शक्ति मंदिर की महिमा के संबंध में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र पाल सोंधी ने बताया कि कोयलांचल में श्री श्री श्री भगवती जागरण कमेटी थी जो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में माता का जागरण किया करती थी . कमेटी ने एक दिन बैठक कर यह निर्णय लिया कि जागरण के पैसे से कोयलांचल में भी माता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा . फिर क्या था माता की कृपा हुई और स्थल चयनित कर जमीन खरीदने की तैयारी शुरू कर दी गई.जिसमे सबसे अहम योगदान धनबाद के रहने वाले कणवन मेहंदी का रहा, जिन्होंने मंदिर की जमीन खरीदने के लिए अपनी जमीन के साथ साथ गले की चेन तक बेच दी. इसके बाद गुरुवार 07 दिसम्बर 1989 को मंदिर का फाउंडेशन रखा गया. मंदिर का निर्माण होते ही 15 सदस्यीय टीम हिमाचल प्रदेश गई और ज्वाला जी के मंदिर से 29 जनवरी 1997 को लुधियाना एक्सप्रेस से अखंड ज्योत लेकर धनबाद पहुंची.इसके बाद 19 फरवरी 1997 को पूरी के शंकराचार्य द्वारा मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई और उन्होंने ही मंदिर का नामकरण करते हुए शक्ति मंदिर रखा गया और तब से लेकर आज तक माँ की ज्योत भी जल रही है.उन्होंने कहा कि शक्ति मंदिर की महिमा अपरंपार है. मां हर भक्तों की मनोकामना पूरी करती है. सचिव अरुण कुमार भंडारी ने कहा कि 1999 में श्री श्री श्री भगवती जागरण कमिटी का रजिस्ट्रेशन हुआ. जिसमें उन्हें सचिव, सुरेंद्र पाल सोंधी को अध्यक्ष, राजीव सचदेव, सुरेंद्र ठक्कर उपाध्यक्ष, विपिन अरोड़ा कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र अरोड़ा आदि को शामिल किया गया.

बारिश के कारण टल गया समारोह

इस वर्ष 34 वें शिलान्यास में कमिटी द्वारा तैयारी तो पूरी की गई थी, निर्णय था कि पूरी धूमधाम से मनाया जाएगा लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण कई कार्यक्रम रद्द कर दिये गए.

उपराष्ट्रपति होंगे एक्सएलआरआई के प्लैटिनम जुबिली में शामिल

संवाददाता। जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर प्लेटिनम जुबिली समारोह का आयोजन कर रहा है. समारोह को लेकर देश के अलग-अलग क्षेत्रों के दिग्गजों को आमंत्रित किया जा रहा है. 10 दिसंबर को देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शहर आयेंगे. वे एक्सएलआरआइ जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्लैटिनम जुबिली समारोह में मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे. दोपहर दो बजे कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इस दौरान उनके साथ झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज फर्नांडिस भी मौजूद रहेंगे.

शैक्षणिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में एक्सएलआरआई अपने गौरवमयी 75 साल के सफर को सेलिब्रेट कर रहा है. इसी कड़ी में एक साल तक अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. पिछले 11 अक्टूबर 2023 को टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए थे. एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने बताया कि एक्सएलआरआइ 75 वर्षों से प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है. सामाजिकता को बढ़ावा देना व छात्रों के बीच जागरूकता लाना जेसुइट बिजनेस एजुकेशन की विशेषताओं में से एक है. एक्सएलआरआई समाज के हर वर्ग के लोगों को समावेशी व एथिक्स आधारित शिक्षा देने पर भरोसा करता है. आने वाले दिनों में प्लैटिनम जुबली को लेकर कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा 10 दिसंबर से, अफ्रीका में टी-20 में भारत आगे

टेस्ट व वनडे में भारत का रिकॉर्ड खराब

खास बातें

- टी-20 में भारत ने चार में से तीन शृंखला में जीत दर्ज की
- वनडे में आठ में से सिर्फ का एक शृंखला जीता है भारत

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा रविवार से शुरू हो रहा है. इस दौरे में भारतीय टीम को तीन टी-20, 3 वनडे और दो टेस्ट मैचों की की सीरीज खेलनी है. भारतीय टीम पहले ही दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हो चुकी है. भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका के मैदानों पर टी-20 मैचों में शादार रिकॉर्ड है. भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका में 62 प्रतिशत टी-20 मुकाबले जीते हैं. साथ ही भारतीय टीम ने अपना एकमात्र टी-20 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका में ही जीता था. भारत ने अफ्रीका में चार टी-20 सीरीज खेले हैं, जिसमें तीन सीरीज में जीत दर्ज की है.

हालांकि भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका में काफी खराब है. भारतीय टीम अब तक दक्षिण अफ्रीका में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. जबकि वनडे में भारत ने आठ सीरीज खेले हैं और एक ही सीरीज जीता है.

62
प्रतिशत टी-20 मैच जीते हैं भारत में दक्षिण अफ्रीका में

23
टेस्ट मैचों में से सिर्फ चार मैच जीत सका है भारत

भारतीय टीम द. अफ्रीका में एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीती

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके देश में भारत का प्रदर्शन

फॉर्मेट	मैच	जीते	हारे	टाई/ड्रॉ	नो रिजल्ट
टेस्ट	23	4	12	0/7	0
वनडे	37	10	25	0/0	2
टी-20	7	5	2	0/0	0

भारत का दक्षिण अफ्रीका में प्रदर्शन

फॉर्मेट	मैच	जीते	हारे	टाई ड्रॉ	नो रिजल्ट
टेस्ट	23	4	12	0/7	0
वन	56	22	30	1/0	3
टी-20	13	8	3	1/0	1

अफ्रीकी पिचों पर भारतीय टीम का वनडे सीरीज में प्रदर्शन

सीरीज	मैच	परिणाम	
1992	7	2-5	हारे
1997	5	0-5	हारे
2001	4	1-3	हारे
2006	4	0-4	हारे
2011	5	2-3	हारे
2013	3	0-2	हारे
2018	6	5-1	जीते
2022	3	0-3	हारे

अफ्रीका में भारत का टी-20 सीरीज में प्रदर्शन

सीरीज	मैच	रिजल्ट	
2006	1	1-0	जीते
2011	1	1-0	जीते
2012	1	0-1	हारे
2018	3	2-1	जीते

अफ्रीका में भारत का टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन

सीरीज	मैच	रिजल्ट	
1992	4	0-1	हारे
1996	3	0-2	हारे
2001	2	0-1	हारे
2001	3	1-2	हारे
2010	3	1-1	ड्रॉ
2013	2	0-1	हारे
2018	3	1-2	हारे
2021	3	1-2	हारे

शेड्यूल

टी-20 : पहला मैच- 10 दिसंबर, डरबन
दूसरा मैच- 12 दिसंबर, गकेबरा (पोर्ट एलिजाबेथ)
तीसरा मैच- 14 दिसंबर, जोहान्सबर्ग
वनडे : पहला मैच- 17 दिसंबर, जोहान्सबर्ग
दूसरा मैच- 19 दिसंबर, पोर्ट एलिजाबेथ
तीसरा मैच- 21 दिसंबर, पार्ल
टेस्ट : पहला मैच: 26-30 दिसंबर, सेंचुरियन
दूसरा मैच: 3-6 जनवरी, केपटाउन

भारतीय टीम

वनडे : रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (सी)(विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, अवेश खान , अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर.

टी-20 : यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, इशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (वीसी), वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव , अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर.

टेस्ट : रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद। सिराज, मुकेश कुमार, मो. शमी*, जसप्रित बुमरा (वीसी), प्रसिद्ध कृष्णा.

आओ जानें

विश्व की सबसे लोकप्रिय फुटबॉल लीग

रैंक	लीग	देश	कब शुरू हुई
1	प्रीमियर लीग	इंगलैंड	1992
2	ला लीगा	स्पेन	1929
3	बुंडेसलिगा	जर्मनी	1952
4	सेरिया ए	इटली	1898
5	एल	फ्रांस	1932
6	इरेडीवीसी	नीदरलैंड	1956
7	मेजर लीग सॉकर	अमेरिका	1993

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे दिन का खेल रद्द

भाषा । मीरपुर (बांग्लादेश)

दूसरा टेस्ट

- बारिश की भेंट चढ़ा दूसरे दिन का खेल
- शुक्रवार को जल्दी शुरू होगा तीसरे दिन का खेल

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी. मैच के पहले दिन बांग्लादेश की टीम पहली पारी में 172 रन पर आउट हो गई थी लेकिन मेजबान टीम ने वापसी करते हुए न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 55 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा.

लगातार बारिश के कारण मैच अधिकारियों ने दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया और साथ ही शुक्रवार को मैच जल्दी शुरू करने का भी फैसला किया. न्यूजीलैंड की टीम अब भी बांग्लादेश से 117 रन पीछे है जबकि उसके पांच विकेट बाकी हैं. डेरिल मिशेल 12 जबकि ग्लेन फिलिप्स पांच रन बनाकर खेल रहे हैं. बांग्लादेश ने दो टेस्ट की श्रृंखला का पहला मैच 150 रन से जीता था और उसके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने का मौका है.

ब्रीफ खबरें

23 जनवरी से होगा डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर

नयी दिल्ली । भारत के सबसे बड़े टेबल टेनिस टूर्नामेंट डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के दूसरे चरण का आयोजन अगले साल 23 से 28 जनवरी तक गोवा में किया जायेगा. अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने 2019 में विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) की परिकल्पना की थी जो अब दुनिया भर की पेशेवर पुरुष और महिला टेबल टेनिस स्पर्धाओं का केंद्र बन गया है. सीरीज में पूरे साल कई टूर्नामेंट होते हैं जिसमें से चार 'ग्रां स्मैशेज' शीर्ष रैंकिंग वाले टूर्नामेंट हैं. टूर्नामेंट 'सिक्स स्टार कंटेंडर सीरीज' प्रतियोगिता का हिस्सा है जिसमें केवल शीर्ष 30 खिलाड़ी ही शिरकत कर सकते हैं.

सेंथिल कुमार, अभय दूसरे दौर में बाहर

टाउरंगा (न्यूजीलैंड) । एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अभय सिंह और मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार न्यूजीलैंड ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए. सेंथिल कुमार को दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कीवी पॉल कोल ने 11-7, 11-1, 11-2 से हराया. अभय को दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के बापटिस्टे मासोटी के हाथों 8- 11, 5-11, 1-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी. दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले दौर में शाहजहान खान को 3-2 से हराया था. वहीं महिला वर्ग में आकांक्षा सालुंके को मलेशिया की एइरा अजमान ने पहले दौर में 3-0 से हराया.

रफ्तार में विविधता की जरूरत थी : श्रेयांका

मुंबई । इंग्लैंड के खिलाफ पहले महिला टी-20 मैच में 36 रन से मिली हार के बाद युवा तेज गेंदबाज श्रेयांका पाटिल ने कहा कि भारत को गेंदबाजी में रफ्तार में विविधता के साथ बेहतर क्षेत्ररक्षण करना चाहिये था. रेणुका सिंह ठाकुर ने पहले ही ओवर में दो विकेट लिये लेकिन भारतीय टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी. इंग्लैंड ने छह विकेट पर 197 रन बना डाले. जवाब में भारतीय टीम छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी. पाटिल ने कहा कि हमें गेंदबाजी में रफ्तार में विविधता की जरूरत थी. विकेट गेंदबाजों के अनुकूल नहीं था और बल्लेबाजों को काफी मदद मिल रही थी.

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर एकदिवसीय श्रृंखला में बराबरी की

विल जैक्स व सैम कुरेन ने किया शानदार प्रदर्शन

भाषा । नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

वनडे शृंखला

- इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया
- तीन मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर
- बटरल ने वनडे क्रिकेट में 5 हजार रन पूरे किए

विल जैक्स के 73 रन और सैम कुरेन के तीन विकेट के दम पर इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की. इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था और मेजबान टीम 40 ओवर में 202 रन पर आउट हो गई. वहीं जैक्स के दूसरे अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने 33 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाये. वेस्टइंडीज के लिये पहले मैच में नाबाद 109 रन बनाने वाले शाई होप ने 68 रन की पारी खेली. एक समय सात ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 23 रन था लेकिन होप ने शेरफान रदरफोर्ड (63) के साथ 129 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला. उन्होंने 44 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और 68 गेंद में 68 रन बनाये. रदरफोर्ड ने 71 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. जवाब में जैक्स ने फिल साल्ट(21) के साथ 50 रन की साझेदारी की और 43 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया. इंग्लैंड के जाक क्रॉउले और बेन डकेट जल्दी आउट हो गए लेकिन हेनरी ब्रूक और जोस बटलर ने 17.1 ओवर बाकी रहते टीम को जीत दिलाई. बटलर 58 रन बनाकर और ब्रूक 43 के स्कोर पर नाबाद रहे. बटलर ने 36 रन पूरे होते ही वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे कर लिये. इससे पहले शुरूआती वनडे में होप इस आंकड़े तक पहुंचे थे.

अब अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी था : जोस बटलर

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा है कि वह अपने खराब फॉर्म से तंग आ चुके थे और अब अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी हो गया था. वनडे विश्व कप में फॉर्म के लिये जूझते रहे बटलर ने सितंबर के बाद से पहला अर्धशतक जमाया. बटलर ने कहा कि मैं फॉर्म के लिये जूझ रहा था. खराब फॉर्म से तंग आ गया था. अब यह जरूरी हो गया था कि अपने चिर परिचित अंदाज में खेलूं. उन्होंने कहा कि बहुत खुश हूं.

डेक्कन एफसी ने रीयल कश्मीर को हराया

श्रीनगर । श्रीनिधि डेक्कन एफसी गुरुवार को यहां रीयल कुश्मीर एफसी के साथ गोल रहित ड्रॉ के साथ आईलीग फुटबॉल तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया. डेक्कन एफसी के अब नौ मैच में 17 अंक हैं. कुश्मीर की टीम आठ मैच में 14 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गई है. डेक्कन को दूसरे हाफ में मैच जीतने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन जगदीप सिंह का दाएं छोर से लगाया गया शॉट क्रॉसबार से टकरा गया. डेक्कन को पिछले मैच में अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे मोहम्मडन स्पोर्टिंग के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था. डेक्कन की टीम अब 11 दिसंबर को दिल्ली एफसी के खिलाफ उतरेगी.

पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया पीएम एकादश के मैच के दौरान हुआ विवाद

भाषा । कैनबरा

खास बातें

- स्क्रीन पर पाकिस्तान टीम के लिए दिखा नस्लीय शब्द 'पाकी'
- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी

प्रसारणकर्ताओं की भूल से पाकिस्तानी टीम के लिए लाइव स्कोर पर नस्लीय शब्द 'पाकी' शब्द का इस्तेमाल कर दिया गया जिससे विवाद पैदा हो गया. फॉक्स क्रिकेट ने ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान लाइव स्कोर पर पाकिस्तान टीम के लिए यह शब्द लिख दिया और एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने इसे 'एक्स' पर पोस्ट कर दिया. बुधवार को मैच के शुरूआती दिन यह घटना हुई जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी और इसमें सुधार किया. 'पाकी' एक अपमानजक नस्लीय शब्द है. यह जन्म या वंश के आधार पर पाकिस्तान या दक्षिण एशियाई व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया जाता है. ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार डैनी सईद की एक्स पर पोस्ट ने इस गलती की ओर ध्यान दिलाया और एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस गलती के लिए माफी मांगी है. सईद ने एक्स पर लिखा कि यह क्रिकेट आस्ट्रेलिया का स्पष्टीकरण है कि यह ग्राफिक एक डाटा प्रदाता की स्वचालित फीड थी जिसका इस्तेमाल पहले पाकिस्तान की टीम के लिए नहीं किया गया था. यह निश्चित रूप से खेदजनक है और जैसे ही इस गलती का पता चला, हमने तुरंत ही इसे ठीक कर दिया. पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने इस मैच में नाबाद 201 रन बनाये जिसके बाद टीम ने नौ विकेट पर 391 रन पर पहली पारी घोषित कर दी.

बिंदियारानी का प्रदर्शन निराशाजनक

अजीत ने पुरुषों के 73 किलोवर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया

भाषा । दोहा

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता बिंदियारानी आईडब्ल्यूएफ ग्रां प्री टू में निराशाजनक प्रदर्शन के साथ महिलाओं के 55 किलोवर्ग में क्लीन एंड जर्क वर्ग में तीनों प्रयासों में नाकाम रही. बिंदियारानी उन दो खिलाड़ियों में से थी जो अपनी स्पर्धा पूरी नहीं (डीएनएफ) कर सके. इस वर्ग में 12 भारोत्तोलकों ने भाग लिया था. वह कुल छह में से दो ही वैध लिफ्ट कर सकी और दोनों स्नैच वर्ग में थे जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 81 किलो रहा. इस साल मई में एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली बिंदियारानी क्लीन एंड जर्क में पहले प्रयास में 106 किलो वजन नहीं उठा सकी. इसके बाद 109 किलो उठाने के दोनों प्रयास नाकाम रहे. मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन नारायण अजीत ने पुरूषों के 73 किलोवर्ग में ग्रुप सी में दूसरा स्थान हासिल किया.

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता अजीत ने स्नैच में 133 किलो और क्लीन एंड जर्क में 157 किलो समेत कुल 290 किलो वजन उठाया. ग्रुप ए की प्रतिस्पर्धा पूरी होने के बाद अंतिम तालिका तैयार की जायेगी.

पंकज आडवाणी, कमल चावला और मेहता जीते

चेन्नई । विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने गुरुवार को यहां दिल्ली के अविनाश कुमार को हराकर राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुष सिक्स रेड स्नूकर नॉकआउट में जगह बनाई. आडवाणी ने बुधवार को अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए ग्रुप ए में कर्नाटक के सूफयान अहमद को 4-0 से हराया था. आडवाणी के अलावा खिताब के अन्य दावेदार कमल चावला (आरएसपीबी), आदित्य मेहता (पीएसपीबी) और एस श्रीकृष्णा (पीएसपीबी) भी राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में सफल रहे.

आरोप भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने गौतम गंभीर पर लगाया आरोप

लीजेंड्स लीग के दौरान गंभीर ने मुझे फिक्सर कहा : श्रीसंत

भाषा । सूरत

खास बातें

- लीजेंड्स लीग के मैच के दौरान हुई थी दोनों के बीच बहस
- श्रीसंत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाइव आकर लगाये आरोप

पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने गुरुवार को आरोप लगाया कि गौतम गंभीर ने उन्हें यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच के दौरान 'फिक्सर' कहा. बुधवार को इंडियन कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलिमिनेटर मैच के दौरान श्रीसंत और उनके पूर्व साथी गंभीर के बीच तीखी बहस हो गयी थी. इसके बाद विश्व कप विजेता खिलाड़ियों को अलग करने के लिए अंपायर को हस्तक्षेप करना पड़ा. श्रीसंत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाइव आकर कहा कि वह लाइव टीवी पर मुझे 'फिक्सर फिक्सर' कहता रहा, तुम फिक्सर हो. श्रीसंत ने कहा कि मैंने सिर्फ यही कहा कि आप क्या कह रहे हो. मैं मजाकिया अंदाज में हसंता रहा. जब अंपायर उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने उनसे भी इसी भाषा में बात की. श्रीसंत ने कहा कि मैंने किसी अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया. कृपया सच का समर्थन करें. वह कई लोगों के साथ ऐसा करता रहा है. मुझे नहीं पता कि उसने यह क्यों शुरू किया और यह ओवर के अंत में हुआ. उन्होंने कहा कि अब उनके लोग कह रहे हैं कि उन्होंने 'सिक्सर सिक्सर' बोला है, लेकिन उन्होंने बोला 'यू फिक्सर' तू फिक्सर है. यह बात करने का तरीका नहीं है. मैं इस घटना को यहीं खत्म करने का सोच रहा हूं लेकिन उनके लोग उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं. मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप 'एक्स्ट्रा पेड पीआर वर्क' (अतिरिक्त भुगतान पर जनसंपर्क करने वाले) के झांसे में नहीं आये. बुधवार को ही मैच के बाद एक अन्य इंस्टाग्राम लाइव वीडियो पर श्रीसंत ने गंभीर को 'मिस्टर फाइटर' कहा था और साथ कहा था कि वह अपने सीनियर खिलाड़ियों का भी सम्मान नहीं करते थे. श्रीसंत ने कहा कि मिस्टर फाइटर के साथ जो कुछ हुआ, उस बारे में बस चीजें स्पष्ट करना चाहता हूं. वह हमेशा अपने साथियों के साथ लड़ता है. बिना किसी कारण के. वह अपने ही सीनियर खिलाड़ियों का भी सम्मान नहीं करता जिसमें वीरू भाई (वीरेंद्र सहवाग) भी शामिल हैं.

स्पॉट फिक्सिंग में आया था श्रीसंत का नाम

श्रीसंत पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2013 में स्पॉट फिक्सिंग प्रकरण में उनकी कथित लिप्तता के कारण बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अनुशासनात्मक समिति ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था. लेकिन उच्चतम न्यायालय ने 2019 में इस प्रतिबंध को घटाकर सात साल का कर दिया था.

निशानेबाजी में नवीन ने हासिल की दोहरी स्वर्णिम सफलता

भाषा । नयी दिल्ली

राष्ट्रीय चैंपियनशिप

- नवीन में व्यक्तिगत व टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता
- व्यक्तिगत स्पर्धा में नवीन ने विवेक को पछाड़ा

आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट के निशानेबाज नवीन ने गुरुवार को भोपाल में संपन्न पिस्टल स्पर्धाओं की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ दोहरी सफलता हासिल की. नवीन ने एमपी राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज में हुए फाइनल में 246.2 अंक के साथ उत्तर प्रदेश के विवेक को पछाड़ा जिसने 244.0 अंक जुटाए. नौसेना के उज्जवल मलिक 221.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे. नवीन, सागर डांगी और बिशाल श्रेष्ठ की तिकड़ी ने इसके बाद टीम स्पर्धा में 1742 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता. नौसेना की टीम 1737 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि हरियाणा ने कांस्य पदक जीता. क्वालीफिकेशन में सेना के निशानेबाज निशांत रावत ने 589 अंक के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया.

नवीन ने क्वालीफिकेशन में चार अन्य निशानेबाजों के समान 581 अंक जुटाए लेकिन '10 अंक के अंदरूनी' हिस्से में अधिक निशाने लगाकार आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे. पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में 1213 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया

बंगाल की खाड़ी से उठे मिचौंग तूफान ने तमिलनाडु में कहर बरपा दिया है. जानकारी के मुताबिक, बाढ़ के कारण तमिलनाडु के करीब 1.2 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं. सर्वाधिक तबाही चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिले में हुई है. जानकारी दी गयी है कि गुरुवार को चेन्नई आने-जाने वाली 15 ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं. गौरतलब है कि 4 दिसंबर से सभी स्कूल-कॉलेज बंद हैं. भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से कल बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई गयी है. चेन्नई में एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश रिकॉर्ड किये जाने की सूचना है. बाढ़ से अबतक 20 लोगों से ज्यादा की जान जा चुकी है. कई इलाकों में तीन दिन से बिजली और इंटरनेट भी बंद है. -फोटो : पीटीआई

आओ जानें

पुरुषों की सेवानिवृत्ति की आयु

डेनमार्क	67	ऑस्ट्रिया	65	वियतनाम	60.75
ग्रीस	67	ब्राजील	65	कनाडा	60-65
आइसलैंड	67	मेक्सिको	65	चीन	60
इज़राइल	67	फिनलैंड	64.25	भारत	60
इटली	67	जापान	64	सऊदी अरब	60
ऑस्ट्रेलिया	67	सिंगापुर	63	द. अफ्रीका	60
यूएसए	66.5	स्वीडन	63	द. कोरिया	60
स्पेन	66.33	फ्रांस	62.25	टर्की	60
यूके	66	नॉर्वे	62-67	बांग्लादेश	59
जर्मनी	65.92	रूस	61.5	इंडोनेशिया	58

रूस में अगले साल 17 मार्च को होंगे राष्ट्रपति चुनाव

व्लादिमीर पुतिन का पद पर बरकरार रहना लगभग तय

भाषा। मॉस्को

रूस के सांसदों ने बुधवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए पांचवीं बार चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त करते हुए देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराने की तारीख 17 मार्च 2024 तय की. पुतिन (71) ने अभी तक चुनाव लड़ने के अपने इरादे की घोषणा नहीं की है लेकिन चुनाव की तारीख तय होने के साथ उनके आगामी दिनों में ऐसा करने की उम्मीद है. पुतिन द्वारा किए गए संवैधानिक सुधारों के तहत वह अगले साल अपना मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद दो बार और छह साल के कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ सकते हैं. रूस की राजनीतिक प्रणाली पर कड़ी पकड़ बनाए रखने के साथ पुतिन की जीत लगभग तय मानी जा रही है.

चुनाव में उन्हें चुनौती देने वाले उनके संभावित आलोचक या तो जेल में बंद हैं या विदेश में रह रहे हैं और ज्यादातर स्वतंत्र मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, यूक्रेन में सैन्य अभियान और निजी सैन्य कंपनी के प्रमुख येवगेनी प्रिगोजिन की बगावत का पुतिन की साख पर कोई असर पड़ता नहीं दिखता है. मार्च में होने वाले चुनाव से पुतिन के कम से कम 2030 तक सत्ता में बने रहने की संभावना है.

वैश्विक मंच पर गरबा की चमक एक गौरवशाली क्षण : अमित शाह

भाषा। नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के लोकप्रिय गरबा नृत्य को यूनेस्को द्वारा 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची' में शामिल किए जाने की प्रशंसा करते हुए गुरुवार को कहा कि यह देश की संस्कृति की सुंदरता और लचीलेपन के लिए सम्मान है. यूनेस्को ने गुजरात के पारंपरिक गरबा नृत्य को 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची' में शामिल करने के लिए स्वीकृति दी है. शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गरबा सदियों पुरानी एक नृत्य कला है जो अपने लयबद्ध सामंजस्य से समुदाय को एक साथ लाता है. अमूर्त विरासत सूची में इसे शामिल करना हमारी संस्कृति की सुंदरता और लचीलेपन के लिए एक सम्मान है. उन्होंने कहा, हमारे अपने गरबा के वैश्विक मंच पर चमकने तथा अपनी छटा बिखेरने का यह गौरवशाली क्षण, हमें हमारी संस्कृति का और अधिक निष्ठापूर्वक प्रचार प्रसार करने तथा संरक्षित करने की हमारी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है. भारत ने नवरात्रि उत्सव के दौरान पूरे गुजरात और देश के कई अन्य हिस्सों में आयोजित होने वाले गरबा को यूनेस्को की सूची में शामिल करने के लिए नामांकित किया था.

ब्रीफ खबरें

नोएडा में गैर-पंजीकृत कोचिंग सेंटर बंद कराया

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए गैर पंजीकृत 32 कोचिंग सेंटर को बंद कराया. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि पंजीकृत कोचिंग सेंटर की संख्या सिर्फ 35 है. उन्होंने बताया कि कार्रवाई के लिए 12 टीम बनाई गईं और बुधवार को अभियान चलाकर गैर पंजीकृत 32 कोचिंग सेंटर को चिह्नित किया गया.

हत्या के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की पुलिस ने पुरानी दुश्मनी के कारण 16 वर्षीय लड़के की हत्या करने के आरोप में गुरुवार को भिवंडी से दो युवकों को गिरफ्तार किया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने कहा कि आरोपी आयुष वीरेंद्र झा और मनोज टोपे ने 25 नवंबर को रेटिबंदर इलाके में पीड़ित योगेश रवि शर्मा की कथित तौर पर हत्या कर दी और शव को काल्हेर में दफना दिया. शर्मा की मां द्वारा अपने लापता बेटे के बारे में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की.

अमेरिका ने ऑस्प्रे विमान को संचालन से बाहर किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अपने सभी ऑस्प्रे वी-22 हेलीकॉप्टरों को संचालन से बाहर करने की घोषणा की है. उसने जापान के तट पर एक दुर्घटना में वायु सेना के विशेष अभियान कमान के आठ सदस्यों की मौत होने के एक सप्ताह बाद यह फैसला लिया है. पिछले सप्ताह हुई दुर्घटना की प्रारंभिक जांच से यह पता चला है कि विमान में कुछ गड़बड़ी हो गयी थी और यह चालक दल की गलती नहीं थी. इस दुर्घटना ने ऑस्प्रे की सुरक्षा को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं.

ब्रिटेन के आव्रजन मंत्री रॉबर्ट ने दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन के आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजने की सरकार की रवांडा नीति पर गहरी असहमति व्यक्त करते हुए पीएम ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है. जेनरिक को हाल तक सुनक के सहयोगी के तौर पर देखा जाता था. जेनरिक ने बुधवार को कहा कि उन्होंने महसूस किया कि पीएम, गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली द्वारा संसदीय बयान में प्रस्तुत आपातकालीन विधेयक कानूनी चुनौतियों को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है.

स्कूल बस पलटने से 14 छात्र घायल

पणजी। दक्षिण गोवा में गुरुवार को सुबह एक स्कूल बस के पलट जाने से 14 छात्र घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जाती है. अधिकारी ने बताया कि यह घटना बल्ली गांव के पास उस समय हुई जब 34 छात्रों को लेकर बस 'कनकोलिम यूनाइटेड हायर सेकेंडरी' स्कूल जा रही थी. उन्होंने बताया कि बस मुख्य सड़क से उतरकर एक खेत में घुस गई और फिर पलट गई. राज्य सरकार के 'बाल रथ' कार्यक्रम के तहत स्कूल को बस स्वीकृत की गई थी.

एक फरवरी के बजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं की जाएगी, वित्त मंत्री ने कहा-

हमलोग चुनाव की तैयारी में होंगे

भाषा। नयी दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है. इस सत्र में 15 बैठकें होंगी. बीते बुधवार को लोकसभा में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 और जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 पारित हो गया है. वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि एक फरवरी 2024 को पेश किए जाने वाले बजट में कोई 'बड़ी घोषणा' नहीं होगी क्योंकि यह आम चुनाव से पहले लेखानुदान होगा. सीतारमण ने कहा कि यह सच है कि एक फरवरी 2024 को जो बजट घोषित किया जाएगा वह सिर्फ 'वोट ऑन अकाउंट' होगा क्योंकि हम चुनाव की तैयारी में होंगे. इसलिए सरकार जो बजट पेश करेगी वह सिर्फ तब तक के लिए सरकारी खर्चों को पूरा करने के वास्ते होगा जब तक कोई नई सरकार नहीं बन जाती.

चुनाव के समय कोई बड़ी घोषणा नहीं होती : वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि देश तब 2024 की गर्मियों में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रहा होगा. ब्रिटिश परंपरा का पालन करते हुए एक फरवरी के बजट को 'वोट ऑन अकाउंट' कहा जाएगा. सीतारमण ने कहा कि उस (चुनाव के) समय (वोट ऑन अकाउंट में) कोई बड़ी घोषणा नहीं होती. इसलिए आपको नई सरकार आने और जुलाई 2024 में अगला पूर्ण बजट पेश करने तक का इंतजार करना होगा. सीतारमण एक फरवरी 2024 को लोकसभा में एक अप्रैल 2024 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी. अंतरिम बजट को 'वोट ऑन अकाउंट' भी कहा जाता है. मौजूदा सरकार को आम चुनाव के बाद नई सरकार बनने तक का खर्चा दिया जाएगा.

सत्र शुरू

- अंतरिम बजट को 'वोट ऑन अकाउंट' भी कहा जाता है
- वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम बजट पेश करेंगी

पीएम मोदी का राज्यसभा में स्वागत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान राज्यसभा में प्रवेश करते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर और नारे लगाकर उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को उच्च सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही में भाग लेते हैं. गुरुवार को उनके विभागों से संबंधित प्रश्न सूचीबद्ध होते हैं. संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर को शुरू हुआ था और मोदी पहली बार आज राज्यसभा में आए थे. उनके सदन में प्रवेश करते ही भाजपा सदस्यों ने मेजें थपथपाकर, तालियां बजाकर और नारे लगाकर उनका स्वागत किया. सदन में आने के बाद वह सदन के नेता पीयूष गोयल के बगल में अपनी सीट पर बैठे और इस दौरान भाजपा के कुछ सदस्यों ने 'मोदी गारंटी' और 'तीसरी बार, मोदी सरकार' जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए. भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी उस समय सदन में मौजूद थे.

नदी जोड़ो परियोजना पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शेखावत

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के आपसी समझौतों के आधार पर नदियों को जोड़ने की पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की परिकल्पना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल में यह भी कहा कि यदि सभी राज्य सहमत हो जाएं और नदियों से संबंधित सारे 'लिंक' जोड़ दिए जाएं तो सदियों तक के लिए जल संसाधनों के अभाव की चुनौती से निपटा जा सकता है. शेखावत ने भाजपा सांसद हेमा मालिनी के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि देश में नदियों को जोड़ने के संबंध में प्राथमिकता वाली पांच परियोजनाएं चिह्नित की गई हैं, जिनमें एक में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच समझौता हो चुका है तथा चरण-1 और चरण-2 को मंजूरी मिलने के बाद इसमें आगे बढ़ा जा रहा है.

नफरती भाषण पर रास में जताई गई चिंता

राज्यसभा में गुरुवार को राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से नफरत फैलाने वाले भाषण देने के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई तथा ऐसा करने वाले नेताओं के चुनाव लड़ने पर रोक लगाने और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई. उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है लेकिन, कानून की अस्पष्टता के कारण इसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है. उन्होंने इस पर सभी से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार-विमर्श का आग्रह किया.

मीडिया भाजपा से सवाल क्यों नहीं पूछता? : जयराम रमेश

सीएम तय नहीं कर पायी भाजपा

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्रियों के नाम की घोषणा में हो रही देर को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा. कहा कि चुनाव नतीजों के तीन दिन बीत जाने के बावजूद भाजपा इन प्रदेशों में नाम तय नहीं कर पायी है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि आखिर भाजपा से इस देरी के लिए सवाल क्यों नहीं किया जा रहा है, जबकि कांग्रेस से 24 घंटे में ही सवाल शुरू हो जाते हैं.

हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा तो परसों ही हो चुकी है : रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया कि तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आये थे. उसके 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में तथाकथित देरी के लिए मीडिया में सभी जगह कांग्रेस पार्टी की आलोचना होने लगी थी. हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा तो दो दिन पहले ही हो चुकी है और गुरुवार को वह शपथ लेंगे. रमेश ने कहा कि तीन दिन बीतने के बाद भी भाजपा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए अपने मुख्यमंत्रियों की घोषणा तक नहीं कर पायी है.

क्या वास्तव में देर नहीं हो रही है

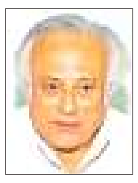

रमेश ने कहा कि भाजपा के सीएम चुनने के मामले को उतनी ही बेचैनी और प्रमुखता से क्यों नहीं उठाया जा रहा है, जैसे कांग्रेस के समक्ष उठाया जाता है. क्या वास्तव में देर नहीं हो रही है? बता दें कि कांग्रेस ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के नाम की घोषणा कर दी थी. हालिया विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को जीत मिली है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस जीती है.

शपथ में सोनिया गांधी और राहुल गांधी रहे मौजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दी बधाई

रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

भाषा। हैदराबाद

तेलंगाना कांग्रेस के विधायक दल के नेता छप्पन वर्षीय अनुमुला रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद एलबी स्टेडियम में राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली. उसके बाद मल्लू बी विक्रमार्क ने तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. मंत्री पद की शपथ लेने वाले विधायकों में एन उत्तम कुमार रेड्डी, सी. दामोदर राजनरसिम्हा, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी शामिल थे. पीएम मोदी ने रेवंत रेड्डी को तेलंगाना के सीएम बनने के लिए बधाई दी है. शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डी शिवकुमार समेत तमाम कांग्रेसी नेता मौजूद रहे. बता दें कि हालिया विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद रेवंत रेड्डी को नेता चुना गया था.

राज्यपाल टी सौंदरराजन ने सीएम को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

एलबी स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल टी सौंदरराजन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. रेवंत रेड्डी प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. 2013 में तेलंगाना के गठन के बाद से कांग्रेस यहां पहली बार सत्ता में आयी है. राज्य में अब तक के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ही दो बार सीएम बने थे. शपथ लेने से पहले रेवंत रेड्डी खुली जीप में सोनिया गांधी को लेकर स्टेडियम में पहुंचे.

सीपीआई ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था : राज्य की मुख्य सचिव ए शांति कुमारी, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर बुधवार को समारोह स्थल का निरीक्षण किया था. समोरोह में भारी संख्या में लोग शामिल हुए. रेवंत रेड्डी ने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को खुला निमंत्रण दिया था.

सराहनीय अदालत के 20 हजार फैसलों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है : चंद्रचूड़

'केशवानंद भारती' फैसला अब 10 भारतीय भाषाओं में

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने गुरुवार को कहा कि संविधान की बुनियादी संरचना सिद्धांत को निर्धारित करने वाला ऐतिहासिक 'केशवानंद भारती' फैसला अब उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर 10 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है. इस फैसले के 50 साल पूरे हो गए हैं. बुनियादी संरचना सिद्धांत पर 1973 के प्रशंसित फैसले ने संविधान में संशोधन करने की संसद की व्यापक शक्ति को खत्म कर दिया था और साथ ही न्यायपालिका को इसके उल्लंघन के आधार पर किसी भी संशोधन की समीक्षा करने का अधिकार दिया.

खास बातें

- केशवानंद फैसले के 50 साल पूरे हो गए हैं
- भाषा संबंधी बाधाएं कामकाज को रोकती हैं

प्रधान न्यायाधीश ने असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की जांच करने संबंधी याचिका पर सुनवाई शुरू होने से पहले कहा, वर्ष 2023 में केशवानंद भारती मामले में फैसले के 50 साल पूरे हो रहे हैं. हमने फैसले को लेकर एक 'वेब-पेज' बनाया है...

समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचने के लिए मैंने सोचा कि हम इसका भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर सकते हैं क्योंकि भाषा संबंधी बाधाएं लोगों को अदालत के कामकाज को वास्तव में समझने से रोकती हैं. प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अब यह फैसला हिंदी, तेलुगु, तमिल, उड़िया, मलयालम, गुजराती, कन्नड़, बंगाली, असमिया और मराठी में उपलब्ध है. उन्होंने कहा, यह हमारे फैसलों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के हमारे प्रयासों के समान है. उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के 20,000 फैसलों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है और ई-एससीआर (उच्चतम न्यायालय रिपोर्ट का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण) पर अपलोड किया गया है.

अब छात्र ई-एससीआर में हिंदी में फैसला पढ़ेंगे

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वकील और जिला अदालतें उच्चतम न्यायालय के फैसलों को हिंदी में उद्धृत और संदर्भित कर सकते हैं, जहां काम मुख्य रूप से हिंदी में किया जाता है, अब संविधान में अधिसूचित सभी भारतीय भाषाओं में इनका अनुवाद किया जा रहा है. इस कदम की सराहना करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ज्यादातर लोग केशवानंद भारती फैसले के बारे में सिर्फ यही जानते थे कि कोई बड़ा मामला है. प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि विधि के वे छात्र जो अत्यधिक संसाधन वाले कॉलेजों में नहीं पढ़ते हैं, वे भी उच्चतम न्यायालय के फैसले तक नहीं पहुंच सकते. उन्होंने कहा, अब जो छात्र ई-एससीआर में हिंदी में फैसला पढ़ना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि किसी अन्य देश ने ऐसा करने का प्रयास नहीं किया है.

ओडिशा ने हड़ताल प्रतिबंधित करने के लिए 'एस्मा' लगाया

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने उड़ीसा अत्यावश्यक सेवा अनुरक्षण कानून (एस्मा) लागू कर नर्स, फार्मासिस्ट, तकनीशियनों, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों सहित स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगा दी है, ताकि सुचारू चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें.

स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को कहा कि एस्मा लागू करने और हड़ताल पर रोक लगाने का आदेश छह दिसंबर से अगले छह महीने तक लागू रहेगा. राज्य स्वास्थ्य विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, जरूरतमंदों को सुचारू स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य में चिकित्सा सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों (संविदा कर्मचारियों सहित) की हड़ताल पर ओडिशा सरकार ने रोक लगा दी है. गृह (विशेष अनुभाग) विभाग द्वारा बुधवार को जारी अधिसूचना में कहा गया, सरकारी अस्पतालों और औषधालयों में चिकित्सा सेवाओं से जुड़े संविदा कर्मचारियों सहित नर्स, फार्मासिस्ट, पैरामेडिक्स, तकनीशियनों और अन्य तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगाना आवश्यक है. इसमें सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज और अस्पताल और राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त अन्य स्वायत्त स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं.

नौ दिसंबर स्थापना दिवस पर विशेष : आईआईटी-आईएसएम ने कई विश्वस्तरीय उपलब्धियां अर्जित की हैं

98 वर्ष के सफर में शून्य से शिखर पर पहुंचा आईआईटी-आईएसएम

नीरज कुमार। धनबाद

इंडियन स्कूल ऑफ माइंस वर्तमान में आईआईटी-आईएसएम की उम्र 98 वर्ष की हो चुकी है. नौ दिसंबर को संस्थान अपनी स्थापना के 99वें वर्ष में प्रवेश कर जाएगा. इन 98 वर्षों में संस्थान ने शून्य से शिखर तक की यात्रा में अनेक विश्वस्तरीय उपलब्धियां अर्जित की हैं. माइंस एंड एप्लाइड जियोलॉजी की पढ़ाई से 51 छात्रों के साथ शुरू हुआ यह सफर आज 18 ब्रांच और लगभग 8000 छात्रों तक पहुंच चुका है. बता दें कि इस संस्थान की शुरुआत ब्रिटिश सरकार ने रॉयल स्कूल ऑफ माइंस लंदन की तर्ज पर की थी.

प्रतिवर्ष देश को देता है 1125 इंजीनियर : वर्तमान में आईआईटी में प्रतिवर्ष बीटेक में 1125 फ्रेश नामांकन लिए जाते हैं. जबकि एमटेक, पीएचडी समेत अन्य को जोड़ दें तो यह संख्या 1700 से 2000 के बीच पहुंच जाता है. ऐसे में संस्थान प्रतिवर्ष 1125 फ्रेश विद्यार्थियों को इंजीनियर बनाता है. जबकि एमटेक और पीएचडी प्रोग्राम से जोड़कर इंजीनियर्स के स्किल को बढ़ाता है. वर्तमान में यहां प्राध्यापकों की संख्या 330 से अधिक है.

खास बातें

- 51 छात्र से शुरू हुआ सफर 8 हजार के पार पहुंच गया
- 330 से भी अधिक प्राध्यापक स्टूडेंट्स का गढ़ते हैं भविष्य

राज्यपाल होंगे स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

आईआईटी-आईएसएम के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर 9 दिसंबर को संस्थान के जीजीएलटी में कार्यक्रम होगा. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद पशुपतिनाथ सिंह, संस्थान के बोर्ड आफ गवर्नेंस के चेयरपर्सन प्रो प्रेम व्रत भी उपस्थित रहेंगे.

टॉप 2% में शामिल 30 वैज्ञानिकों को किया जाएगा सम्मानित

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के सर्वे के अनुसार विश्व के टॉप 2% में शामिल संस्थान के 30 वैज्ञानिकों को सम्मान मिलेगा. 25 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले 8 कर्मचारी को लॉन्ग सर्विस अवार्ड, 16 शिक्षकों को इंद्र मोहन थापर रिसर्च अवॉर्ड, 3 को स्पेशल कैटेगरी अवार्ड, 4 महिलाओं को वूमेन अचीवर्स अवार्ड, चार ग्रुप को स्टूडेंट अचीवर्स अवार्ड, 7 को पीएमआरएफ अवार्ड दिया जाएगा.

आओ जानें

आठ दिसंबर का इतिहास

- आठ दिसंबर का इतिहास1877 में प्रसिद्ध मराठी विद्वान नारायण शास्त्री मराठे का जन्म हुआ था
- 1927 में पंजाब के मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल का जन्म हुआ था
- 1935 में भारतीय अभिनेता धर्मेंद्र का जन्म हुआ था
- 1941 में अमेरिका और ब्रिटेन ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी1956 में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में 16वें ओलंपिक खेलों का समापन हुआ था
- 1976 में अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया था
- 1967 में पहले पनडुब्बी आईएनएस कालवरी को सेना में शामिल किया गया था
- 2003 में उमा भारती मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुईं थीं
- 2003 में वसुंधरा राजे राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुईं थीं
- 2003 में जिम्बाब्वे ने राष्ट्रकुल से खुद को अलग करने की घोषणा की थी
- 2005 में रेडक्रॉस और रेडक्रीसेंट सोसाइटी ने सफेद पृष्ठभूमि में हीरे के आकार के एक लाल क्रिस्टल को नए चिह्न के रूप में स्वीकार किया था

2000 किमी की साइकिल यात्रा पर निकला रांची का सुतत्व

- 12 साल का है सुतत्व, देगा शांति का संदेश, एसएसपी ने साइकिल यात्रा रवाना की

शुभम किशोर। रांची

12 वर्षीय की उम्र में ही सुतत्व ऋत्तु ने कुछ अलग करने का सोचा. जिस उम्र में बच्चे खेलकूद-मनोरंजन या पढ़ाई पर फोकस करते हैं और खुद अपनी ही दुनिया में खोये रहते हैं, वहीं सुतत्व दुनिया में शांति का संदेश देने के लिए साइकिल यात्रा पर निकल गए हैं. वे अपनी 3 लाख की साइकिल से 2000 किमी की भारत यात्रा करेंगे और विश्व शांति का संदेश देंगे. वे अपनी यात्रा के लिए गुरुवार को कार से निकल चुके हैं. रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर सुतत्व को रवाना किया. उनकी यात्रा की शुरुआत गंगोत्री (उत्तराखंड) से होगी और समापन वैद्यनाथ धाम, देवघर में होगा. इस दौरान उत्तरकाशी, ऋषिकेश, बिजनोर, मुरादाबाद, सजाजपुर, लखनऊ, अयोध्या, कुशीनगर, दरभंगा, फोर्बिसगंज, पूर्णिया मार्ग होते हुए देवघर पहुंचेंगे. सुतत्व रांची जिला स्कूल के छात्र हैं.

वाहन के साथ चलेंगे पिता

पूरी यात्रा में सुतत्व के पिता सौमित्रो बोराल अपने वाहन के साथ चलेंगे. वे अपने साथ आवश्यक सामग्री लेकर चलेंगे. रांची के व्यापारी, डॉक्टर समूह, कई विभागों के पदाधिकारियों, मित्रों और परिवारजनों ने यात्रा पर होने वाले खर्च में सहयोग दिया है. कुछ अन्य सामाजिक संगठन भी सामने आए हैं पलामू डिस्ट्रिक्ट साइकिल एसोसिएशन ने प्रचार- प्रसार में मदद की है.

उनकी यात्रा के लिए एसएसपी व उनकी धर्मपत्नी और समाज कल्याण निदेशालय की सहायक निदेशक कंचन सिंह, पलामू डिस्ट्रिक्ट साइकिलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डीआईजी संजय रंजन सिंह (आईपीएस) ने उसे अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि उसके जज्बे की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है.

बाघमारा के गोपाल अबतक 33 हजार शवों को मुक्तिधाम पहुंचा चुके हैं

मुक्ति के लिए 'धाम' पहुंचाना परम धर्म मानते हैं गोपाल

- शवों को आखिरी मंजिल तक पहुंचाना मिश्रा की है दिनचर्या

राम पांडेय/भोला झा। बरोरा (धनबाद)

बाघमारा इलाके में एक ऐसे शख्स हैं, जिन्होंने शवों को मुक्ति धाम पहुंचाने को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया है. कोरोना के दौरान जब सारे रिश्ते-नाते व अपनों से अंतिम समय में मुंह फेर लिया था, तब बाघमारा के नावागढ़ निवासी गोपाल मिश्रा ने एक योद्धा की तरह लोगों के शवों को आखिरी मंजिल तक पहुंचाया और मानवता व सेवाभाव का परिचय दिया. गोपाल मिश्रा ने अब तक बाघमारा के विभिन्न क्षेत्रों से एक दो हजार नहीं बल्कि 33 हजार शवों को मुक्तिधाम पहुंचाया है.

गोपाल बाघमारा विधायक ढुल्लु महतो द्वारा निःशुल्क सेवा मुक्ति धाम पहुंचाने वाले वाहन के चालक रूप करीब एक दशक से अधिक समय से अपनी सेवा निरंतर दे रहे हैं. दिनचर्या की भांति शवों को मुक्ति धाम पहुंचाने वाले गोपाल मिश्रा से कतरास मुक्ति धाम में हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने मुक्ति धाम पहुंचाने के लिए निःशुल्क वाहन सेवा की शुरुआत की, तभी से वे वाहन के चालक के रूप में शव को मुक्ति धाम पहुंचाने के कार्य में लगे हैं. शुरुआत के कुछ दिनों में शव को उनके मंजिल तक पहुंचाने में अजीब सा महसूस हुआ पर अब धीरे -धीरे यह कार्य दिलोदिमाग को अजीब सा सुकून देने लगा. उन्होंने बताया कि शास्त्रों व लोग कहते हैं कि अपने जीवन काल में अगर कोई भी व्यक्ति 100 शवों को लेकर आखिरी मंजिल मुक्तिधाम जाते हैं, तो इससे आपको स्वर्ग की प्राप्ति होती है, लेकिन इतने भाग-दौड़ भरे जीवन में लोग यह कर नहीं पाते, मगर बाघमारा विधायक द्वारा दी गयी जिम्मेवारी के कारण उन्होंने सेवा अवसर मिला.

अपने हुए बेगाने तो शवों को कांधा देकर लाया और चिता सजाई

कोरोना महामारी के समय की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर गोपाल मिश्रा की आंखों में आंसू छलक पड़ते हैं. उन्होंने कहा कि कोरोना का समय एक मनहूस दौर सा था .आज सैकड़ों हजारों की संख्या में लोग शव को लेकर आते हैं, मिलजुल कर लकड़ी व शव उठाकर अस्थि सजाते हैं, लेकिन कोरोना के समय अपने ही लोग अपनों से बेगाना बनने को मजबूर थे. सारे रिश्ते-नाते महज एक दिखावा लगने लगा था. किसी की मौत हो जाने पर मुहल्ले के घरों के दरवाजे लोग अंदर से बंद कर घर में दुबक जाते थे. उन दिनों की कल्पना मात्र से ही हमारी रुह कांप उठती है. उन्होंने बताया कि कोरोना काल में एक दिन में कभी 10 तो कभी 20 शवों को मुक्तिधाम पहुंचाया लकड़ी उठाई चीता सजाकर खुद से शवों को चिता में लेटाया परिजनों को ढांढस दिया .उस समय शव उठाने वाले चार लोग भी नहीं मिलते थे .अनगिनत शवो को हमने कंधा दिया.

निःशुल्क वाहन 24 घंटे जनता के लिए तैयार रहता है

विधायक ढुल्लू महतो को आभार देते हुए गोपाल मिश्रा ने कहा कि मुझे इस कार्य के लिए विधायक ढुल्लू महतो ने चुन कर मेरे जीवन को सार्थक करने का अवसर दिया है. मैं जीवन भर विधायक का एहसान मंद रहूंगा. उल्लेखनीय है कि बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो ने नि:शुल्क शव वाहन की सेवा शुरू कर बाघमारा के आमजनों के लिए एक नेक पहल की है. शव वाहन बाघमारा की आम जनता के 24 घंटे लिए तैयार रहता है. दिन हो या रात जब भी किसी को शव वाहन की आवश्यकता पड़ती है तो विधायक या उनके परिवार के किसी सदस्य को सूचना देने पर तुरंत शव वाहन नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है.

एक्सआईएसएस में बुक रीडिंग का आयोजन

डॉ कोनी ने अपनी कहानी से युवाओं को दिखायी नयी राह

रजनीश प्रसाद। रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में गुरुवार को बुक रीडिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम एक्सआईएसएस और बेंगलुरु के ड्रीम ए ड्रीम नेव्हेम वी थ्राइव, अवर वर्ल्ड थ्रइव्स के लेखक डॉ कोनी के चुंग के साथ कार्यक्रम किया गया. इस पुस्तक के सह लेखक विशाल तलरेजा उन्होंने इसके बारे में विस्तार से बताया.

उन्होंने आगे कहा कि पुस्तक के माध्यम से मेरा उद्देश्य उन लोगों की आवाज को उठाना था, जिन्होंने चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है. यह पुस्तक न केवल बदलाव की कहानियां बयां करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि समाज का उचित समर्थन कैसे इन युवा दिमागों को फलने- फूलने और अपने समुदायों का नेतृत्व करने में मदद कर सकता है. शाहिद अफरीद, जिनकी कहानी इस पुस्तक की 20 कहानियों में से एक है, ने बताया कि देखभाल और लोगों के समर्थन के साथ,उन्होंने न केवल अपने जीवन की पटकथा बदल दी, बल्कि उन्होंने अपनी पटकथा खुद लिखी.

कॅरियर-काउंसिलिंग

इंटीग्रेटेड बीबीए-एमबीए में भी हैं कॅरियर के सुनहरे ऑप्शन

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

इंटीग्रेटेड एमबीए एक बिजनेस डिग्री है, जो कि आईपीएम (इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट) के नाम से जानी जाती है. यह एक पांच वर्षों की अवधि वाला इंटीग्रेटेड प्रोग्राम है, जो कि अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री (बीबीए और एमबीए) से मिलकर बना कोर्स है. विद्यार्थी अपनी बारहवीं (10 2) कक्षा के बाद इस कोर्स में एडमिशन प्राप्त कर सकते हैं. इस कोर्स का मुख्य फोकस विद्यार्थियों को बिजनेस मैनेजमेंट में एक सर्वश्रेष्ठ डिग्री उपलब्ध करवाना है.

एडवांस और फ्लेक्सिबल मैनेजमेंट स्किल्स

- इस डिग्री को प्राप्त करते समय आप ऐसी स्किल्स सीखते हैं, जिनकी सहायता से आप अच्छी मैनेजमेंट स्किल्स को विकसित कर पाते हैं.
- एमबीए डिग्री की पढ़ाई आपको आपके कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने को मजबूर कर देगी. आप सबसे नए बिजनेस ट्रेंड्स को सीखेंगे, मैनेजमेंट टूल्स और टेक्नीक्स का प्रयोग करेंगे, अपने बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए आप चुनौतियों का सामना करना सीखेंगे.

इंटीग्रेटेड एमबीए

इंटीग्रेटेड एमबीए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कोर्सेज कि सूची में शामिल है और विश्व भर से बहुत सारे विद्यार्थी इस कोर्स के लिए आवेदन करते हैं. पढ़ाई पूरी होने के बाद एक अच्छा सैलरी पैकेज प्राप्त करना हो, किसी कंपनी में मैनेजमेंट में अच्छा पद हासिल करना, एक अच्छे नेटवर्क का विस्तार करना हो या फिर स्वयं का अपना बिजनेस ये कुछ कारण है, जिसकी वजह से विद्यार्थी इंटीग्रेटेड एमबीए को चुनते हैं. इस कोर्स को चुनने के कुछ अन्य मुख्य कारण नीचे विस्तार से दिए गए हैं.

एक व्यापक बिजनेस नेटवर्क तक पहुंच

- एमबीए डिग्री के छात्र के रूप में आपके पास नेटवर्क के बेहतरीन अवसर उपलब्ध होते हैं.
- विद्यार्थी के रूप में आप अपने साथियों, अपने प्रोफेसर, अपने टीचिंग स्टाफ के साथ रहकर सीखते हैं.
- अच्छे मैनेजमेंट और अनुभव वाले व्यक्तियों के साथ मिलते जुलते हैं.
- इन सब गतिविधियों के बीच आपकी बिज़नेस मैनेजमेंट की क्षमताओं का विकास होता है.

भारतीय संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रोहतक
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रांची
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जम्मू
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बोध गया
- जेवियर यूनिवर्सिटी
- नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट और मैनेजमेंट स्टडीज
- मुंबई यूनिवर्सिटी
- लखनऊ यूनिवर्सिटी
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी
- जिंदल ग्लोबल बिजनेस स्कूल
- एसआरएम यूनिवर्सिटी चेन्नई
- एलपीयू जालंधर
- जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, गुड़गांव

इंटीग्रेटेड एमबीए में स्पेशलाइजेशन

- **जनरल मैनेजमेंट :** यह इंटीग्रेटेड एमबीए की सबसे लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन है. एक बहुमुखी (वर्सेटाइल) बिजनेस वातावरण के लिए सबसे अधिक प्रभावशाली और बेहतर है.
- **इंटरनेशनल बिजनेस :** यदि आप अब्रॉड (विदेश) में कार्य करना चाहते हैं या फिर एक विश्व स्तर की कंपनी में अलग अलग जगहों पर कार्य करना चाहते हैं यह कोर्स आपके लिए सही है. जिस प्रकार से ग्लोबल बिजनेस का विस्तार हो रहा है, यह आपके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकता है.
- **स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट :** इस स्पेशलाइज़ेशन में आप लॉन्ग टर्म बिजनेस प्लानिंग के बारे में और बैकअप प्लानिंग के बारे में अधिक सीखते हैं.
- **फाइनेंस :** बैंकर्स, फाइनेंस कंट्रोलर्स, फाइनेंशियल ऑफिसर्स और इससे जुड़े मैनेजर्स के लिए सबसे बेहतर विकल्प. इस कोर्स में आप अकाउंटिंग, डाटा एनालिसिस, स्टेटिक्स और अन्य चीजों के बारे में सीखते हैं.
- **मार्केटिंग :** यह स्पेशलाइज़ेशन उस कार्य पर अधिक ज़ोर देती है, जिसमें कोई प्रोडक्ट या सर्विस को बढ़ावा दिया जाता है.
- **एंटरप्रेन्योरशिप :** यदि आप अपना बिजनेस, स्टार्टअप या फिर नया प्रोडक्ट लॉन्च करना चाहते हैं तो आप इस स्पेशलाइज़ेशन को चुन सकते हैं.
- **ऑपरेशंस मैनेजमेंट :** उन मैनेजर्स के लिए उपयोगी जो प्रोडक्शन से जुड़े होते हैं.
- **आईटी मैनेजमेंट :** यदि आप टेक्नोलॉजी सेक्टर के बिजनेस से जुड़े हुए हैं, तो ये स्पेशलाइज़ेशन आपके लिए सर्वाधिक उपयोगी है. यह स्पेशलाइज़ेशन डाटा के एनालिसिस और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर आधारित है.
- **ह्यूमन रिसोर्सेज :** ये लोगों के बड़े समूह के बीच कार्य करने में सहायता प्रदान करती है जैसे एचआर टीम्स का इंचार्ज होना या फिर एंप्लॉयज के ग्रुप के साथ कार्य करना. इसका टीम डेवलपमेंट, मोटिवेशन, जॉब की जिम्मेदारियों से अवगत करवाना जैसे कार्यों पर अधिक फोकस है.
- **कंसल्टिंग :** कंपनी को जिन चुनौतियों का सामना करना होता है उसके लिए बाहरी राय देने की भूमिका आप इस कोर्स की सहायता से एक कंसलटेंट के तौर पर काम करके निभा सकते हैं.

इंटीग्रेटेड एमबीए के लिए स्किल्स

- अच्छी लीडरशिप और लोगों के मैनेजमेंट की स्किल्स
- आपके या आपकी कंपनी के प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को बेचने, प्रचार करने और विकसित करने की स्किल्स
- एक अच्छा नेटवर्क और पार्टनरशिप या कनेक्शंस बनाने की स्किल्स
- कठिन परिस्थितियों जैसे कि फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स और जनता की धोखाधड़ी को संभालने की स्किल्स
- कंपनी के फाइनेंस को अच्छा रखने कि स्किल्स
- कंपनी की सकारात्मक छवि को बनाए रखने और उसे बढ़ावा देने कि स्किल्स
- इंडस्ट्री के डाटा के अनुसार फ्यूचर ट्रेंड्स का प्रोडक्शन करने कि स्किल्स
- सही समय पर सख्त कदम उठाने की क्षमता होना

जॉब मार्केट में अधिकतम सैलरी

- इंटीग्रेटेड एमबीए डिग्री के विद्यार्थियों की सैलरी कुछ सबसे ज्यादा सैलरी पैकेज पाने वाले लोगों में से एक है. जॉब सिक्योरिटी और ऊंची सैलरी ये दोनों इंटीग्रेटेड एमबीए डिग्री के अधिकतम फायदा देने वाले कारण है.
- एमबीए डिग्री के छात्रों की अन्य मास्टर डिग्रियों की तुलना में सबसे ज्यादा सैलरी होती है.

स्वयं की कंपनी खड़ी करना

- अधिकतर विद्यार्थी इसलिए इंटीग्रेटेड एमबीए कोर्स को चुनते हैं, क्योंकि वे एक बिजनेसमैन बनना चाहते हैं और सीखना चाहते हैं कि किस प्रकार एक बिजनेस को बढ़ाया जाए.
- आपके प्रोफेसर्स आपको उन गलतियों को दोहराने से रोकेंगे जो उन्होंने अपने रीयल-लाइफ अनुभवों से सीखी होती है और जिनसे कंपनी को कोई नुकसान हो.
- वे आपको ये जानने में मदद करेंगे कि आपको क्या करना चाहिए और आपकी कंपनी समय के साथ बढ़ती रहे और स्टेबल रहे.

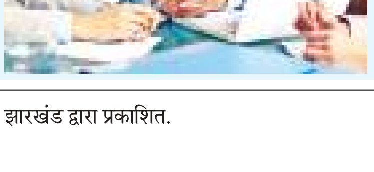

बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड कोर्स के लिए शीर्ष प्रवेश परीक्षाएं

आईपीएमएटी प्रबंधन योग्यता परीक्षण में एकीकृत कार्यक्रम को संदर्भित करता है. यह परीक्षा भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर द्वारा आयोजित की जाती है, ताकि छात्रों को आईएमपी-एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने में मदद मिल सके, जो स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री को एक ही पाठ्यक्रम में जोड़ते हैं. 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद आप परीक्षा में शामिल हो सकते हैं .सेट का मतलब स्कोलास्टिक असेसमेंट टेस्ट है. यह परीक्षा कॉलेज बोर्ड के प्राधिकार द्वारा आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में विश्वविद्यालयों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने में सक्षम बनाया जा सके. सेट साल में 5 बार होता है.

- एमसीएईआर सेट
- ओयूएटी ईटी
- आईसीएआर एआईईईए
- सीयूसीईटी
- आईपीयू सेट
- बीयू एमएटी
- आरयूईटी
- एनएमयू यूजी सेट
- जीसेट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)